आज का मौसम
16.0° अधिकतम तापमान
7.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.58
सूर्यास्त 05.35

अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष अष्टमी 10:20 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2082

रविवार, 11 जनवरी 2026, वर्ष 35, अंक 342, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बोले- कांग्रेस शासन में शुरू प्रश्न पत्र लीक संस्कृति खत्म
- 12

■ केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- भारत-ईयू में व्यापार समझौता होगा शीघ्र
- 12

■ बढ़ते तनाव पर अमेरिकी राजदूत ने कहा-भारत और अमेरिका के लिए अपार मौके
- 13

■ किस्मत में जो होगा उसे कोई मुझसे छीन नहीं सकता : गिल
- 14

Viksit Bharat - Guarantee for Rozgar and Ajeevika Mission (Gramin): VB - G RAM G
(विकसित भारत – जी राम जी) Act, 2025

125 दिन की ग्रामीण रोज़गार गारंटी
रियल-टाइम मॉनिटरिंग के साथ
विकसित ग्राम पंचायत से विकसित भारत की ओर

भारत सरकार
cbc 35101/13/0069/2526

धर्म-निरपेक्षता का ठेका लेने वालों के मुंह पर चिपका टेप : मुख्यमंत्री

बांग्लादेश पर चुप्पी साधने वाले विपक्ष पर सीएम योगी का करारा हमला

● कहा-जाति, मत-संप्रदाय के नाम पर समाज को बांटना सर्वनाश की राजनीति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सीएम योगी ने शनिवार को माघ मेले में आयोजित श्रीमद् जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी के 726वें प्राकट्य महोत्सव में धर्म-निरपेक्षता के कथित ठेकेदारों व समाज को बांटने वाली राजनीति पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि धर्म-निरपेक्षता का ठेका चलाने वालों के मुंह पर जैसे फेविकोल और टेप चिपक गया है। बांग्लादेश की घटनाओं पर मौन साधने वालों को चेताते हुए कहा कि जाति, मत और संप्रदाय के नाम पर समाज को बांटना सर्वनाश की राजनीति है।

मुख्यमंत्री योगी ने सियासी और वैचारिक मोर्चे पर हमला बोलते हुए कहा कि जो ताकतें समाज को बांटती हैं, वे कभी हितैषी नहीं हो सकतीं। सत्ता में आने के बाद उनका दायरा परिवार और स्वार्थ से आगे नहीं बढ़ता। नारे बदल जाते हैं, आचरण नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि डबल इंजन सरकार सनातन आस्था को मजबूती देने के लिए प्रतिबद्ध है और समाज को कमजोर करने वाली किसी भी ताकत को पनपने नहीं दिया जाएगा। योगी ने विश्वास जताया कि जैसे अयोध्या में राम मंदिर पर ध्वज फहरा रहा है, वैसे ही विश्व पटल पर सनातन का झंडा लहराता रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब संत समाज जोड़ने का संकल्प लेता है, तो परिणाम आता है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर संतों की साधना और एकता का प्रतिफल है, जिसे नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साकार रूप मिला। योगी ने कहा कि प्रयागराज की पावन भूमि महर्षि भारद्वाज, महर्षि वाल्मीकि जैसे ऋषियों की तप-साधना से सनातन का केंद्र बनी।

प्रयागराज : शनिवार को संगम में डुबकी लगाते मुख्यमंत्री योगी।

योगी ने संगम में लगाई डुबकी स्नान का बना रिकॉर्ड

मुख्यमंत्री योगी ने प्रयागराज पहुंचते ही शनिवार को मंत्रियों के साथ संगम में डुबकी लगाई और त्रिवेणी की पूजा-अर्चना और आरती की। बाद में बड़े हनुमान मंदिर में भी पूजन किया। उन्होंने मेला व्यवस्था और प्रशासनिक काम-काज की समीक्षा भी की। बताया कि पौष पूर्णिमा पर 31 लाख श्रद्धालुओं ने संगम स्नान किया, जबकि पिछले पांच-छह दिनों में एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। पूरे कार्यक्रम में संतोषाचार्य जी महाराज 'सतुआ बाबा' सहित कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, नंदगोपाल गुप्ता 'नंदी', विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह, हर्षवर्धन वाजपेयी, पीयूष रंजन निषाद, दीपक पटेल, गुरु प्रसाद मौर्य, पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी, स्वामी रामदिनेशाचार्य, स्वामी राघवाचार्य, जगद्गुरु वैदेही वल्लभ देवाचार्य, स्वामी चिदानंद सरस्वती, महंत वैष्णव दास समेत तमाम संत-धर्माचार्य मौजूद रहे।

रामानंदाचार्य प्राकट्य स्थल पर स्मारक-मंदिर बनाने का एलान

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि दारागंज में जिस स्थल में जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी का प्राकट्य हुआ, वहां स्मारक और मंदिर निर्माण के लिए सरकार सहयोग करेगी। उन्होंने संत समाज से संवाद कर सर्वसम्मति से कार्य आगे बढ़ाने का आह्वान किया और कहा कि बिखरे समाज को जोड़ने का रामानंदाचार्य जी का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। योगी ने कहा कि महानता अचानक नहीं आती, इसके लिए दिव्य गुण, दृढ़ इच्छाशक्ति और व्यापक दृष्टि चाहिए। महामानव स्वयं के लिए नहीं, परमार्थ के लिए सोचता है। रामानंदाचार्य जी ने अलग-अलग जातियों से द्वादश शिष्यों के माध्यम से सामाजिक एकता का मार्ग प्रशस्त किया।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, खाने की आदतें और हमारी मनोदशा व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

ब्रीफ न्यूज

मध्य प्रदेश : 10 करोड़ की मेफेड्रोन जब्त

आगर मालवा (मप्र)। पुलिस ने मध्यप्रदेश के आगर मालवा जिले में अवैध रूप से नशीले पदार्थ बनाने वाली इकाई का भंडाफोड़ कर करीब 10 करोड़ रुपये की मेफेड्रोन जब्त की है। अधिकारियों ने बताया कि यह फैक्टरी जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर इंदौर-कोटा राष्ट्रीय राजमार्ग के पास एक फार्महाउस में संचालित की जा रही थी। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) की उज्जैन इकाई के अधीक्षक मुकेश खत्री ने बताया कि सीबीएन को खुफिया सूचना मिली थी कि आमला गांव स्थित तीर्थ हर्बल नर्सरी फार्महाउस में मेफेड्रोन का निर्माण किया जा रहा है और किसी व्यक्ति द्वारा बड़ी खेप लेने आने की संभावना है।

उत्तराखंड बंद आज, रहेगी कड़ी चौकसी

देहरादून। अंकिता भंडारी हत्याकांड में सीबीआई जांच की मांग को लेकर आज उत्तराखंड बंद का आह्वान किया गया है। इसको देखते हुए प्रदेश में कड़ी चौकसी रहेगी। आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने कहा कि, आम जनमानस की सुरक्षा और सुविधा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। बाजारों और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा ताकि आम जनता को असुविधा न हो।

मणिपुर में तीन उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर के घाटी जिलों में सुरक्षा बलों ने विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (नोयन) के एक सक्रिय सदस्य को गुरुवार को इंफाल पूर्व जिले के कोंगपाल चिंगांगबाम इलाके से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि साथ ही, उसी दिन इंफाल पश्चिम जिले के अंबोइखोंगनांगखोंग इलाके से प्रतिबंधित प्रेपाक (प्रो) के 50 वर्षीय सदस्य को गिरफ्तार किया गया।

अगले 30 वर्ष में भारत बन जाएगा विश्वगुरु और हिंदू राष्ट्र : भागवत

मथुरा, एजेंसी

● संघ प्रमुख संत सुदामा दास के वृंदावन आगमन के सौ वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित समारोह में पहुंचे

आरएसएस के सर संघचालक मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि आने वाले 20-30 साल में भारत विश्वगुरु बनेगा और हिंदू राष्ट्र बनकर रहेगा। भागवत ने वृंदावन में सुदामा कुटी आश्रम द्वारा रामानन्दी सम्प्रदाय के प्रवर्तक रामानन्दाचार्य की 726वीं जयंती एवं सुदामा कुटी के संस्थापक संत सुदामा दास के वृंदावन आगमन के सौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित समारोह में यह बात कही।

यमुना किनारे कुंभ मेला स्थल पर आयोजित शताब्दी समारोह में विशाल संत-विद्वत सम्मेलन में रामानन्दी सम्प्रदाय के अनुयायियों के अलावा देश भर के संत-महात्मा शामिल हुए। भागवत ने कहा कि भारत को हिंदू राष्ट्र बनने से कोई रोक नहीं सकता क्योंकि भारत का जन्म ही इसीलिए हुआ है। इसके लिए बस हमारी तैयारी की देरी है। हमें इसके लिए एकजुट हो जाना चाहिए। इस मौके पर मंच पर साध्वी ऋतम्भरा, गीता मनीषी संत ज्ञानानन्द, नाभा पीठाधीश्वर महंत सुतीक्ष्ण दास, मणिराम छावनी अयोध्या के पीठाधीश्वर, पीपा पीठाधीश्वर बलराम दास, महंत राजेंद्र दास, कमल नयन दास, नेपाल से आए स्वामी रामकृष्ण दास, स्वामी सुदर्शन दास आदि संत मौजूद थे।

हिंदू कभी दुश्मन के शौर्य से नहीं आपसी फूट के कारण हारा

संघ प्रमुख ने कहा, हिंदू कभी दुश्मन के शौर्य, वीरता या बल के कारण नहीं पराजित हुआ। वह जब भी हारा, केवल आपसी फूट के कारण ही हारा लेकिन चिंता की बात नहीं। हमने चार-पांच सौ वर्षों तक मुगलों की दासता झेली, उनके अत्याचार सहे। परंतु सनातन फिर भी कमजोर नहीं पड़ा। उसे जितने कष्ट दिए गए, वह पहले से मजबूत होकर पुनः उठ खड़ा हुआ।

ट्रंप ने ओबामा को नोबेल पुरस्कार दिए जाने की आलोचना की

वाशिंगटन, एजेंसी

● तेल और गैस कंपनियों के अधिकारियों के साथ की बैठक

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष खत्म कराने का दावा करते हुए कहा कि नोबेल शांति पुरस्कार के लिए इतिहास में उनसे अधिक हकदार कोई नहीं है।

उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति ओबामा को नोबेल दिए जाने की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया था, जिसके लिए उन्हें यह पुरस्कार दिया जाता। वेनेजुएला के तेल भंडारों पर चर्चा के लिए तेल और गैस कंपनियों के अधिकारियों के साथ शुक्रवार को हुई बैठक में उन्होंने आलोचना की।

पृथ्वी अवलोकन उपग्रह का कल होगा प्रक्षेपण

चेन्नई। इसरो 2026 के प्रक्षेपण कैलेंडर की शुरुआत 12 जनवरी को 'पीएसएलवी-सी62' मिशन से करेगा। इस मिशन के तहत पृथ्वी अवलोकन उपग्रह 'ईओएस-एन1' और 14 अन्य पेलोड को अंतरिक्ष में स्थापित किया जाएगा। इसरो की वाणिज्यिक शाखा न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड के इस मिशन में शामिल 14 अन्य सह-यात्री उपग्रह देशी और विदेशी ग्राहकों के हैं। अंतरिक्ष एजेंसी ने शनिवार को कहा, प्रक्षेपण यान और उपग्रहों का एकीकरण पूरा हो चुका है तथा प्रक्षेपण-पूर्व जांच जारी है।

● पीएसएलवी-सी62 मिशन के साथ इस वर्ष का पहला मिशन रवाना करेगा इसरो

पीएसएलवी-सी62 मिशन का प्रक्षेपण 12 जनवरी को सुबह 10 बजकर 17 मिनट पर श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के प्रथम प्रक्षेपण स्थल से प्रस्तावित है। इस मिशन के लिए 25 घंटे की उलटी गिनती 11 जनवरी को शुरू होगी। यह पीएसएलवी की 64वीं उड़ान होगी। इसरो ने बताया कि पृथ्वी अवलोकन उपग्रह का निर्माण थाईलैंड और ब्रिटेन ने संयुक्त रूप से किया है। पूरा मिशन प्रक्षेपण के बाद दो घंटे से अधिक समय तक चलेगा। मुख्य पेलोड 'पृथ्वी अवलोकन उपग्रह' 13 अन्य सह-यात्री उपग्रहों के साथ 'पिगीबैक मोड' में उड़ान भरेगा।

छापेमारी मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंची ईडी और बंगाल सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

● ईडी ने आई-पैक की जांच में बाधा डालने की याचिका की दाखिल, बंगाल सरकार ने भी केविएट दायर की

ईडी ने पश्चिम बंगाल सरकार और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आई-पैक से जुड़े कोयला घोटाले की जांच में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट में अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दाखिल की है। एजेंसी ने पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग की है। वहीं, पश्चिम बंगाल सरकार ने शीर्ष कोर्ट में एक केविएट दायर कर अनुरोध किया है कि आई-पैक के खिलाफ ईडी की छापेमारी के सिलसिले में उसका पक्ष सुने बिना कोई आदेश पारित न किया जाए।

किसी वादी की ओर से यह सुनिश्चित करने के लिए उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय में केविएट दायर की जाती है कि उसका पक्ष सुने बिना कोई प्रतिकूल आदेश पारित न किया जाए। ईडी ने गुरुवार को करोड़ों रुपये के कोयला चोरी घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के तहत कोलकाता में आई-पैक और उसके निदेशक प्रतीक जैन से जुड़े परिसरों पर छापेमारी की। जांच एजेंसी के मुताबिक, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन परिसरों में प्रवेश किया, जहां तलाशी ली जा रही थी और कई दस्तावेज तथा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सहित महत्वपूर्ण साक्ष्य अपने साथ ले गईं। ममता ने ईडी पर अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। ईडी ने शुक्रवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय का रुख किया और ममता के खिलाफ सीबीआई से जांच कराने का अनुरोध किया।

ईडी ने यूपी-हरियाणा में 585 करोड़ के भूखंड कुर्क किए

नई दिल्ली। ईडी ने शनिवार को कहा कि उसने घर खरीदारों से धोखाधड़ी के आरोप में दिल्ली-एनसीआर में स्थित रियल एस्टेट कंपनी के खिलाफ दर्ज धनशोधन मामले में हरियाणा और उत्तर प्रदेश में 580 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की सैकड़ों एकड़ जमीन कुर्क की है।

● घर खरीदारों के साथ हुई धोखाधड़ी के मामले में की गई कार्रवाई

'एडेल लैंडमार्क्स लिमिटेड' और इसके प्रवर्तक हेम सिंह भड़ाना और सुमित भड़ाना के खिलाफ दर्ज मामले के तहत यह कार्रवाई की गई है। शुक्रवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हरियाणा के गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल और बहादुरगढ़ तथा उत्तर प्रदेश के मेरठ और गाजियाबाद में स्थित 340 एकड़ भूमि की अस्थायी कुर्की का आदेश जारी किया गया है। ईडी ने बताया कि इन भूखंड का कुल मूल्य 585.46 करोड़ रुपये है। धन शोधन का यह मामला हरियाणा और दिल्ली पुलिस द्वारा कंपनी और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ दर्ज 74 प्राथमिकियों और आरोपपत्रों से जुड़ा है, जिसमें उन पर 12-19 साल की देरी के बाद भी वादे के अनुसार फ्लैट और यूनिट्स सौंपने में विफल रहकर कई घर खरीदारों को धोखा देने का आरोप लगाया गया है।

दरोगा पर 50 हजार का इनाम

कानपुर। सचेंडी में किशोरी से गैंगरेप मामले में फरार आरोपी दरोगा अमित मौर्य की गिरफ्तारी चार दिन बाद भी नहीं हो सकी है। इस पर पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने दरोगा की गिरफ्तारी के लिए 50 हजार का इनाम घोषित किया है। पुलिस टीमें दरोगा के पैतृक घर के अलावा उसके अन्य संभावित ठिकानों पर

लगातार दबिश दे रही हैं। पुलिस एक आरोपी शिवबरन को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। वहीं शनिवार को पीड़िता ने कहा कि वह भाई के साथ पुलिस से शिकायत करने जा रही थी, तभी शिवबरन के भाई ने रास्ते में घेरकर पीटा था।

राम मंदिर में नमाज पढ़ने की कोशिश

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : राम मंदिर में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक मुस्लिम व्यक्ति ने दक्षिणी परकोटे के पास नमाज पढ़ने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद सुरक्षा बलों ने तत्परता दिखाते हुए उसे पकड़ लिया, इस दौरान उसने धार्मिक नारे भी लगाए। आरोपी के पास मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान अब अहद शेख निवासी शोपियां जम्मू कश्मीर के रूप में हुई।

विभिन्न जांच एजेंसियों के अधिकारी आरोपी से पूछताछ कर रहे हैं। इसके लिए जम्मू कश्मीर पुलिस से भी संपर्क साधा गया है। आरोपी ने शनिवार दोपहर श्रीराम जन्मभूमि पथ से सामान्य दर्शन

● सुरक्षाबल ने अधेड़ को दबोचा आरोपी के पास मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान

● जम्मू कश्मीर जिले के शोपियां जिले का रहने वाला है अब अहमद शेख, जांच शुरू

वाली लाइन में लगकर मंदिर परिसर में प्रवेश किया। वह डी-वन क्रॉसिंग से होकर गर्भगृह तक पहुंचा व रामलला के दर्शन किए। इसके बाद वह दक्षिणी परकोटे के पास एक खाली स्थान पर जमीन पर बैठकर नमाज पढ़ने की कोशिश कर रहा था, तभी वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों ने उसे दबोच लिया। इस दौरान उसने धार्मिक नारे लगाए, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने उसके मुंह को बांध दिया व परिसर स्थित राम जन्मभूमि चौकी ले गए। आरोपी की तलाशी के दौरान उसके पास से एक आधार कार्ड, कुछ ड्राई फ्रूट, 27 सौ रुपये व एक डायरी भी मिली। वहीं, सूचना मिलते ही एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर, परिसर के एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे, आईबी व रॉ समेत अन्य एजेंसी ने पूछताछ की।

> आरोपी के पास मिले आधार पर दर्ज उसके पते का सत्यापन कराया जा रहा है। मंदिर परिसर तक लगे सीसीटीवी के माध्यम से उसकी गतिविधियों को देखा जा रहा है। पूछताछ जारी है।
> -बलरामाचारी दुबे, एसपी सुरक्षा

उपलब्धि दिसंबर माह की रैंकिंग की गई जारी, बरेली को विकास और राजस्व श्रेणी में 10 अंकों में से 9 .27 अंक मिले

सीएम डैशबोर्ड में बरेली टॉप, लखीमपुर खीरी व शाहजहांपुर सेकेंड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● सीएम योगी की सख्त मॉनीटरिंग से गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन

अमृत विचार : मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की दिसंबर माह की रैंकिंग में बरेली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है, जबकि लखीमपुर खीरी और शाहजहांपुर ने समान अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से दूसरा स्थान प्राप्त किया है।

वहीं सोनभद्र चौथे और श्रावस्ती पांचवें स्थान पर रहा। अधिकारियों का कहना है कि यह रैंकिंग योगी आदित्यनाथ की सतत मॉनीटरिंग और जवाबदेही तय करने की व्यवस्था का प्रत्यक्ष परिणाम है।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की यह रैंकिंग प्रदेश भर के जिलों में आधारभूत विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं, राजस्व कार्यों और सरकारी परियोजनाओं के क्रियान्वयन के आधार पर तैयार की जाती है। बरेली जिले ने विकास और राजस्व श्रेणी में 10 अंकों में से 9.27 अंक प्राप्त कर प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया। लखीमपुर खीरी ने 9.26 अंक हासिल कर प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया। दिसंबर माह की रैंकिंग में शाहजहांपुर ने भी 9.26 अंक प्राप्त कर लखीमपुर खीरी के साथ संयुक्त रूप से दूसरा स्थान हासिल किया है। उधर, सोनभद्र ने 9.19 अंक के साथ चौथा स्थान प्राप्त किया, जबकि श्रावस्ती ने 9.13 अंक हासिल कर प्रदेश में पांचवां स्थान पाया।

सीएम डैशबोर्ड दिसंबर रैंकिंग

- बरेली- 9 .27 / 10 (प्रदेश में प्रथम)
- लखीमपुर खीरी- 9 .26 / 10 (संयुक्त द्वितीय)
- शाहजहांपुर- 9 .26 / 10 (संयुक्त द्वितीय)
- सोनभद्र - 9 .19 / 10 (चतुर्थ)
- श्रावस्ती - 9 .13 / 10 (पंचम)

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 11 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

हज-2026 : सऊदी अरब में भारत का नेतृत्व करेंगे मंत्री दानिश

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी को हज-2026 के लिए भारत सरकार ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। सऊदी अरब में हज-2026 की व्यवस्थाओं की देखरेख के लिए भारत सरकार द्वारा गठित उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल का दानिश को चेयरमैन बनाया गया है। हज-2026 की यात्रा को सुगम और अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने के उद्देश्य से दानिश आजाद अंसारी के नेतृत्व में नवगठित उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल शनिवार की शाम को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सऊदी अरब के लिए रवाना हो गया। यह प्रतिनिधिमंडल एक सप्ताह तक सऊदी अरब के विभिन्न धार्मिक स्थलों का दौरा करेगा, और यह सुनिश्चित करेगा कि जब भारतीय हज यात्री यहां पहुंचें तो उनके लिए पहले से ही बेहतर इंतजाम किये जा सकें। इस प्रतिनिधिमंडल में दिल्ली और बिहार राज्य हज समिति के कार्यपालक अधिकारियों के अलावा हज कमेटी ऑफ़ इंडिया मुम्बई के उप कार्यपालक अधिकारी भी शामिल हैं।

स्टेट पर्यटन अवॉर्ड्स के लिए आवेदन आमंत्रित

अमृत विचार, लखनऊ : राष्ट्रीय पर्यटन दिवस 2026 के अवसर पर उप्र. पर्यटन विभाग ने स्टेट पर्यटन अवॉर्ड्स-2026 की घोषणा की है। इन पुरस्कारों से राज्य के उन गांवों, ग्रामीण होमस्टे और फार्म स्टे को सम्मानित किया जाएगा, जो स्थानीय संस्कृति, सामुदायिक सहभागिता और जिम्मेदार पर्यटन के जरिए ग्रामीण पर्यटन को नई पहचान दे रहे हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शनिवार को बताया कि पुरस्कारों के लिए तीन श्रेणियों में आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, बेस्ट पर्यटन गांव 2026, बेस्ट होमस्टे (ग्रामीण) और बेस्ट फार्म स्टे। खास बात यह है कि उप्र. पर्यटन विभाग में पंजीकृत न होने वाले पात्र हितधारक भी इन पुरस्कारों के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन उत्तर प्रदेश पर्यटन की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म के माध्यम से किए जाएंगे।

308.59 करोड़ से खरीदे जाएंगे जूट बोरे

अमृत विचार, लखनऊ : खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के तहत धान खरीद और सीएमआर (कस्टम मिल्ड राइस) आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए शासन ने बड़ा वित्तीय निर्णय लिया है। शासनादेश के अनुसार, भारत सरकार के 10वें आपूर्ति योजना के अंतर्गत आवंटित 87,000 जूट बोरों की खरीद के लिए 3,08,59,42,200 रुपये (लगभग 308.59 करोड़) के अग्रिम आहरण को स्वीकृति दी गई है।

स्किल्स प्रतियोगिता के पंजीकरण में यूपी आगे

अमृत विचार, लखनऊ : इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता 2025 के अंतर्गत उप्र. में आयोजित होने जा रही राज्य स्तरीय स्किल्स प्रतियोगिता के लिए तैयारी अंतिम चरण में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश ने 1,09,249 पंजीकरण के साथ देश में सर्वाधिक प्रतिभागियों वाला अग्रणी राज्य बनने का गौरव हासिल किया है। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने शनिवार को बताया कि जिला और मंडल स्तर की प्रतियोगिताएं सफलतापूर्वक संपन्न हो चुकी हैं। अब राज्य स्तरीय स्किल्स कम्पटीशन का आयोजन 12, 13, 19, 20, 22 और 23 जनवरी 2026 को लखनऊ में किया जाएगा, जबकि 24 जनवरी 2026 को पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित होगा।

यूपी बना संघ की बड़ी प्रयोगशाला, ढांचे में सर्जरी से मिलेगी नई दिशा

वृंदावन मंथन में हिंदुत्व का विस्तार, सामाजिक संतुलन और भाजपा-संघ रिश्तों पर फोकस

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

- मोहल्लों तक सीधी पैठ से लेकर पसमांदा मुस्लिम रणनीति तक ढांचे में होगा बड़ा बदलाव

अमृत विचार: मथुरा के वृंदावन स्थित केशव धाम में हुई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की अखिल भारतीय कार्यकारिणी बैठक ने यह संकेत साफ कर दिया है कि उत्तर प्रदेश आने वाले वर्षों में संघ की सबसे बड़ी सामाजिक-राजनीतिक प्रयोगशाला बनने जा रहा है। 2027 के विधानसभा चुनाव को केंद्र में रखकर संघ ने संगठनात्मक ढांचे, सामाजिक रणनीति और भारतीय जनता पार्टी के साथ समन्वय, तीनों मोर्चों पर एक साथ हस्तक्षेप की विस्तृत रूपरेखा तैयार की है।

वृंदावन की यह बैठक बताती है कि संघ खुद को सिर्फ वैचारिक संगठन तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि सामाजिक-राजनीतिक दिशा तय करने वाली शक्ति के रूप में स्थापित करना चाहता है। ढांचे की सर्जरी, ओबीसी-पसमांदा फोकस और भाजपा के साथ री-सेटेड रिश्ते, ये सभी 2027 की तैयारी की कड़ियां हैं। आने वाले महीनों में यूपी की गलियों और गांवों में संघ की बढ़ती मौजूदगी प्रदेश की राजनीति को नई दिशा दे सकती है। बैठक का सबसे अहम फैसला संघ के सांगठनिक ढांचे में प्रस्तावित बड़ा पुनर्गठन है। अब तक प्रांत स्तर पर सक्रिय प्रांत प्रचारकों की भूमिका में बदलाव कर उन्हें प्रदेश स्तर पर केंद्रित किया जाएगा, जबकि संभाग स्तर पर नए प्रचारकों की तैनाती होगी। इसका सीधा संदेश है कि संघ अब और नीचे, मोहल्लों, बस्तियों और गांवों तक सीधी पहुंच बनाना चाहता है। संघ पदाधिकारियों के अनुसार, बीते वर्षों में विस्तार के बावजूद कई क्षेत्रों में संपर्क शिथिल पड़ा है। नई व्यवस्था का उद्देश्य निष्क्रिय स्वयंसेवकों को फिर से सक्रिय करना और स्थानीय सामाजिक ताने-बाने में संघ की रोजमर्रा की मौजूदगी को मजबूत करना है। मार्च से देशभर में लागू होने वाली यह प्रणाली यूपी में प्राथमिकता के साथ जमीन पर उतरेगी।

सामाजिक समरसता का गणित

बैठक में संघ प्रमुख मोहन भागवत का संदेश स्पष्ट रहा कि हिंदुत्व को केवल प्रतीकों और आंदोलनों तक सीमित न रखकर शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवा गतिविधियों के जरिए समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाए। यूपी के संदर्भ में इसका अर्थ मंदिर-आंदोलन के पुराने फ्रेम से आगे बढ़कर सामाजिक नेटवर्क, सांस्कृतिक सक्रियता और सेवा कार्यों के जरिए हिंदू समाज को जोड़ना है। संघ के आकलन में ओबीसी वर्ग यूपी की राजनीति की निर्णायक धुरी है। इसलिए 'सामाजिक समरसता' को हिंदुत्व की व्यापक अवधारणा से जोड़ा जा रहा है।

2024 से सबक 2027 पर नजर

वृंदावन में भाजपा नेतृत्व के साथ हुई समन्वय बैठकों में संगठन महामंत्री बीएल संतोष सहित शीर्ष पदाधिकारी शामिल रहे। 2024 के लोकसभा चुनाव में लगे झटके के फीडबैक, फॉलो-अप और समन्वय पर खुली चर्चा हुई।

पसमांदा मुस्लिम रणनीति संवेदनशील पर दूरगामी दांव

बैठक का सबसे संवेदनशील और चर्चित मुद्दा पसमांदा मुस्लिमों को लेकर बनी रणनीति रही। कारीगर, बुनकर और मजदूर तबके से जुड़े पसमांदा समाज को मुख्यधारा से जोड़कर मुस्लिम समाज के भीतर वैकल्पिक विमर्श खड़ा करने की कोशिश मानी जा रही है, जो राजनीतिक रूप से जोखिम भरी, लेकिन दूरगामी असर वाली रणनीति है।

समरस मैराथन आज जुटेंगे देशभर के धावक

अमृत विचार, लखनऊ : अभ्युदय यूथ क्लब के तत्वावधान में 'समरस मैराथन' का आयोजन 11 जनवरी (रविवार) को लखनऊ में किया जा रहा है। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आयोजित मैराथन स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरित है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह झंडी दिखाकर पांच किलोमीटर की मैराथन का शुभारंभ करेंगे। जिसमें देशभर से पुरुष एवं महिला धावक प्रतिभाग करेंगे। सुबह 7 बजे से शुरू होने वाली मैराथन का स्थल कुड़ियाघाट (ग्रीन कॉरिडोर रोड), घंटाघर, निर्धारित किया गया है। पुरुष वर्ग में प्रथम पुरस्कार 10,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 5,000, तृतीय पुरस्कार 3,000, 7 धावकों को 500-500 रुपये के सांत्वना पुरस्कार और महिला वर्ग में भी कुल 10 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

पवित्रता, संवाद और समन्वय से सकुशल होंगे सभी स्नान : योगी

मुख्यमंत्री ने तीर्थराज प्रयागराज पहुंचकर की माघ मेले की तैयारी की समीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/प्रयागराज

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को माघ मेले की तैयारी को लेकर प्रयागराज दौरे के दौरान समीक्षा करते हुए विश्वास जताया कि पवित्रता, संवाद और समन्वय के साथ सभी प्रमुख स्नान पर्व सकुशल संपन्न होंगे। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रशासन की सजगता, तकनीक के प्रभावी उपयोग और सभी विभागों के आपसी सहयोग से श्रद्धालुओं की सुविधाएं और सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष माघ मेला 3 जनवरी से प्रारंभ होकर 15 फरवरी तक चलेगा। इतने लंबे आयोजन को देखते हुए सरकार और प्रशासन सभी व्यवस्थाओं पर निरंतर निगरानी रखे हुए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि पौष पूर्णिमा पर जहां 10 से 15 लाख श्रद्धालुओं के आने का अनुमान था, वहीं 31 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पावन त्रिवेणी में स्नान किया। कल्पवासी एक माह के कल्पवास हेतु तप-साधना में लीन हैं, जिनकी सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी के अनुसार 14-15 जनवरी को मकर संक्रांति, 18 जनवरी को मौनी अमावस्या, 23 जनवरी को वसंत पंचमी, माघ पूर्णिमा और 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के प्रमुख स्नान संपन्न होंगे। इन सभी पर्वों को सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से कराने के लिए व्यापक तैयारी की गई हैं। इस वर्ष घाटों की लंबाई बढ़ाई गई है, जिससे श्रद्धालुओं को अधिक स्थान मिल सके। स्वच्छता पर विशेष जोर दिया गया है और शीतलहर से बचाव के लिए अलाव, रैन बसेरे व स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि भीड़ प्रबंधन के लिए पब्लिक एड्रेस सिस्टम को प्रभावी ढंग से लागू किया गया है।

माघ मेले की तैयारी परखने प्रयागराज पहुंचे मुख्यमंत्री योगी संगम पर पूजा-अर्चना करते हुए, साथ में अन्य।

श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन करेगा 'माघ मेला सेवा ऐप', योगी ने किया उद्घाटन

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रयागराज में समीक्षा बैठक से पहले तीर्थयात्रियों को डिजिटल मार्गदर्शन देने वाले 'माघ मेला सेवा ऐप' का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीक के माध्यम से श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। मेला प्रशासन के अनुसार, यह एप इस तरह से डिजाइन किया गया है कि मेला क्षेत्र के किसी भी हिस्से में मौजूद श्रद्धालु या पर्यटक सीधे प्रशासन से जुड़ सकेगा।

'माघ मेला सेवा ऐप' का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में अन्य।

सरकारी नौकरी के नाम पर फर्जीवाड़ा करने वालों पर ईडी का शिकंजा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- देशभर में 16 ठिकानों पर छापे फर्जी जॉइनिंग लेटर से लेकर डिजिटल सबूत जब्त
- लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, मुजफ्फरपुर, कोलकाता, चेन्नई, समेत कई शहरों में छापेमारी

अमृत विचार: सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर चल रहे बड़े फर्जीवाड़े के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की है। ईडी के पटना क्षेत्रीय कार्यालय की टीम ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत देश के 16 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। इस दौरान ईडी को बिक्री विलेख, बैंक खातों का विवरण, हस्तलिखित नोट्स, चेक, ऋण समझौते, निवेश से जुड़े कागजात, फर्जी नौकरी विज्ञापनों की प्रतियां और डिजिटल साक्ष्य सहित कई अहम दस्तावेज हाथ लगे हैं। इन सभी दस्तावेजों को जब्त कर लिया गया है। जिनके आधार पर जांच कर रही है।

प्रवर्तन निदेशालय के पटना यूनिट की टीम ने शुक्रवार को यह कार्रवाई मुजफ्फरपुर, मोतिहारी, कोलकाता, एर्नाकुलम, पंडालम, अडूर, कोडूर, चेन्नई, राजकोट, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ समेत 16 शहरों में की गई। ईडी ने यह जांच बिहार के सोनपुर रेलवे स्टेशन पर नौकरी चाहने वालों को फंसाते पाए गए दीपक कुमार तिवारी और सक्षम श्रीवास्तव के खिलाफ सोनपुर जीआरपी थाना में दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की। यह एफआईआर बीएनएस 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई थी। पूछताछ में सामने आया कि दोनों एक संगठित गिरोह का हिस्सा हैं, जो सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर लोगों से ठगी करता था।

रेलवे और अन्य विभागों में नौकरी का झांसा

जांच में खुलासा हुआ कि यह गिरोह भारतीय रेलवे और अन्य सरकारी विभागों में आरपीएफ, टीटीई, तकनीशियन जैसे पदों के इच्छुक उम्मीदवारों को निशाना बनाता था। गिरोह फर्जी जॉइनिंग लेटर तैयार करता था, फर्जी प्रशिक्षण केंद्र चलाता था। नकली पहचान पत्र भी बनवाता था। इतना ही नहीं, आरोपियों ने सरकारी ईमेल आईडी से मिलती-जुलती फर्जी ईमेल आईडी तैयार की थीं, जैसे 'gm.eer.rail.net.gov.in@gmail.com', ताकि रेल मंत्रालय का रूप धारण कर उम्मीदवारों को फर्जी जॉइनिंग लेटर भेजे जा सकें।

वेतन देकर बनाया भरोसा

नौकरी के ऑफर लेटर को असली दिखाने के लिए गिरोह उम्मीदवारों को दो से तीन महीने तक वेतन भी देता था। यह भुगतान सरकारी बैंक खातों जैसे "मेसर्स ट्रेजरी ऑफिस आरओ", "मेसर्स एफसीआई आरओ", "आरआरबी" और "बाय सैलरी" जैसे नामों से किए गए खातों के जरिए किया जाता था, जिससे उम्मीदवारों को नौकरी के वैध होने का भरोसा हो जाए। ईडी अधिकारियों के अनुसार मामले में धन शोधन के स्पष्ट संकेत मिले हैं। जब्त दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पूरे नेटवर्क की परत दर परत जांच की जा रही है। जल्द ही इस मामले में कई आरोपियों की गिरफ्तारी भी होगी।

3,706 करोड़ की सेमीकंडक्टर परियोजना में राहत, शासनादेश जारी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश को गति देने के लिए एक महत्वपूर्ण शासनादेश में 3,706 करोड़ की सेमीकंडक्टर परियोजना को बड़ी राहत दी है। इसके माध्यम से यूपी सेमीकंडक्टर नीति-2024 के अंतर्गत मेसर्स वामा सुंदरी इन्वेस्टमेंट्स (दिल्ली) प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में पूर्व में जारी लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) में संशोधन करते हुए अब इसे परियोजना कंपनी मेसर्स इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जारी करने का निर्णय लिया गया है।

यह निर्णय भारत सरकार के इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के अनुरोध पर लिया गया है। शासनादेश के अनुसार, यह परियोजना यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में स्थापित की जानी है। परियोजना का कुल निवेश लगभग 3,706.12 करोड़ रुपये है। इसके तहत आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्टिंग सुविधा स्थापित की जाएगी।

आगरा, वाराणसी और उन्नाव में चार बड़े एसटीपी शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : आगरा, वाराणसी और उन्नाव में चार बड़े सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) शुरू हो गई है। इससे करीब 50 लाख लोगों को सीधा लाभ मिलेगा और अब शहरों का गंदा पानी बिना शोधन के गंगा-यमुना में नहीं जाएगा।

आगरा में 31 एमएलडी और 35 एमएलडी क्षमता के दो एसटीपी चालू हुए हैं। 842 करोड़ रुपये की इन परियोजनाओं से लगभग 25 लाख लोगों को लाभ मिलेगा। वहीं वाराणसी के अस्सी-बीएचयू क्षेत्र में 55 एमएलडी एसटीपी का संचालन शुरू किया गया है, जिस पर 308 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं और इससे 18 लाख से अधिक लोग लाभान्वित होंगे। शुक्लागंज में 65 करोड़ रुपये की लागत से 5 एमएलडी एसटीपी शुरू हुआ है, जिससे तीन लाख से अधिक आबादी को फायदा मिलेगा।

राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के परियोजना निदेशक जोगिन्दर सिंह के अनुसार प्रदेश में कुल 74 सीवर शोधन परियोजनाएं स्वीकृत हैं, जिनमें से 41 पूर्ण हो चुकी हैं। वर्तमान में 152 एसटीपी संचालित हैं।

मुजफ्फरनगर में वाइनरी को मंजूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कानपुर देहात में वाइन यूनिट लगाने को अनुमति

प्रदेश सरकार ने कानपुर देहात जिले में वाइन निर्माण इकाई स्थापित करने की अनुमति प्रदान की है। शासनादेश के अनुसार गुड ड्रॉप वाइन सेल्स प्रालि. को ग्राम-बिलसराय, तहसील-अकबरपुर, जनपद-कानपुर देहात में 9.75 लाख लीटर वार्षिक क्षमता की वाइन यूनिट स्थापित करने की मंजूरी दी गई है।

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने मुजफ्फरनगर जिले के ग्राम भंडूर (परगना जौली) में 14 लाख लीटर वार्षिक क्षमता की द्राक्षासवनी (वाइनरी) स्थापित करने को मंजूरी दे दी है। परियोजना रेजिना वाइन एंड स्पिरिट्स एलएलपी द्वारा स्थापित की जाएगी।

शासनादेश के अनुसार, यह अनुमति उत्तर प्रदेश द्राक्षासवनी (द्वितीय संशोधन) नियमावली, 2022 के तहत दी गई है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इकाई को उत्पादन शुरू करने से पहले सभी लागू नियमों व शर्तों का अक्षरशः पालन करना होगा। परियोजना से जिले में निवेश और रोजगार संवर्धन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। शासन ने आबकारी आयुक्त को निर्देश दिए हैं कि वे सभी सुसंगत नियमों-शासनादेशों के अनुपालन के साथ अग्रेतर कार्रवाई सुनिश्चित करें। यह कदम राज्य में औद्योगिक निवेश के साथ-साथ कृषि-आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सोलर क्षेत्र में यूपी बना रोल मॉडल बिहार-असम ने मांगी जानकारी

अमृत विचार, लखनऊ : पीएम सूर्य घर योजना के तहत यूपी का रूफटॉप सोलर मॉडल अब राष्ट्रीय स्तर पर रोल मॉडल बन गया है। इसकी सफलता से प्रभावित होकर बिहार और असम ने यूपी के सोलर मॉडल को अपनाने की पहल की है। इन राज्यों के आग्रह पर यूपी के सोलर विशेषज्ञ वहां जाकर प्रशिक्षण और प्रस्तुतीकरण दे रहे हैं।

उत्तर प्रदेश नवीन एवं अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) के एमडी इंद्रजीत सिंह के अनुसार, यूपी का सोलर मॉडल अब पूरे देश में एक सफल केस-स्टडी के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। गांव से लेकर शहर तक छतों पर लगे सोलर पैनल न केवल बिजली उत्पादन बढ़ा रहे हैं, बल्कि हरित अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आत्मनिर्भरता को भी मजबूती दे रहे हैं। प्रदेश में अब तक रूफटॉप सोलर के लिए 10.43 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 3.34 लाख घरों पर संयंत्र स्थापित हो चुके हैं। इससे 1,148.56 मेगावॉट सोलर क्षमता विकसित हुई है।

मृतक बीएलओ के परिजनों को सपा ने सौंपे दो-दो लाख के चेक

मृतक बीएलओ के परिजन को चेक सौंपते सपा प्रमुख अखिलेश यादव।

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पार्टी मुख्यालय में मुरादाबाद और देवरिया के मृतक बीएलओ के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। साथ ही गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। इसी क्रम में उन्होंने शनिवार को मुरादाबाद के मृतक बीएलओ सर्वेश सिंह जाटव (सहायक अध्यापक) की पत्नी बबली देवी को दो लाख रुपये का चेक सौंपा। इसके अलावा देवरिया के सलेमपुर तहसील में कार्यरत लेखपाल मृतक आशीष कुमार की पत्नी कंचन तथा माझका नरायन में तैनात बीएलओ जगदम्बा दुबे की पत्नी रंजू देवी को भी दो-दो लाख रुपये के चेक प्रदान किए गए।

पड़ताल

मुबारकपुर स्थित मदरसा दारुल उलूम अहले सुन्नत मदरसा अशरफिया के मामले में सामने आए चौंकाने वाले तथ्य

एटीएस की रिपोर्ट ने किया देश विरोधी गतिविधियों का खुलासा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ब्रिटेन की नागरिकता हासिल करने वाले मौलाना को देते रहे वेतन विदेशी फंडिंग भी कराई गई

अमृत विचार: आजमगढ़ के मुबारकपुर स्थित मदरसा दारुल उलूम अहले सुन्नत मदरसा अशरफिया (मिस्बाहुल उलूम) पर लगे देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने की पुष्टि एटीएस की रिपोर्ट में हुई। आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) वाराणसी यूनिट ने 23 जुलाई 2025 को अपनी रिपोर्ट शासन को भेजी थी। जिसमें मदरसे और उससे जुड़े व्यक्तियों के विरुद्ध चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

एटीएस समेत अपर जिलाधिकारी प्रशासन, अपर पुलिस अधीक्षक, उपनिदेशक अल्पसंख्यक कल्याण और पुलिस उपाधीक्षक द्वारा की गई संयुक्त जांच में यह स्पष्ट हुआ कि आरोपी शमशुल हुदा खान वर्ष 2007 से ही मैनचेस्टर (ब्रिटेन) में रह रहा था। 19 दिसंबर 2013 को उसने स्वेच्छा से भारतीय नागरिकता त्याग कर ब्रिटिश नागरिकता प्राप्त कर ली, इसके बावजूद 31 जुलाई 2017 तक मदरसा अशरफिया में सहायक अध्यापक के पद पर रहते हुए अवैध रूप से वेतन प्राप्त करता रहा। रिपोर्ट के अनुसार शमसुल हुदा खान की नियुक्ति 12 जुलाई 1984 को सहायक अध्यापक (आलिया) पद पर हुई थी। जांच में यह भी सामने आया कि लगभग पांच वर्षों तक बिना सेवा दिए ही उसने वेतन लिया। इस पूरे प्रकरण में तत्कालीन प्रधानाध्यापक मोहम्मद अहमद मिस्बाही, बाद के प्रधानाध्यापक निजामुद्दीन रिजवी और मदरसा संचालक हाजी सरफराज अहमद की मिलीभगत से यह संभव हुआ।

रिपोर्ट में की गई थी एनजीओ व मदरसों की मान्यता निरस्त करने की सिफारिश : एटीएस और शासन की रिपोर्ट में इन तथ्यों की गंभीरता को देखते हुए मदरसा अशरफिया, शमसुल हुदा खान द्वारा संचालित मदरसा कुलियातुल बनातीर रजबिया गर्ल्स मदरसा, संबंधित एनजीओ और रजा फाउंडेशन की विस्तृत जांच कराते हुए दोनों मदरसों और एनजीओ की मान्यता निरस्त करने तथा संबंधित विभागों द्वारा एफआईआर दर्ज कर विधिक कार्रवाई किए जाने की सिफारिश की गई है। इसी रिपोर्ट के आधार पर पुलिस व प्रशासन ने कार्रवाई की है।

502 दिन का लिया था चिकित्सकीय अवकाश

जांच रिपोर्ट में सामने आया कि ब्रिटेन में निवास के दौरान शमसुल हुदा खान ने 502 दिन का चिकित्सीय अवकाश लिया था। साथ ही 2038 दिन का अवैतनिक अवकाश लिया। इसके बाद भी वर्ष 2007 से 2017 तक बिना सेवा पुस्तिका की जांच के उसे नियमित वार्षिक वेतन वृद्धि दी जाती रही। उसकी सैलरी सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, मुबारकपुर के खाते में जाती रही और वर्तमान में स्वीकृत पेंशन की राशि उसकी पत्नी सकलैन बानो व अन्य खातों में ट्रांसफर की जा रही है। नियमों के विपरीत 1 अगस्त 2017 से पेंशन स्वीकृत किए जाने को भी जांच में अनियमित बताया गया है।

शमशुल ने ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, सिंगापुर, श्रीलंका और पाकिस्तान की बार-बार की थी यात्राएं

एटीएस की रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि नौकरी के दौरान शमशुल हुदा खान ने ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, सिंगापुर, श्रीलंका और पाकिस्तान की बार-बार यात्राएं कीं। विदेशों में रहते हुए उसने मदरसे के लिए फंड एकत्र करने, कमीशनखोरी और दलाली करने के आरोप भी लगाए गए हैं। जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि उसने कुलियातुल बनातीर रजबिया एजूकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी और रजा फाउंडेशन नामक एनजीओ बनाकर तथा खलीलाबाद में एक मदरसे का निर्माण कराकर विदेशी फंडिंग जुटाई। रिपोर्ट में शमसुल हुदा खान की गतिविधियों को संदिग्ध बताते हुए कहा गया है कि वह विदेशों में इस्लामी विषयों पर ऑफलाइन और ऑनलाइन तकरीरें करता रहा, भारत के विभिन्न क्षेत्रों से लोगों को जोड़कर धर्म प्रचार के नाम पर इस्लामीकरण को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया। साथ ही पाकिस्तान के विभिन्न क्षेत्रों में आना-जाना, वहां के लोगों से संपर्क और भारत में जम्मू-कश्मीर से जुड़े लोगों से संपर्क स्थापित करने की बात भी सामने आई है।

मक्खन मलाई के शौकीनों का पसंदीदा अड्डा है चौक

संवाददाता, चौक

- नवाबी स्वाद और इतिहास से महकता लखनऊ का प्रसिद्ध चौक
- मुगल काल से लेकर आज तक लोगों को लुभाता लजीज व्यंजन

अमृत विचार: लखनऊ अपनी नवाबी शैली, ऐतिहासिक संस्कृति और लजीज खानपान के लिए दुनिया भर में मशहूर है। शहर का चौक क्षेत्र मक्खन मलाई खाने के शौकीनों का पसंदीदा अड्डा है, जहां मक्खन मलाई, कुल्फी और सर्दियों में विशेष मिठाइयां मिलती हैं। पिछले साल प्रख्यात गायक एवं अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने भी चौक का दौरा किया और मक्खन मलाई का स्वाद लिया।

मक्खन मलाई बेचने वाले गया प्रसाद बताते हैं कि यह व्यंजन मुगल काल से ही मौजूद है और पहले घरों में बनता था, बाद में नवाबों और राजाओं की पार्टियों में परोसा जाने लगा। शहर में इसे स्थानीय रूप से नमीश या नमश भी कहते हैं, जिसका अर्थ है "क्षण में घुल जाना।"

चौक क्षेत्र में मक्खन मलाई बेचता दुकानदार। अमृत विचार

मुन्ना ठाकुर ने बताया कि मक्खन मलाई बनाने का तरीका लगभग हर जगह समान है, लेकिन स्वाद में क्षेत्र और पसंद के अनुसार अंतर होता है। चौक में अनुराग कश्यप ने प्रक्रिया साझा की: सबसे पहले दूध उबालते हैं, उसमें क्रीम मिलाते हैं और बर्फ पर रखकर मथते हैं। फेन अलग करने के बाद इसमें चीनी, मिश्री, केसर और मेवा मिलाया जाता है। रात में मथने का कारण सुबह की बिक्री को देखते हुए है, क्योंकि लोग इसे नाश्ते में भी पसंद करते हैं।

चौक का यह व्यंजन लखनऊ की समृद्ध पाक संस्कृति का प्रतीक बन चुका है, जो न केवल स्वाद में बल्कि ऐतिहासिक महत्व में भी शहरवासियों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है।

मनमोहक

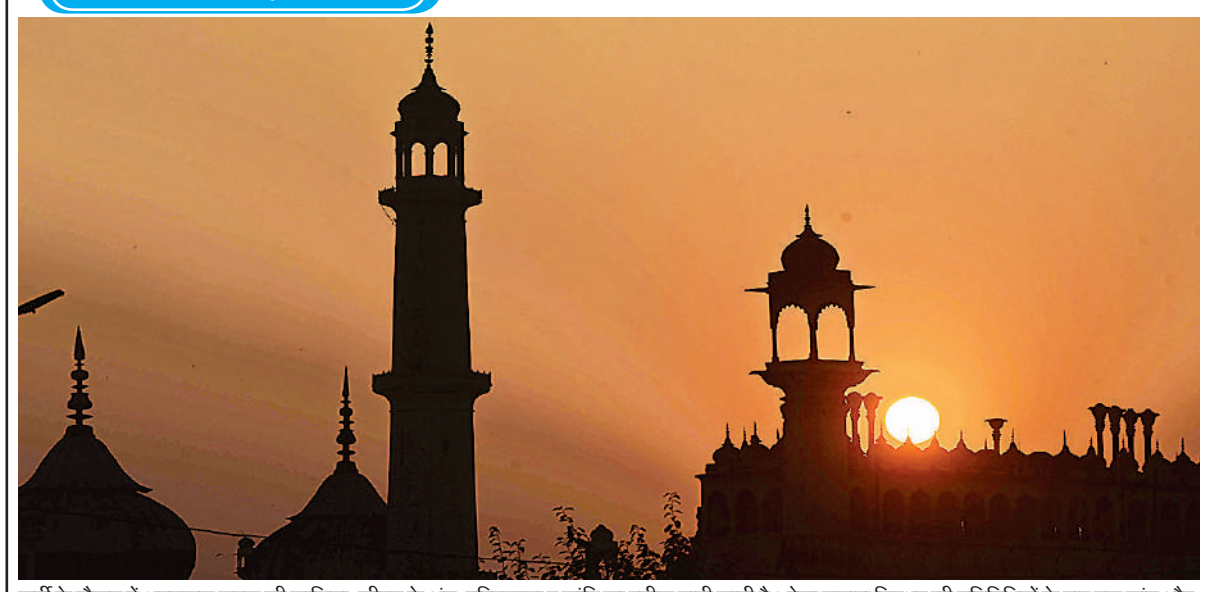
सर्दी के मौसम में अस्ताचल सूरज की लालिमा, जीवन के अंत, परिपक्वता व शांति का प्रतीक मानी जाती है। ऐसा नजारा दिनभर की गतिविधियों के बाद एक शांत और सुंदर अंत की ओर ले जाते महसूस कराता है। ऐसे समय बयार का वेग थम जाता है, पखेरू शांत होकर अपने नीड़ में लौट जाते हैं। शनिवार को इमामबाड़ा के गुंबदों से डूबते सूरज की लालिमा का नयनाभिराम दृश्य देखते ही बन रहा। ● शुभंकर चक्रवर्ती

न्यूज ब्रीफ

तालाब किनारे दिखा अजगर, वन विभाग ने किया रेस्क्यू

अमृत विचार, मोहनलालगंज: शनिवार को मोहनलालगंज के मऊ गांव के बाहर बड़े तालाब के किनारे एक विशालकाय अजगर रेंगते हुए दिखाई दिया। करीब दस फुट लंबा अजगर देख ग्रामीण भयभीत हो गए और भीड़ जमा हो गई। तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को देखते हुए वन विभाग को अवगत कराया। कुछ ही देर में पहुंचे वन कर्मियों ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर अजगर को सुरक्षित पकड़ लिया। वन विभाग के अनुसार अजगर पूरी तरह स्वस्थ है और उसे सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। ग्रामीणों ने बताया कि यह पहली बार इलाके में इतनी बड़ी नागिन दिखाई दी, जिससे दहशत फैल गई। वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि जंगली जानवर दिखने पर तुरंत सूचना दें और खुद से कोई कार्रवाई न करें।

महाकुंभ के आईसीसीसी और मेटा सुसाइडल अलर्ट को स्कॉच अवार्ड

यूपी पुलिस को दोहरी उपलब्धि हासिल कराने वाली देश की पहली फोर्स बनी यूपी पुलिस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश पुलिस को महाकुंभ में स्थापित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) और सोशल मीडिया सेंटर के मेटा सुसाइडल अलर्ट के लिए वर्ष 2025 का प्रतिष्ठित स्कॉच अवार्ड मिला है। यूपी पुलिस देश का पहला पुलिस बल बन गया है। जिसे स्कॉच अवार्ड की दो अलग-अलग श्रेणियों में सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार नई दिल्ली में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया।

105वें स्कॉच समिट कार्यक्रम में, जिसकी थीम 'गवर्नेंस विद भारत' रही, यह सम्मान दिया गया। डीजीपी राजीव कृष्ण को मिला यह अवार्ड स्कॉच ग्रुप के चेयरमैन समीर कोचर से डीजीपी के पीआरओ राहुल श्रीवास्तव, आईपीएस अमित कुमार, फेसबुक मेटा के आउटरीच साउथ एशिया पैसिफिक के निदेशक सत्या यादव ने ग्रहण किया।

स्कॉच अवार्ड के साथ मौजूद अधिकारी। अमृत विचार

समारोह में बताया गया कि यूपी पुलिस सोशल मीडिया के माध्यम से नागरिकों के प्राणों की रक्षा का प्रयोग करने वाली दुनिया की पहली पुलिस एजेंसी है। पुलिस मुख्यालय के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी पुलिस को आधुनिक संसाधनों से लैस किया है। उनके नेतृत्व में डीजीपी राजीव कृष्ण ने पुलिसिंग में प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग को प्राथमिकता दी।

महाकुंभ के दौरान यूपी पुलिस ने एआई तकनीक की मदद से भीड़ प्रबंधन, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संचालित किया। वहीं सोशल मीडिया सेंटर के मेटा सुसाइडल अलर्ट सिस्टम के जरिए एक जनवरी 2023 से 31 दिसंबर 2025 के बीच 1805 लोगों की जान बचाई गई। इन लोगों ने सोशल मीडिया पर अपने आत्मघाती प्रयासों से जुड़ी पोस्ट साझा की थीं, जिन पर त्वरित कार्रवाई कर पुलिस ने समय रहते हस्तक्षेप किया। स्कॉच अवार्ड मिलने को यूपी पुलिस के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, जो तकनीक आधारित संवेदनशील और प्रभावी पुलिसिंग का उदाहरण पेश करता है।

हेल्थ सिटी विस्तार हॉस्पिटल में हेल्थ चेकअप कैंप आज

अमृत विचार, लखनऊ: सुशांत गोल्फ सिटी के समीप सीएमएस स्थित हेल्थ सिटी विस्तार सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल द्वारा रविवार को मेगा हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में विभिन्न बीमारियों की जांच और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। हेल्थ सिटी के संस्थापक डॉ. संदीप कपूर ने बताया कि कैंप में गैस्ट्रो फिजीशियन, न्यूरोलॉजी, आर्थोपेडिक्स, मेडिसिन, ईएनटी, नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी सहित कुल 12 विषयों के विशेषज्ञ चिकित्सक मौजूद रहेंगे। शिविर का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि शिविर में आने वाले मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श दिया जाएगा, साथ ही चिकित्सक द्वारा सुझाई गई सभी जांचें पूरी तरह निःशुल्क की जाएंगी। इस मेगा हेल्थ चेकअप कैंप का उद्देश्य आमजन को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

स्मार्ट प्रीपेड मीटरों के साथ चेक मीटरों का नहीं हो रहा मिलान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में लगाए गए स्मार्ट प्रीपेड मीटरों को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। उपभोक्ताओं के परिसरों में स्मार्ट मीटरों के साथ लगाए गए चेक मीटरों के आंकड़ों का मिलान नहीं किया जा रहा है। इतना ही नहीं, पावर कॉरपोरेशन ने इस संबंध में अब तक एक भी रिपोर्ट ऊर्जा मंत्रालय को नहीं भेजी है। इससे स्मार्ट मीटरों को लेकर आ रही शिकायतों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही है।

राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने इस मुद्दे पर कड़ा एतराज जताते हुए कहा है कि जब चेक मीटरों की रीडिंग का मिलान ही नहीं किया जा रहा तो उपभोक्ता स्मार्ट मीटरों पर भरोसा कैसे करें। परिषद का कहना है कि यह उपभोक्ता अधिकारों का खुला उल्लंघन है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक लगभग 56.82 लाख स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा चुके हैं। इनमें से करीब 37.43 लाख मीटर उपभोक्ताओं की सहमति के बिना ही प्रीपेड मोड में बदल दिए गए हैं। स्मार्ट मीटरों की रीडिंग की सत्यता जांचने के लिए प्रदेश भर में 3,76,596 चेक मीटर भी लगाए गए हैं, लेकिन इनका उद्देश्य ही पूरा नहीं हो पा रहा है।

भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार, हर माह उपभोक्ताओं के यहां लगे पुराने मीटर (चेक मीटर) और स्मार्ट प्रीपेड मीटर की रीडिंग का मिलान कर उसकी रिपोर्ट ऊर्जा मंत्रालय को भेजना अनिवार्य है। बावजूद इसके पावर कॉरपोरेशन की ओर से अब तक एक भी मासिक रिपोर्ट नहीं भेजी गई है। परिषद का कहना है कि यदि समय रहते चेक मीटरों का मिलान और रिपोर्टिंग नहीं की गई तो स्मार्ट मीटरों को लेकर अविश्वास और शिकायतें और बढ़ेंगी। परिषद ने मांग की है कि तुरंत मिलान रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए, ताकि उपभोक्ताओं का भरोसा बहाल हो सके और पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

CITY MONTESSORI SCHOOL
LUCKNOW
Gateway to the World's Brightest Futures

CMS CITY MONTESSORI SCHOOL
GUINNESS RECORD HOLDER AS THE WORLD'S LARGEST SCHOOL
UNESCO City Montessori School is the Recipient of the 2002 UNESCO Prize for Peace Education

73 CMS students qualified in the prestigious CLAT 2026 examination

22 of these secured All India Ranks below 4000 (photographs below)

Aryan Verma, Aliganj Campus I, AIR 25, Reserved Category

Syed M. Fatehullah, Mahanagar Campus, AIR 249

Vaishnavee Yadav, Mahanagar Campus, AIR 325, Reserved Category

Ashmi Verma, Gomti Nagar Extn. Campus, AIR 368

Mohammad Akbar, Aliganj Campus I, AIR 783

Pavani Vats, Aliganj Campus I, AIR 998

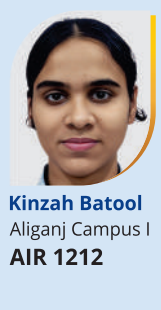
Kinzah Batool, Aliganj Campus I, AIR 1212

Katyayani Mishra, Aliganj Campus I, AIR 1253

Trisha Singh, Aliganj Campus I, AIR 1266

Achintya Misra, Aliganj Campus I, AIR 1339

Utkarsh Singh, Gomti Nagar Campus I, AIR 1491

Nivedita Singh, Gomti Nagar Campus I, AIR 1705

Siddharth Karan, Aliganj Campus I, AIR 1743

Pranjal Mishra, Kanpur Road Campus, AIR 2106

Rishi Raj Shukla, Gomti Nagar Campus I, AIR 2232

Arikta Singh, Gomti Nagar Campus I, AIR 2324

Ritika Kesarwani, Aliganj Campus I, AIR 2489

Garv Gupta, Gomti Nagar Campus I, AIR 2639

Moulik Srivastava, Aliganj Campus I, AIR 3001

Samarth Singh, Gomti Nagar Extn. Campus, AIR 3381

Nishka Dwivedi, Gomti Nagar Extn. Campus, AIR 3802

Anava Jain, Aliganj Campus I, AIR 3988

HIGHLIGHTS of 2025
5 CMS alumni selected in All India Civil Services (UPSC)
43 CMS students selected in JEE Advanced
152 CMS students selected in NEET
75 CMS students selected in top Universities of the World, 54 with scholarships

To see our top CLAT selections, scan QR code

CMS is now also in JANKIPURAM (KURSI ROAD)

CMS ADVANTAGE: Unprecedented global exposure | Teacher-Guardian Home Visit scheme | Free in-house JEE and NEET prep programme | www.cmseducation.org

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 11 जनवरी 2026

लखनऊ

न्यूज ब्रीफ

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

अमृत विचार, मलिहाबाद : थाना क्षेत्र में मलिहाबाद चौराहे के निकट शनिवार देर रात लगभग दस बजे सड़क पार कर रहे 25 वर्षीय युवक की अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक की पहचान कराने की कोशिश की लेकिन नहीं हो सकी। पुलिस ने बताया कि युवक को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी है। जिससे युवक के सिर में चोट आई है और दोनों हाथ टूट गए हैं। युवक नीली लोअर व लाइट डेनिम जैकेट पहने हुए था। युवक शिनाख्त कराने की कोशिश की जा रही है। इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि युवक की पहचान कराने के साथ साथ राज्यमार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरे से अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

जालसाज गिरफ्तार कार बरामद

अमृत विचार, गोसाईंगंज : सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने धोखाधड़ी के एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से बिना नंबर की ब्रेजा कार बरामद कर ली है। गिरफ्तार आरोपी अजय गौतम निवासी ग्राम कलंदरखेड़ा मोहनलालगंज का रहने वाला है। इंस्पेक्टर राजीव रंजन उपाध्याय ने बताया कि आरोपी के खिलाफ जमीन दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी, रुपये लेने और धमकी की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। आरोपी के खिलाफ अमेठी व लखनऊ में कई मामले दर्ज हैं।

वाहन से कुचलने का प्रयास

अमृत विचार, सरोजनीनगर : थाना क्षेत्र के पिपरसण्ड गांव निवासी कौशलेंद्र प्रताप सिंह ने अमावां के अरविंद सिंह और ऐन के संदीप कुमार पर जान से मारने की धमकी देने और वाहन से कुचलने के प्रयास का आरोप लगाया है। पीड़ित ने बताया कि 9 जनवरी की शाम करीब 7:30 बजे अरविन्द सिंह ने उनके मोबाइल पर कॉल कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

यात्री के बैग से .32 बोर के दो कारतूस बरामद

अमृत विचार, सरोजनीनगर : चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर शुक्रवार रात दुबई जा रहे एक यात्री के हैंडबैग में .32 बोर के दो जिंदा कारतूस मिले। ठाकुरगंज निवासी मो. गुफरान को एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान आईएक्स-193 से रात 1:35 बजे दुबई जाना था। वह करीब रात 12 बजे बोर्डिंग के लिए टर्मिनल बिल्डिंग में प्रवेश कर रहे थे। इसी दौरान एसएचए एरिया में सुरक्षा जांच के समय उनके हैंडबैग की स्क्रीनिंग में दो जिंदा कारतूस दिखाई दिए। भौतिक जांच में बैग से .32 बोर पिस्टल के कारतूस बरामद हुए। सीआईएसएफ ने कार्रवाई करते हुए बरामद कारतूस सरोजनीनगर पुलिस के हवाले कर दिए।

दीवार फांदकर घर में घुसे चोर

अमृत विचार, पीजीआई : थाना क्षेत्र के रायबरेली रोड स्थित न्यू डिफेंस कॉलोनी में शनिवार तड़के आवारा कुत्तों की सतर्कता से एक परिवार की सालों की कमाई लूटने से बच गयी। घर का मुख्य दरवाजा बंद होने के कारण कुत्ते भीतर नहीं जा सके, लेकिन उन्होंने चहारदीवारी पर पैर टिकाकर और गेट के पास खड़े होकर भौंकना शुरू कर दिया। कुत्तों की लगातार भौंकने से घर के भीतर हलचल मच गई। परिजन जागे और बाहर निकलने लगे। खुद को पकड़े जाने के डर से घबराए चोर दीवार फांदकर भागने लगे। बताया गया कि जैसे ही चोर गली में पहुंचे, आवारा कुत्तों ने उनका पीछा कर लिया। कॉलोनी की गलियों में करीब आधा किलोमीटर तक कुत्ते चोरों के पीछे दौड़ते रहे।

पार्किंग न होने पर नहीं पास होगा भवन का नक्शा

शहरवासियों को जाम से निजात दिलाने के लिए शनिवार को मंडलायुक्त की अध्यक्षता में हुआ मंथन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

बैठक में मौजूद मंडलायुक्त के अलावा पुलिस आयुक्त, डीएम, जेसीपी कानून-व्यवस्था, डीसीपी यातायात व अन्य विभागों के अधिकारी।

- पार्किंग, अतिक्रमण, फ्लाइओवर, सिग्नल फ्री चौराहे पर हुई चर्चा

अमृत विचार: राजधानी को जाम से निजात दिलाने के लिए शनिवार को मंडलायुक्त की अध्यक्षता में पुलिस, पीडब्ल्यूडी, एलडीए, नगर निगम, परिवहन के अधिकारियों की बैठक हुई। शनिवार को हुए बैठक में मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने साफ निर्देश दिये के जिन भवनों में क्षमता के अनुसार पार्किंग के इंतजाम नहीं है। ऐसे व्यावसायिक भवनों के नक्शे एलडीए पास न करे। अगर कोई बनाता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा बैठक में पार्किंग, अतिक्रमण, फ्लाइओवर, सिग्नल फ्री चौराहे समेत अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई। मंडलायुक्त ने कहा कि मुख्य मार्गों पर बड़े-बड़े प्रतिष्ठान खुल रहे हैं। जिनमें पार्किंग की जगह न होने के कारण वाहन सड़कों पर खड़े हो रहे हैं। इसका ध्यान दें कि जिन इमारतों के नक्शे पास किए जा रहे हैं, उनका अधिकारी निरीक्षण करें। इमारत में आने वालों की संख्या के हिसाब से पार्किंग की क्षमता नहीं है, तो उसका नक्शा पास न किया जाए। इसमें लापरवाही करने वाले अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

एलडीए व नगर निगम चिह्नित करे मल्टी लेवल, ग्राउंड व बेसमेंट की जगह : बैठक में मौजूद संयुक्त पुलिस आयुक्त (जेसीपी) कानून व्यवस्था बबलू कुमार ने बताया कि शहर की सबसे बड़ी समस्या प्रमुख स्थलों पर पार्किंग की है। एलडीए व नगर निगम के अधिकारियों से कहा गया है कि सभी जगहों पर देख लें और मल्टी लेवल, ग्राउंड व बेसमेंट सभी जगहों को चिन्हित कर बताएं। ताकि नो-पार्किंग में गाड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके। बताया कि चारबाग से सिकंदरबाग चौराहे वाले मार्ग को चिह्नित किया गया है। उस मार्ग पर ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने के लिए नगर निगम के साथ अतिक्रमण हटवाया जाएगा, ताकि वाहन आसानी से निकलते रहें।

चरणबद्ध तरीके से किये जाएंगे चौराहे अतिक्रमण मुक्त : जेसीपी कानून-व्यवस्था के मुताबिक शहर के ट्रैफिक जाम वाले चौराहे चिह्नित किए जाएंगे। इसे चरणबद्ध तरीके से अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा। सबसे पहले दस चौराहे चिह्नित किए जाएंगे। यहां पर चौराहों पर आटो, ई-रिक्शा और सवारी वाहनों को 50 मीटर पहले ही सवारी उतारने-बिठाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके लिए नो-पार्किंग और नो-वेंडिंग जोन बनाए जाएंगे। दुकानों के बाहर कब्जा करने वालों पर कार्रवाई होगी। नगर निगम के साथ मिलकर अतिक्रमण मुक्त बनाया जाएगा। इसकी हर सात-सात दिन में समीक्षा की जाएगी। पहले फेज के लिए ट्रैफिक पुलिस उन चौराहों को चिह्नित कर नगर निगम के साथ रिपोर्ट साझा करेगी।

हाइवे पर चिह्नित होंगे पिक एंड ड्राप प्वाइंट

- जेसीपी के मुताबिक लखनऊ-सुलतानपुर मार्ग पर यात्री वाहनों के लिए पिक एंड ड्राप प्वाइंट चिह्नित किए जाएंगे। कानपुर रोड से आइआईएम रोड तक दुबग्गा मछली मंडी के सामने सड़क को चार लेन का किया जाएगा। रायबरेली मार्ग पर तेलीबाग से पीजीआइ तक आवश्यकतानुसार एलिवेटेड ओवरब्रिज और फुट ओवरब्रिज (एक्सेलेरेटर) बनाने का प्रस्ताव भी रखा गया है। इसके अलावा परिवहन विभाग की तरफ से 18 हजार वाहनों का पंजीकरण रद किया गया था, उनको पुलिस करेगी सीज। कैसरबाग बस अड्डे पर को जानकीपुरम में शिफ्ट करने के लिए शासन रिपोर्ट भेजी जाएगी। हर निर्णय के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे और समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित होगी। बैठक में मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत के अलावा पुलिस आयुक्त अमरेंद्र कुमार सेंगर, डीएम विशाख जी, जेसीपी कानून-व्यवस्था बबलू कुमार, डीसीपी यातायात कमलेश दीक्षित, एलडीए, नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, स्मार्ट सिटी, परिवहन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

चौराहों पर होगा रोड इंजीनियरिंग में बदलाव

- शहर के प्रमुख मार्गों, एलिवेटेड रोड, चौराहों और तिराहों को सिग्नल मुक्त बनाने के लिए रोड इंजीनियरिंग में बदलाव और अन्य सुधारों के प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। बताया गया कि लखनऊ-अयोध्या मार्ग और लखनऊ-कानपुर मार्ग को जोड़ने वाले शहीद पथ और लिंक मार्ग को सुव्यवस्थित करने के लिए पहले से अंडरपास, क्लोवर लीफ और सर्विस रोड विस्तार के प्रस्ताव तैयार है। लखनऊ-सीतापुर मार्ग पर अस्ति क्रासिंग और इंजीनियरिंग कालेज के पास फ्लाईओवर निर्माण का प्रस्ताव पहले से स्वीकृत है। वहीं ग्रीन कारिडोर के पहले चरण के पूरा होने के बाद जंक्शन प्वाइंटों पर रोटरी को सही किया जाएगा।

महिला ने किया हंगामा सीएम से मिलने की जिद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- गौतमपल्ली पुलिस ने पकड़कर आगरा पुलिस को सौंपा

अमृत विचार: विक्रमादित्य मार्ग पर शुक्रवार शाम महिला ने जमकर हंगामा किया। पुलिस कर्मियों ने उसे पकड़ा तो मुख्यमंत्री से मिलने की जिद कर करते हुए महिला पुलिस से भिड़ने लगी। पुलिस किसी तरह उसे गौतमपल्ली थाने लेकर पहुंची। पुलिस ने आगरा पुलिस से संपर्क कर उसे समझा बुझाकर वहीं भेज दिया।

एसीपी हजरतगंज विकास कुमार जायसवाल ने बताया कि पूछताछ में महिला ने अपना नाम आगरा के ट्रांस गंगा सिटी इलाके के डी-ब्लाक कालिंदी विहार निवासी सरजू यादव पत्नी त्रिभुवन सिंह बताया। उसने वर्ष 2024 में ट्रांस गंगा सिटी में चोरी की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। पुलिस जांच कर रही थी। करीब तीन माह पूर्व वह थाने पहुंची। इंस्पेक्टर से उसने कहा कि उसने डकैती की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। इंस्पेक्टर उक्त धारा को चोरी में बदल चुके थे। उन्होंने जांच कराई तो पता चला कि चोरी का मामला था और उसमें फाइनल रिपोर्ट लग चुकी है। इसके बाद सूरज वहां हंगामा करने लगी। महिला दरोगा ने समझाने की कोशिश की तो उससे मारपीट की। सूरज को शांति भंग में जेल भेज दिया गया था। इसके बाद वह शुक्रवार शाम गौतमपल्ली में विक्रमादित्य मार्ग पर पहुंची। वहां हंगामा करने लगी। महिला पुलिस कर्मियों ने पकड़ा थाने ले गई। समझा बुझाकर आगरा पुलिस को बुलाकर उनके सुपुर्द कर दिया गया।

अनियंत्रित डीसीएम नहर में पलटा

- **अमृत विचार, काकोरी :** पारा के आगरा एक्सप्रेसवे के जीरो प्वाइंट के पास शनिवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। गोरखपुर से एटा जा रहे कांच की बोतलों से लदा डीसीएम वाहन सर्विस रोड के किनारे बनी छोटी माइनर नहर में अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के बाद डीसीएम चालक नहर में फंस गया, जिससे उसकी जान पर गंभीर खतरा बन गया। यातायात निरीक्षक देवेश शाही ने बताया कि डीसीएम चालक की पहचान प्रदीप यादव निवासी जनपद हमीरपुर के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही मौके पर मौजूद यातायात पुलिस ने तत्परता और साहस का परिचय देते हुए तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। यातायात निरीक्षक देवेश शाही के नेतृत्व में पीआरडी कांस्टेबल मुलायम यादव व अन्य पुलिसकर्मियों की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद नहर में फंसे चालक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। समय रहते किए गए रेस्क्यू के कारण चालक की जान बच सकी। हादसे के चलते कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा, हालांकि पुलिस की त्वरित कार्रवाई से जल्द ही यातायात सुचारू करा दिया गया।

सेल्सगर्ल का जीना किया दूभर सरेराह की छेड़छाड़, दी धमकी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पीड़िता ने कैसरबाग कोतवाली में दर्ज करायी रिपोर्ट

अमृत विचार: लालबाग निवासी 24 वर्षीय युवती नजीराबाद स्थित एक दुकान पर नौकरी करती है। पीड़िता ने बताया कि दुकान पर आते-जाते एक युवक काफी समय से बाइक से उसका पीछा करता है। कई बार आरोपी ने बाइक आगे लगाकर रास्ता रोकने का प्रयास किया लेकिन पीड़िता नजरअंदाज कर चली गयी। पीड़िता ने बताया कि आरोपी नजीराबाद की एक दुकान पर रेडीमेड चिकन माल की सप्लाई करने आता है।

पीड़िता का कहना है कि कुछ समय पहले रात में ड्यूटी से लौटते समय आरोपी ने उसका रास्ता रोक लिया। बात करने का दबाव बनाने लगा। इंकार करने पर गलत काम करने की धमकी दी। विरोध करने पर आरोपी ने गाली-गलौज की। किसी तरह पीड़िता वहां से भाग निकली। पीड़िता ने बताया कि 24 दिसंबर की रात आरोपी ने फिर से रास्ता रोका। विरोध पर धमकाने लगा। पीड़िता ने शोर मचाते हुए वीडियो बनाना शुरु किया तो आरोपी भाग निकला। घर पहुंची पीड़िता ने आपबीती परिजन को बतायी। हिम्मत जुटाकर पीड़िता ने 7 जनवरी को कैसरबाग कोतवाली में शिकायत की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ छेड़छाड़, गाली-गलौज व धमकी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

बंद घर में चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

अमृत विचार, आलमबाग: मानकनगर के समर विहार में बंद मकान की छत की ग्रिल काट चोरी करने वाले दो चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 5380 रुपये, जेवर, विदेशी मुद्रा, अन्य सामान व चोरी में प्रयुक्त बाइक बरामद की है।

एसओ अजीत सिंह ने बताया आरोपियों में सागर सिंह उर्फ गुज्जर निवासी ग्राम पतस्सा पनकी कानपुर व अंशू सिंह निवासी ग्राम गुजैनी बाना गोविंद नगर कानपुर नगर बताया। आरोपियों ने कबूला कि साथी राज के साथ मिलकर 3 जनवरी की रात समर विहार के एक घर में चोरी की थी। आरोपी सागर सिंह उर्फ गुज्जर के खिलाफ दो दर्जन मामले दर्ज हैं।

बदमाशों ने ताना तमंचा, कॉलोनी वालों ने पकड़ा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- व्यवसायी के घर का ताला तोड़ रहे थे तीन बदमाश
- सरोजनीनगर पुलिस तीनों को ले गयी थाने, तमंचा बरामद

अमृत विचार: सरोजनीनगर के एलडीए कॉलोनी के सेक्टर-एफ स्थित आवासीय कालोनी के लोगों ने शुक्रवार देर रात बहादुरी की मिसाल पेश की। कॉलोनी के लोगों ने तमंचा ताने खड़े बदमाशों की घेर लिया। उसके बाद पुलिस की मदद से तीनों बदमाशों को पकड़ लिया गया। आरोपियों के पास से दो तमंचे और बाइक बरामद की है। पुलिस तीनों बदमाशों से पूछताछ कर रही है।

शुक्रवार देर रात सेक्टर-एफ निवासी व्यवसायी कमलेश कुमार मल्होत्रा के घर का ताला तोड़कर एक बदमाश अंदर घुसने का प्रयास कर रहा था। देर रात हुई खटपट सुनकर पड़ोसी जग गए। बाहर निकलकर पुलिस को फोन कर दिया। जबतक सरोजनीनगर पुलिस पहुंची लोगों ने बदमाशों घेर लिया। खुद को घिरता देख ताला तोड़ रहे बदमाश ने कॉलोनी वालों पर तमंचा तान दिया।

इसके बाद भी बहादुर कालोनी वालों की पीछे नहीं हटे। उन्होंने घेराबंदी कर एक को धर दबोचा। यह देख बाइक पर बैठे दो बदमाश भागने लगे। पुलिस कर्मियों ने उन्हें दौड़ाकर सीएमपी पार्क के पास धर दबोचा। पुलिस तीनों बदमाशों को पकड़कर थाने ले गई। कालोनी वासियों की साहस से एक बड़ी वारदात होते हुए बच गई। इंस्पेक्टर सरोजनीनगर राजदेव प्रजापति ने बताया कि तीनों बदमाशों पूछताछ की जा रही है। बदमाशों के आपराधिक इतिहास का भी पता लगाया जा रहा है।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

पिस्टल के साथ कार मैकेनिक हुआ गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ: मड़ियांव पुलिस ने एक कार मैकेनिक को अवैध पिस्टल और चार कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह शौक के लिए पिस्टल रखता था।

आरोपी पिस्टल कहां से लाया था, इसकी छानबीन पुलिस कर रही है। इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्रा ने बताया कि सूचना पर मड़ियांव पुलिस के नीचे एक युवक को दौड़ा कर पकड़ा गया। तलाशी लेने पर युवक के पास से 7.65 बोर की पिस्टल, 7.65 बोर के दो कारतूस और 9 एमएम बोर के दो कारतूस बरामद मिले। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम ठाकुरगंज निवासी मो. कामरान बताया।

फर्जी या डुप्लीकेट मतदाता बनाने पर कराई जाएगी एफआईआर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा वोटर लिस्ट को अपने हिसाब से बनाना चाहती है और साजिश के तहत पीडीए समाज के वोट काटकर अपना वोट बढ़ाने के निर्देश दे रही है। सरकार ने हर बूथ पर 200 वोट बढ़ाने का निर्देश दिया है। इसके लिए सपा ने अपने सभी बीएलए और बूथ प्रहरियों को एफआईआर दर्ज कराने का प्रारूप उपलब्ध कराया है। जहां भी फर्जी या डुप्लीकेट मतदाता बनाए जाते दिखेंगे, वहां सीधे एफआईआर कराई जाएगी।

सपा प्रमुख शनिवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि एसआईआर जैसी बड़ी प्रक्रिया के दौरान केवल वास्तविक मतदाताओं के नाम ही सूची में होने चाहिए, लेकिन राज्य और केंद्रीय चुनाव आयोग की मतदाता सूचियों में करोड़ों वोटों का अंतर सामने आ रहा है, जबकि बीएलओ और अधिकारी वही हैं। उन्होंने चुनाव आयोग से स्पष्ट करने की मांग की कि सही सूची कौन-सी है। अखिलेश यादव ने कहा कि जिलों में मतदाताओं की सुनवाई राजनीतिक दलों के बीएलए की मौजूदगी में हो और फैसलों के बाद सूची नोटिस बोर्ड पर चस्पा की जाए। उन्होंने कहा कि भाजपा मुद्दों पर नहीं, बल्कि वोट और डेटा की हेराफेरी से चुनाव जीतना चाहती है।

होम स्टे योजना के लिए चलेगा जागरूकता अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से उप्र. पर्यटन विभाग होम स्टे और ब्रेड एंड ब्रेकफास्ट योजना को लेकर प्रदेशव्यापी जागरूकता अभियान चलाएगा। यह अभियान 14 जनवरी से 30 जनवरी तक राज्य के सभी प्रमुख पर्यटन स्थलों वाले शहरों में आयोजित किया जाएगा। अभियान के तहत पर्यटन विभाग की टीमें जिलों में जाकर स्थानीय नागरिकों को योजना के लाभों की जानकारी देंगी और पात्र आवेदकों का पंजीकरण कर उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान करेंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप इस पहल का उद्देश्य पर्यटन सुविधाओं का विस्तार करने के साथ-साथ स्थानीय निवासियों को रोजगार और अतिरिक्त आय के अवसर उपलब्ध कराना है।

अमौसी मेट्रो स्टेशन पर रिटायर्ड बैंककर्मी प्लेटफार्म से पटरी पर गिरा

संवाददाता, सरोजनीनगर

- रोकी गई ट्रेन, घायल बुजुर्ग को पहुंचाया गया अस्पताल

अमृत विचार: अमौसी मेट्रो स्टेशन पर शनिवार दोपहर रिटायर्ड बैंककर्मी अचानक प्लेटफार्म से ट्रेन की पटरी पर गिरकर घायल हो गया। इस घटना से मेट्रो स्टेशन पर हड़कंप मच गया। आनन फानन सुरक्षा कर्मियों ने उसे उठाकर बाहर लाने के साथ सरोजनीनगर पुलिस और 108 एंबुलेंस पर सूचना दी। बुजुर्ग को लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

गौरी-बिजनौर रोड स्थित भंडारी पेट्रोल पंप के पास रहने वाले स्टेट बैंक आफ इंडिया से रिटायर्ड महेश शर्मा (67) शनिवार दोपहर करीब 1 बजे अमौसी मेट्रो स्टेशन से टिकट लेकर प्लेटफार्म पर पहुंचे, तभी अचानक प्लेटफार्म से नीचे मेट्रो स्टेशन की रेल पटरी पर गिर गए। उनके गिरने से मेट्रो स्टेशन पर हड़कंप मच गया और एयरपोर्ट से मुंशी पुलिया जाने के लिए अमौसी मेट्रो स्टेशन आ रही मेट्रो को कुछ देर के लिए रोक दिया गया।

हालांकि बाद में आनन फानन सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें पटरी से उठाकर बाहर किया और इसकी सूचना पुलिस को देने के साथ एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। पत्नी अर्चना शर्मा ने बताया कि महेश किडनी की बीमारी से ग्रसित हैं और उनका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों ने उन्हें ज्यादा कहीं आने जाने से मना कर रखा है।

जालसाज गिरफ्तार कार हुई बरामद

अमृत विचार, गोसाईगंज : सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने धोखाधड़ी के आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से बिना नंबर प्लेट की कार बरामद की है। इंस्पेक्टर राजीव रंजन उपाध्याय के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी मोहनलालगंज के कलंदरखेड़ा का रहने वाला अजय गौतम है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी द्वारा जमीन दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी, रुपये लेने और धमकी देने के मामले में वर्ष 2025 में रिपोर्ट दर्ज किया गया था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी को सेक्टर-10, वृंदावन कॉलोनी के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। आरोपी के विरुद्ध अमेठी व लखनऊ जनपद के कई थानों में मामले दर्ज हैं।

योजना

प्रदेश में एआई एप से बच्चों की वैक्सीनेशन की निगरानी करने वाला पहला जिला बना फतेहपुर

फतेहपुर में एआई एप से हो रही वैक्सीनेशन की निगरानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के लिए हर स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और आधुनिक तकनीक का अधिक से अधिक उपयोग करने पर जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी के विजन को फतेहपुर जिले ने न केवल आत्मसात किया बल्कि एआई आधारित एप (स्मार्ट वैक्सीनेशन ट्रैकिंग सिस्टम) विकसित कर बच्चों के टीकाकरण की निगरानी करते हुए मिशाल पेश की है। फतेहपुर प्रदेश का इकलौता जिला है, जहां बच्चों के वैक्सीनेशन में एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है। फिलहाल सिस्टम को पायलट प्रोजेक्ट के तहत आकांक्षात्मक ब्लॉक हथगाम में शुरू किया गया है। इस एप से ब्लॉक में टीकाकरण की दर 95 प्रतिशत तक पहुंच गयी है।

फतेहपुर के जिलाधिकारी रविंद्र सिंह ने बताया कि बच्चों के वैक्सीनेशन की निगरानी के लिए एआई आधारित एप को विकसित किया गया है। इसे हथगाम में एक सितंबर को लागू किया गया। इससे नवजात शिशुओं और बच्चों के टीकाकरण से जुड़ी सभी जानकारी उनके अभिभावकों को समय पर व्हाट्सएप से प्राप्त हो रही है। इसके साथ ही आसपास होने वाले वीएचएनडी (विलेज हेल्थ एंड न्यूट्रिशन डे) सेशन की जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही। इससे समय बच्चों का टीकाकरण हो रहा है। एप का उद्देश्य नवजात शिशुओं और बच्चों के शत-प्रतिशत टीकाकरण को सुनिश्चित करना है, ताकि कोई भी बच्चा अपने पहले वर्ष में जरूरी टीकों से वंचित न रह जाए।

एप से टीकाकरण को लेकर समस्या वाले क्षेत्रों को किया जा रहा चिन्हित

- जिलाधिकारी ने बताया कि एप सबसे बड़ी खासियत इसमें एआई तकनीक के जरिए रियल टाइम मॉनिटरिंग और डाटा एनालिसिस की सुविधा है। उन क्षेत्रों की पहचान आसानी से की जा रही है, जहां टीकाकरण की दर कम है या किसी कारणवश बच्चे टीकाकरण से छूट रहे हैं। एप के जरिये मां को टीकाकरण से पहले स्वत: रिमाइंडर संदेश भेजा जाता है, जिससे भूल या जानकारी के अभाव में टीकाकरण छूटने की समस्या को दूर किया जा सके। साथ ही टीकों की मांग और आपूर्ति प्रबंधन भी इस सिस्टम से आसान और मजबूत हुआ है।

संवाद के बाद एप को किया गया विकसित

- एएनएम के लिए अलग से एक मोबाइल एप भी तैयार किया गया है। एप में एएनएम को रियल टाइम ड्यू लिस्ट उपलब्ध होगी, जिससे उन्हें यह स्पष्ट जानकारी मिल रही कि किस क्षेत्र में किन बच्चों का टीकाकरण शेष है। इसके अलावा ओसीआर (ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन) तकनीक का उपयोग करते हुए बच्चे का टीकाकरण स्टेटस अपडेट किया जा रहा है। जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह ने बताया कि एआई आधारित एप को विकसित करने से पहले स्वास्थ्य विभाग, आमजन और डब्ल्यूएचओ से संवाद स्थापित किया गया। सभी के सुझावों को शामिल कर ऐसा सिस्टम तैयार किया गया है, जो व्यवहारिक और प्रभावी दोनों हैं।

ग्राम चौपालों के माध्यम से गांव में ही हो रहा समस्याओं का समाधान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अब तक 1.81 लाख से अधिक ग्राम चौपालों का आयोजन, 6.06 लाख प्रकरणों का निस्तारण

अमृत विचार : डबल इंजन सरकार की जनता के द्वार पहल के तहत प्रदेशभर में ग्राम चौपालों के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान गांव में ही किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व एवं निर्देशन में प्रत्येक विकास खंड की दो ग्राम पंचायतों में हर शुक्रवार को ग्राम चौपाल (गांव की समस्या-गांव में समाधान) आयोजित हो रही हैं।

ग्राम चौपालों के जरिए बड़ी संख्या में ग्रामीणों की व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। सरकार स्वयं गांवों तक पहुंचकर गरीबों और जरूरतमंदों की समस्याएं सुन रही है। इन चौपालों से जहां गांवों में संचालित विभिन्न विकास परियोजनाओं की जमीनी हकीकत सामने आ रही है, वहीं सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं के क्रियान्वयन में भी तेजी आई है। ग्राम चौपालों के आयोजन से पूर्व गांवों में विशेष रूप से स्वच्छता को बढ़ावा मिल रहा है तथा चौपालों के बारे में व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है। संबंधित अधिकारियों को निर्देश हैं कि ग्राम चौपालों का आयोजन विधिवत और नियमित रूप से किया जाता रहे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गत शुक्रवार को प्रदेश की 1325 ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपालों के माध्यम से 3059 प्रकरणों का निस्तारण कर दिया गया। इन चौपालों में 3321 ब्लॉक स्तर के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा 5676 ग्राम स्तर के कर्मचारी उपस्थित रहे। वहीं, 65 हजार से अधिक ग्रामीणों ने इन चौपालों में सहभागिता की।

स्लीपिंग डिवोर्स
सुकून या संकेत?

मेघा राठी
भोपाल

भावना अपनी सहेली नताशा की बात सुनकर बहुत हैरान थी। नताशा ने उसे बताया कि उसने अपने पति से स्लीपिंग डिवोर्स ले लिया है। यह सुनकर भावना चौंक गई। 'इसका मतलब अब तुम साथ नहीं?' 'साथ क्यों नहीं हैं ! बल्कि अब तो हम पहले से कहीं ज्यादा एक दूसरे के करीब हैं।' नताशा ने सोफे पर सुकून के साथ गर्दन टिकाते हुए कहा। 'पर..,' 'देख यार, हसबैंड की लेट नाइट मीटिंग होती हैं, उनके विदेशी क्लाइंट्स से, क्योंकि वहां का टाइम जोन ओर यहां का टाइम जोन अलग है। ऐसे में मेरी नींद पूरी नहीं होती थी, जबकि वो देर तक सोकर नींद पूरी कर लेते थे। मुझे तो सुबह सारे काम जल्दी करके अपने ऑफिस जाना होता है। हमने आपसी सलाह से अपने कमरे अलग कर लिए।' इसके बाद नताशा ने विस्तार से भावना को अपनी सुखी जिंदगी के बारे में बताया।

घर आने के बाद भावना देर तक इस बारे में सोचती रही। उसके पति की भी खर्राटों की आवाज के कारण वह पूरी रात सही से सो नहीं पाती, तो क्या यह सुझाव वह भी अपना सकती है। अब आप सोचेंगे कि विवाह केवल साथ रहने का नहीं, साथ निभाने का नाम है, फिर यह स्लीपिंग डिवोर्स क्यों? लेकिन अब आधुनिक जीवनशैली में कई दंपति एक नया चलन अपना रहे हैं - "Sleeping Divorce" यानी साथ रहते हुए भी अलग-अलग बिस्तरों या कमरों में सोना। यह कोई कानूनी तलाक नहीं, बल्कि नींद और मानसिक शांति के लिए लिया गया भावनात्मक निर्णय है। सवाल यह नहीं कि यह सही है या गलत? सवाल यह है कि क्या यह कदम रिश्तों को बचाता है या धीरे-धीरे तोड़ देता है?

सकारात्मक पहलू- जब दूरी सुकून बन जाए

- नींद और स्वास्थ्य में सुधार- अच्छी नींद से मन हल्का रहता है, झगड़े कम होते हैं।
- भावनात्मक राहत- तनाव भरे रिश्ते में अलग सोना अस्थायी शांति देता है।
- स्वतंत्रता और आत्मसंतुलन- कभी-कभी खुद से जुड़ने के लिए थोड़ा अकेलापन जरूरी होता है।
- रिश्ता बचाने की कोशिश- जब साथ रहना बोझ लगे, तो थोड़ी दूरी रिश्ते को टूटने से भी बचा सकती है।

नकारात्मक पहलू- जब दूरी ही आदत बन जाए

- भावनात्मक ठंडापन- शारीरिक निकटता कम होते ही आत्मीयता भी घटने लगती है।
- संवाद की कमी- साथ न सोने से बातचीत का प्राकृतिक समय खो जाता है-यही संवाद रिश्ते की रीढ़ है।
- अकेलेपन की बढ़ती दीवार- यह दूरी कई बार स्थायी हो जाती है और मन में अलगाव का भाव गहरा जाता है।
- समाज की धारणा- भारतीय परिवेश में यह चलन अभी भी अजीब और "रिश्ता टूटने की निशानी" समझा जाता है।

क्या है 'Sleeping Divorce'

"Sleeping Divorce" का अर्थ है - पति-पत्नी का साथ रहते हुए भी अलग सोना ताकि दोनों अपनी सुविधा और नींद के अनुसार आराम पा सकें। यह प्रथा पश्चिमी देशों में लोकप्रिय हो चुकी है और अब धीरे-धीरे भारत में भी चर्चा का विषय बन रही है।

आखिर क्यों बढ़ रहा है यह चलन

- नींद की परेशानी- खर्राटे, करवटें बदलना या देर रात मोबाइल चलाना-ऐसी छोटी बातें भी नींद और रिश्ते दोनों बिगाड़ देती हैं।
- तनावपूर्ण जीवन- काम, जिम्मेदारियां और मानसिक दबाव के बीच कई लोग रात में अकेले रहकर खुद को शांत करना चाहते हैं।
- निजी स्पेस की चाह -आधुनिक जीवन में 'स्पेस' शब्द अब रिश्तों का भी हिस्सा बन चुका है। लोग अपनी स्वतंत्रता और दिनचर्या को प्राथमिकता देना चाहते हैं।
- स्वास्थ्य कारण- अनिद्रा, स्लीप एपनिया या उम्र से जुड़ी शारीरिक समस्याएं भी अलग सोने को मजबूर करती हैं।

कब अपनाएं और कब नहीं अपनाएं

- अगर नींद की कमी या स्वास्थ्य कारण रिश्ते में तनाव ला रहे हों, तो यह अस्थायी उपाय उपयोगी हो सकता है।
- अगर यह कदम संवाद से बचने या दूरी को छिपाने के लिए है, तो यह धीरे-धीरे भावनात्मक तलाक का रूप ले सकता है।
- सबसे जरूरी है-दोनों की सहमति, स्पष्ट बातचीत और आपसी सम्मान।

क्यों बंटे हुए हैं लोगों के विचार

- **समर्थक कहते हैं –** यह रिश्तों को अधिक संतुलित बनाता है, झगड़े कम करता है, और व्यक्तिगत आजादी को बढ़ावा देता है।
- **विरोधी मानते हैं –** यह प्रेम और निकटता की जड़ें कमजोर करता हैं, जब दो लोग साथ न सोएं, तो दिल भी अलग होने लगता है।

विचार का बिंदु : क्या दूरी भी प्रेम का हिस्सा हो सकती है?

- यह प्रश्न हर दंपति को खुद से पूछना होगा- क्या हम अलग बिस्तर पर सोकर बेहतर नींद चाहते हैं या बेहतर रिश्ता?
- कभी-कभी सुकून की तलाश में बनाई गई दीवारें, दिलों के बीच स्थायी दूरी बन जाती हैं।
- फिर भी, हर रिश्ता अलग होता है। कुछ के लिए "Sleeping Divorce" आराम की सांस है, तो कुछ के लिए अंत की शुरुआत।
- रिश्ते का मूल सार 'साथ' में है- केवल शरीर से नहीं, बल्कि मन से।

- अलग सोना गलत नहीं, पर अलग महसूस करना, जरूर एक चेतावनी है। अगर इस दूरी में भी अपनापन जिंदा रहे, तो रिश्ता सुरक्षित हैं, पर अगर यह दूरी चुप्पी में बदल जाए, तो शायद फिर पास आना मुश्किल हो जाता है।
- महत्वपूर्ण बात यह है कि साथ सोना जरूरी नहीं पर एक-दूसरे के सपनों में होना जरूरी है।

लोहड़ी पर अपने स्टाइलिश लुक को ऐसे निखारें

लोहड़ी भारतीय त्योहारों में एक ऐसा पर्व है, जिसे पूरे जोश और उल्लास के साथ मनाया जाता है। यह पर्व खासकर पंजाब और उत्तर भारत में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन बच्चों से लेकर बड़े तक सभी अपनी पारंपरिक पोशाक में तैयार होकर आग के चारों ओर नाचते-गाते हैं और आनंद लेते हैं। लड़कियों के लिए लोहड़ी का दिन केवल मस्ती और उत्सव का नहीं, बल्कि खूबसूरत दिखने और खुद को सजाने का भी दिन होता है। इस दिन लड़कियों को पारंपरिक एथनिक आउटफिट्स पहनना सबसे पसंद आता है। इन आउटफिट्स में सबसे लोकप्रिय है पटियाला सूट, जिसे परांदा, जूड़े और हल्की जूलरी के साथ स्टाइल किया जा सकता है। लोहड़ी के दौरान आउटफिट का चयन करना और उसे सही तरीके से स्टाइल करना अक्सर चुनौतीपूर्ण हो सकता है। अगर आप भी इस लोहड़ी पर स्टाइलिश और आकर्षक लुक अपनाना चाहती हैं, तो कुछ आसान और खूबसूरत आइडियाज अपना सकती हैं।

कलरफुल अनारकली सूट

अनारकली सूट एक ऐसा आउटफिट है, जो हर उम्र और लुक के लिए परफेक्ट होता है। लोहड़ी के रंग-बिरंगे माहौल में कलरफुल अनारकली सूट पहनना एक शानदार विकल्प है। अनारकली सूट का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह आरामदायक होने के साथ-साथ किसी भी बॉडी टाइप पर खूबसूरती से सूट करता है।

कैसे पहनें : अनारकली सूट के साथ पजामा और दुपट्टा पहनें। दुपट्टे को हल्के से फ्लोइंग स्टाइल में ड्रेप करना लुक को और भी आकर्षक बनाता है।

हेयरस्टाइल : बालों को स्लीक बन में बांधें और जूड़े पर फूल लगाएं। यह ट्रेडिशनल लुक को और निखारता है।

ज्वेलरी : मेकअप और ज्वेलरी को संतुलित रखें। केवल इयररिंग्स या हल्की झुमके काफी हैं।

मेकअप : शिम्मरी और प्राकृतिक टोन का मेकअप अपनाएं ताकि आउटफिट और चेहरे का लुक दोनों साथ-साथ चमकें।

पटियाला सलवार और कंट्रास्ट कुर्ता

अगर आप पारंपरिक और हल्का रोचक लुक चाहती हैं, तो पटियाला सलवार के साथ कंट्रास्ट कुर्ता और दुपट्टा एक बेहतरीन विकल्प है। पटियाला लुक में सबसे खास बात यह है कि यह बेहद आरामदायक होने के साथ-साथ रंगों और पैटर्न में एक्सपेरिमेंट करने का मौका देता है।

कैसे पहनें : पिंक या ब्राइट कलर की पटियाला सलवार के साथ ग्रीन या हल्के कंट्रास्ट रंग का कुर्ता और दुपट्टा चुनें।

हेयरस्टाइल : बालों को चोटी में गुंथें और उस पर हल्का परांदा लगाएं। यह ट्रेडिशनल टच लुक में चार चांद लगाता है।

ज्वेलरी : हल्की ज्वेलरी जैसे छोटे झुमके या बिंदी लुक को पूरा करते हैं।

मेकअप : ग्लॉसी लिपस्टिक और हल्का आईशैडो इस लुक को परफेक्ट बनाता है।

रॉयल और एंब्लिश्ड लुक

यदि आप लोहड़ी पर ड्रामैटिक और रॉयल लुक चाहती हैं, तो एंब्लिश्ड सूट और कंट्रास्ट कलर की जोड़ी पर ध्यान दें। एंब्लिश्ड सूट सिर्फ स्टाइलिश नहीं, बल्कि फेस्टिव स्पिरिट के लिए भी परफेक्ट है। यह लुक खास तौर पर बड़े फंक्शन और रात्रि उत्सव के लिए उपयुक्त है।

कैसे पहनें : गहरे रंग का बॉटम (सलवार या चूड़ीदार) लें और हल्के या ब्राइट कलर का कुर्ता पहनें। उसके ऊपर रंगीन दुपट्टा फ्लोइंग स्टाइल में ड्रेप करें।

मेकअप : इस लुक के लिए थोड़ा डार्क मेकअप करें जैसे हल्की स्मोकी आइज और न्यूड या डार्क लिपस्टिक।

ज्वेलरी : गोल्डन ज्वेलरी और ब्रेसलेट के साथ इसे और आकर्षक बनाया जा सकता है।

रेड लुक

लोहड़ी पर रेड या ब्राइट कलर पहनना हमेशा ही परंपरा और उत्साह का प्रतीक माना जाता है।

रेड लुक कभी भी क्लासिक और टाइमलेस रहता है। यह रंग हर चेहरे के टोन पर खूबसूरत लगता है और उत्सव के माहौल में आपकी उपस्थिति को और चमकाता है।

कैसे पहनें : चूड़ीदार पजामी के साथ लाल या किसी ब्राइट रंग का कुर्ता और मैचिंग दुपट्टा लें।

ज्वेलरी : ओवरसाइज्ड झुमके या सिंपल एक्सेसरीज इस लुक को और निखार देती हैं।

मेकअप : मेकअप को हल्का और नैचुरल रखें। लिपस्टिक और आईलाइनर से लुक को कंप्लीट करें।

वाइब्रेंट अनारकली सूट

अगर आप सूट-सलवार के बजाय कुछ अलग और मॉडर्न पहनना चाहती हैं, तो वाइब्रेंट कलर की अनारकली सूट चुनें। वाइब्रेंट कलर की अनारकली सूट लोहड़ी के रंग-बिरंगे और खुशियों भरे माहौल में बिल्कुल फिट बैठती है।

कैसे पहनें : वाइब्रेंट या ब्राइट कलर की अनारकली के साथ हाई हील्स पहनें।

ज्वेलरी : झुमके या हल्की एथनिक ज्वेलरी इस लुक के लिए पर्याप्त है।

मेकअप : सिंपल मेकअप और हल्की आईशैडो लुक को परफेक्ट बनाते हैं।

लोहड़ी का त्योहार न केवल उत्सव का प्रतीक है, बल्कि यह सजने-संवरने और अपने लुक को निखारने का अवसर भी है। सही आउटफिट, स्टाइलिश ज्वेलरी, हल्का मेकअप और परफेक्ट हेयरस्टाइल के साथ आप इस दिन किसी भी पार्टी या समारोह में शानदार दिख सकती हैं। चाहे आप कलरफुल अनारकली सूट, पटियाला सलवार, रेड लुक या वाइब्रेंट अनारकली चुनें, ध्यान रखें कि लुक आरामप्रद और आत्मविश्वास भरा हो। आखिरकार, खूबसूरती केवल कपड़ों में नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और मुस्कान में भी झलकती है।

खाना खजाना

ड्राई फ्रूट्स लड्डू

ड्राई फ्रूट लड्डू आमतौर पर दीवाली, नवरात्रि और कृष्ण जन्माष्टमी जैसे त्योहारों पर बनाए जाते हैं। यह बिना चीनी और गुड़ के तैयार होने वाला एक सरल, स्वादिष्ट और पौष्टिक मीठाई है। इसे बनाने में खाद्य गोंद की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि बिना बीज वाले खजूर को मोटा पीसकर इस्तेमाल किया जाता है, जो प्राकृतिक बाइंडिंग और मिठास देता है। ड्राई फ्रूट लड्डू भारतीय डेजर्ट्स में सबसे हेल्दी विकल्पों में गिना जाता है। इसमें कैलोरी कम होती है और ड्राई फ्रूट्स से मिलने वाला प्राकृतिक पानी, विटामिन-ई, आयरन, मैग्नीशियम और बीटा कैरोटीन इसे सेहत के लिए बेहद लाभकारी बनाते हैं। *-वीना सोनी*

सामग्री

- 3 टेबल स्पून किशमिश
- 1 टेबल स्पून घी
- 1 कप बिना बीज के खजूर
- 1 कप पिस्ता
- 1 कप काजू
- 1 टी स्पून इलायची पाउडर
- 1 कप बादाम
- 1 टेबल स्पून खसखस

बनाने की विधि

सबसे पहले, एक ब्लेंडर में 1 कप बीज रहित खजूर लें और 4-5 बार सूखा ही ब्लेंड करें। खजूर दरदरे पीस लें। फिर एक तरफ रख दें। साथ ही, काजू, पिस्ता और बादाम को भी बारीक काट लें। इन्हें पाउडर न कर दें, क्योंकि फिर आपको कुरकुरापन नहीं मिलेगा।

एक कढ़ाई लें और उसमें एक टी स्पून घी डालें। इसके अलावा, इसमें सभी सूखे मेवे जैसेकि किशमिश, काजू, पिस्ता और बादाम डालें। उन्हें मध्यम आंच पर 3-4 मिनट तक भूनें, जब तक कि वे हल्के से रंग न बदल दें। अब इसमें ब्लेंड किए हुए डेट्स डालें। मध्यम आंच पर चलाते रहें और डेट्स को कलछी से अलग करते रहें। इससे डेट्स बाकी ड्राई फ्रूट्स में अच्छे से मिल जाते हैं।

अब इलायची पाउडर डालें और भूनें। इन्हें तब तक भूनें, जब तक खजूर तेल छोड़ने लगे। अब आंच बंद कर दें और एक या दो मिनट के लिए ठंडा होने दें। फिर तुरंत लड्डू बनाना शुरू करें। यदि आप इसे पूरी तरह से ठंडा होने देते हैं, तो आप लड्डू नहीं बना पाएंगे। तुरंत परोसें या एयरटाइट कंटेनर में लड्डू को स्टोर करें।

ध्यान रखने योग्य बातें -अपनी पसंद के हिसाब से ड्राई फ्रूट्स की मात्रा नियंत्रित करें।

आप नारियल, सूखे अंजीर या अपनी पसंद के सूखे मेवों का भी उपयोग कर सकते हैं।

अगर आपको यह अधिक मीठा पसंद है, तो अधिक खजूर डालें।

ड्राई फ्रूट्स को पाउडर न करें, क्योंकि फिर आपको कुरकुरापन नहीं मिलेगा।

अगर मिश्रण ठंडा हो गया है और आप लड्डू नहीं बना पा रहे हैं, तो चिंता न करें। आप एक मिनट के लिए माइक्रोवेव कर सकते हैं या एक मिनट के लिए तवे पर भून सकते हैं।

कहानी

सुमिता और वह रात

घनश्याम अवस्थी
गोण्डा

जेठ जी के सिरहाने रात तीन बजे तक बैठी उनकी सांस पर टकटकी लगाए रही थी वह! सुमिता देवी को यही चिंता खाए जा रही थी कि भले ही वह निर्दोष हो, लेकिन कहीं जेठ जी को मार डालने का कलंक न उस पर लग जाए! उसका पति ही कहेगा कि-'उसने उनके भाई को मार डाला।'

यह बात है सन् 1950 ई. की। सुमिता देवी का ब्याह सुधीर सिंह के साथ हुआ था। सुधीर सिंह दो भाई थे। बड़े भाई सुमिरन सिंह दमा के मरीज थे और वे ठीक से चल-फिर भी नहीं पाते थे। उनकी स्थिति गृहस्थी बसाने-लायक नहीं थी। सुधीर सिंह की पहली पत्नी नहीं रही नहीं थी। उससे एक लड़का था-शिवाकर। शिवाकर की उम्र थी–यही कोई पांच वर्ष। घर में बूढ़ी सास राजवंती और ससुर रामेश्वर सिंह को लेकर कुल छह प्राणी थे। पतिदेव शराब बहुत पीते थे। यह बात सुमिता को बेहद नापसंद थी, लेकिन वह कुछ कह नहीं पाती। सुमिता एक तेज-तर्रार लड़की थी। सामान्य कद-काठीवाली सुमिता का तन तो सांवला, लेकिन मन गोरा था। वह वैचारिक एवं चारित्रिक पूंजी में समृद्ध थी, उसके पिता असमय ही दिवंगत हो चुके थे। उसका विवाह भाइयों ने किया था। वह अपने भाई का बहुत आदर करती थी। किसी लड़की के पिता के न रह जाने पर उसका बचपन उसी दिन मर जाता है। वह जिद करना भूल जाती है, उसकी फरमाइशें दफ्न हो जाती हैं। ऐसी बेटी में आई असामान्य समझदारी का मर्म भला कौन लिख सकता है।

सुमिता को चहारदीवारी में कैद रहकर चूल्हा-चौका तक सीमित रह जाना कतई पसंद नहीं था। बस उसकी परिस्थिति ने उसे मौन कर रखा था। इसलिए जब ए. एन. एम. के काम के लिए उसे अवसर मिला, तब तुरंत उसने हां कर दिया। इसके लिए उसने अपनी सास, पति एवं जेठ-सबको-मना लिया था।

सुमिता के ए.एन.एम. की नौकरी-हेतु आवेदन की भनक गांव के प्रधान सुधाकर सिंह को लगी तो वे द्वारे पर ही आ धमके। पट्टीदारी ही के होने के कारण इस समाचार से उनमें उत्पन्न ईर्ष्या भी डबल थी। वे ऐतराज जताते हुए सुमिता की सास राजवंती से बोले, "काहे चाची खानदान कै नाक कटावैक लागि हौ? मने बहुरिया कै कमाई खइहौ तब्बै पेट भरी?"

राजवंती-"भइया! तुमसे का छुपा हय? बड़के(सुमिरन) तौ बैठुकियय हयं। ननकेव हल्ल रहत हयं। ई नौकरी मइहां कहूं परदेस तौ जायक न परी, तौ हमहू मिनहा नाईं कीन।"

सुधाकर सिंह- "मिनहा नाईं किहौ? मने ई नौकरी मा का काम है, यहौ जानेव? "लरिका-बच्चा पैदा करावै मा डाक्टर के साथे रहै कै काम बहुरिया बतावति हय।" राजवंती ने जवाब दिया।

बहुरिया बतावति नाईं, भरमावति हय। सुनो- "हर जाति-कुजाति के घरे जाय-जाय धगरिन कै काम करैक परी। अब भले घर के बहुरियन का यहै काम रहिगा है? कान खोलि कै सुनि लेव- अगर नौकरी करइहौ तौ पूरी पट्टीदारी से खान-पान बंद करैक परी। हमका समाजौ तौ देखैक हय।"

प्रधान के धमकी देकर जाने के बाद राजवंती ने बहू से पूछा, "बहू! ई परधान कहत रहे, ऊ सही हय?"

सुमिता- "अम्मा! सांच ई है कि इनसे हमार नौकरी देखी नहीं जा रही। आप इनके कहेक कौनौ गुन्ना न करौ।"

परिवार का विश्वास सुमिता के साथ रहा और उसने नौकरी शुरू कर दिया। प्रधान जी के अहं को ठेस लगी। वे मौके के इंतजार में रहने लगे। उनके द्वारा सुमिता के चरित्र पर कीचड़ उछालने की अनेक बार कोशिश की गई, लेकिन वे सफल नहीं हुए। सुमिता का चरित्रबल सदैव विजयी रहा। धीरे-धीरे वे शांत हो गए। सकारात्मकता का प्रकाश अंधकार को सहज ही समाप्त कर देता है।

नौकरी करते हुए एक साल बीत चुका था। इधर पतिदेव का पीना और बढ़ गया था। अब घर का खर्चा सुमिता देख रही थी। सुमिता ने एक दिन पति से कह ही दिया-"सुनो! 'शराब' और 'पत्नी' में से कोई एक ही रहेगी। सोच-विचार लो और बता दो।" यह सुनकर सुधीर सिंह हतप्रभ थे। थोड़ा ठिठके, फिर बोले- "ठीक है। एक-एक दिन गैप करके पिएंगे।" सुनिता ने कहा, "हमेशा के लिए एक छूटेगी। सौदेबाजी मत करो। मैं आपसे जीवन में और कुछ न मांगूंगी।" सुधीर सिंह सोच में पड़ गए। उस समय तक सुमिता से एक परी-सी लड़की भी हो चुकी थी। शिवाकर को भी सुमिता का प्यार-दुलार मिल रहा था। सुधीर सुमिता को कैसे छोड़ सकता था। सुमिता का आत्मविश्वास ऐसे ही नहीं था। उसने अपनी सेवा और आदरभाव से पूरे परिवार का दिल जीत रखा था। सुधीर बोले, "ठीक है भाई! जब एक को छूटना ही है, तब तुम्हें तो छोड़ सकता नहीं। उत्तर साफ है, शराब को हाथ नहीं लगाऊंगा।" अगले पल सुमिता ने सुधीर को गले लगा लिया था। दोनों की आंखें नम थीं।

महज तीन साल में सुमिता ने निकट के कस्बे में एक क्लीनिक भी खोल लिया। वह अपने क्षेत्र की बहुत लोकप्रिय ए. एन.एम. थी। गांव-जवार में उसका बहुत नाम था। वह अपने घर को भी संभालती और रोजी भी। एक दिन घर लौटते समय उसने पास के कस्बे से कुछ दवाएं खरीदीं। सासू मां के पैर में दर्द था, सो उनके लिए महाविषगर्भ तैल और जेठ जी के लिए एक कफ-सिरप।

उस दिन रात में खाना-पानी होने के बाद सुमिता ने शिवाकर को कफ-सिरप देकर कहा, "बेटा! बड़े बाबू को खांसी बहुत आ रही है। आज यह दवा लाई हूं। जाओ! उनको एक ढक्कनभर दवा पिला दो।" इतना कहकर वह अपना काम निपटाने लगी। पांच मिनट में जब तैल लेकर सासू मां के पैर में मलने लगी तब तैल में कुछ ज्यादा ही चिपचिपेपन के कारण उसे शंका हुई। ढिबरी के उजाले के पास जाकर, उसने वह शीशी देखी। वह तुरंत जेठ जी के कमरे की ओर भागी थी कि शिवाकर आता दिखाई दिया। उसने शिवाकर से पूछा, "क्या तुमने दवा पिला दिया?" शिवाकर ने कहा, "हां! क्यों मां? क्या बात है?" सुमिता ने कहा, "कोई बात नहीं है। तू जा! बिटिया सोई है, उसी के पास सो जा। मैं थोड़ी देर में आऊंगी।"

उस दिन वह जेठ जी के कमरे के बाहर से आहट लेती रही, बिस्तर पर उनके सोने तक खिड़की में से छुपकर देखती रही। जब उसे यकीन हो गया कि वे सो गए थे, तब वह कमरे में गई और वहीं जेठ जी के सिरहाने रात तीन बजे तक बैठी उनकी सांस पर टकटकी लगाए रही। सुमिता देवी को यही चिंता खाए जा रही थी कि भले ही वह निर्दोष हो, लेकिन कहीं जेठ जी को मार डालने का कलंक न उस पर लग जाए। उसका पति ही कहेगा कि 'उसने उनके भाई को मार डाला।'

वह ईश्वर से प्रार्थना करती रही- 'हे भगवान्! कुछ अनिष्ट न हो।' ईश्वर निर्मल मनवालों की पुकार अवश्य सुनते हैं। उनके जेठ जब उस सुबह उठे तो अपने आप ही नहा-धो लिए। सुमिता को देखते ही वे बोले- "बहू! दवा बहुत फायदा की है।" यह देख-सुनकर सुमिता मन-ही-मन बहुत प्रसन्न थी। उसके मन में एक साथ कई सवाल थे। वह कुछ समझ नहीं पा रही थी, लेकिन एक बात जो थी, वह यह कि ईश्वर पर उसका विश्वास दृढ़ हो गया था।

काव्य

स्वागत नूतन वर्ष

कुर्सी से हट रो पड़ा, दो
हजार पच्चीस।
सत्ताधारी बन गया, दो हजार
छब्बीस।

धूल झाड़ गत वर्ष की,
स्वागत नूतन वर्ष।
हार-जीत कुछ भी मिले,
काटें समय सहर्ष।

नया कैलेंडर आ गया, चमक
- दमक के साथ।
कैलेंडर प्राचीन अब चला
जोड़कर हाथ।

गढ़े नई शुभ आदतें, दूर
निराशा छोड़।
अलग हुए, जो टूटकर, मन
उनसे ही जोड़।

मोबाइल, मीडिया ही , जेन
-जी के फेवरेट।
अच्छा करियर खोजते , थामे
इंटरनेट।

होता नूतन वर्ष भी,
कोरे कागज भांति।
लिखनी होगी निज कथा,
रच-रच सुंदर पाति।
नूतन वर्ष पड़ाव है, जीवन
सतत प्रवाह।
साथ-साथ सुख-दुख चलें,
आह करो या वाह।

नया वर्ष सब में भरे, नव
चेतना उजास।
जो बोया, काटो वही, क्या
गन्ना, क्या घास।

अपने भीतर झांकिए, कहता
नूतन वर्ष।
पूर्ण करें संकल्प निज, तभी
मिले उत्कर्ष।

गौरीशंकर वैश्य विनम्र
लखनऊ

मन की गहराई

शायद उसके जन्म पर कोई
भूचाल आया होगा,
लड़की हो गई गांव में,
समाचार अखबार में छाया
होगा,
उम्मीद लगाईं दादी का
सपना तार-तार हुआ होगा,
बस लड़की हो गई, इस बात
का खौफ छाया होगा,
उसके दुख पर भी मां ने प्यार
से सर सहलाया होगा,
पापा ने जीवन का कोई
रास्ता समझाया होगा,
आग की चिंगारी जैसे तुझे
चमकना होगा,
इस भेदभाव के खिलाफ खुद
तुझे लड़ना होगा,
तुझे अपनी मंजिल तक
पहुंचना होगा,
अपनी उड़ान के लिए खुद
पंख फैलाना होगा,
दुनिया की बातें भूलकर आगे
बढ़ना होगा,
आपने साथ होने वाले हर
अन्याय में बोलना होगा,
अपने मन की इच्छाओं से
जीना होगा,
उम्मीद छोटी होगी, मगर
बढ़ते रहना होगा।

रितिका
उत्तराखंड

गांव की बेटियां

पहाड़ों की पगडंडियों पर,
नंगे पांव चलती हैं,
सवेरे सूरज संग उठकर,
लकड़ियां बीनती हैं,
जंगल की हर झाड़ी,
हर डाली को जानती हैं,
नन्हें हाथों से बोझ उठाकर,
मुस्कुराकर लाती हैं,
चूल्हा जलाना, रोटियां
सेंकना, पानी भर लाना,
मां के संग खेतों में,
धूप में पसीना बहाना,
गुड़िया-खिलौनों का बचपन
तो कहीं खो गया,
गरीबी के संग जीवन,
बस जिम्मेदारी हो गया,
स्कूल की राहें मुश्किल,
सपनों पर बोझ भारी,
फिर भी आंखों में चमकती,
सुनहरी एक चिंगारी,
दिनभर कामों में डूबी,
फिर भी दिल से हंसती,
हर छोटी खुशी को अपनी
दुनिया समझ बैठती,
ये गांव की बेटियां,
नदियों-झरनों सी प्यारी,
संघर्षों में भी जीती,
उम्मीदों की ये सवारी,
एक दिन ये चुप्पी टूटेगी,
सपनों को रंग मिलेगा,
गांव की हर बेटी का नाम,
ऊंचाइयों तक जाएगा।

काजल गोस्वामी
बागेश्वर

व्यंग्य

विक्टिम कार्ड धारी आंदोलनजीवी

आंदोलनजीवियों का रोजगार विक्टिम कार्ड खेलने से ही चलता है। विक्टिम कार्ड की उम्र भी अधिक नही होती। जब से दिनचर्या में मोबाइल की हिस्सेदारी बढ़ी है, तब से रिचार्ज की वैधता निर्धारित रहती है। सो निर्धारित अवधि के उपरांत वैधता बढ़ाने के लिए रिचार्ज कराना अनिवार्य है। यही बात यदि विक्टिम कार्ड पर लागू की जाए, तो निष्कर्ष निकलता है कि विक्टिम कार्ड की वैधता निर्धारित नही होती। वह कई बार रिचार्ज होने से पहले ही अपनी वैधता खो देता है। यदि जीवन में केवल समस्याओं के निस्तारण के लिए किए जाने वाले कार्यों का अध्ययन किया जाए, तो संसार का हर प्राणी विक्टिम है। कोई विक्टिम कार्ड खेलकर सहानुभूति प्राप्त कर लेता है, कोई विक्टिम की शिकायत को झूठा सिद्ध करके विक्टिम को ही कठघरे के खड़ा कर देता है। समाज में आजकल बेरोजगारी अधिक है। कमाई का समुचित जुगाड़ नहीं है। ऐसे में काम की तलाश में लोग भटक रहे हैं। जंतर-मंतर पर विक्टिम कार्ड लिए अपने लक्ष्य पूरा करने वालों के इर्द-गिर्द कुछ लोग स्थाई रूप से टहलते रहते हैं। कुछ अपनी किसी गैर सरकारी संगठन का लेटर पैड लिए घूमते हैं, कुछ अपने चाय पानी के जुगाड़ में घूमते रहते हैं। सब जानते हैं कि मुफ्त में कोई काम नहीं किया जाता। धरती में मुर्दे को दफनाने के लिए कब्र खोदने वाले भी मुफ्त में कब्र नहीं खोदते। अलबत्ता सियासत में कब्र खोदने का चलन कुछ अधिक बढ़ गया है। मुद्दा चाहे कोई भी हो, विभिन्न सियासी दलों के झंडाबरदार किसी की भी कब्र खोदने की कामना करने लगते हैं। उन्हें इस सत्य से कोई सरोकार नहीं होता कि किसी की मृत्यु के उपरांत उसकी पार्थिव देह का अंतिम संस्कार या तो कब्र खोदकर, उसमें पार्थिव देह को समर्पित करके किया जाता है या पंचतत्व में विलीन करके।

पंच तत्व में पार्थिव देह को समर्पित करने के लिए कब्र खोदने की आवश्यकता नहीं होती। बहरहाल जब से सियासत में मुद्दों का अकाल पड़ा है, तब से उन तत्वों के सम्मुख अस्तित्व संकट उत्पन्न हो गया है, जिनके पास सकारात्मक विचारों का अभाव है। देश-विदेश में जगह-जगह देश को बदनाम करने का प्रयास करके मुंह की खाने वाले परेशान हैं कि किस प्रकार विकास पथ पर दौड़ते हाथी का मार्ग अवरुद्ध किया जाए? किस प्रकार झूठा विमर्श बनाकर कानून का दुरुपयोग किया जाए? किस प्रकार कानूनी निर्णयों के विरुद्ध सड़क पर भीड़ इकट्ठा करके सत्य पर प्रहार हो, किस प्रकार से गड़े हुए मुद्दों को उनकी कब्र से उखाड़ कर सड़कों पर चौराहों पर खड़ा करके बार -बार अपने मतानुसार उनका पोस्टमार्टम कराया जाए। पोस्टमार्टम स्थल पर विक्टिम कार्ड धारी के साथ मिलकर भीड़ धरना प्रदर्शन करे तथा अपने आरोपों को पुष्ट करने का दबाव बनाए। आखिर कोई जेब से तो इतने गंभीर प्रयास नहीं करता। जब तक जेब गर्म न हो, जंतर-मंतर पर घूमने वाले किराए के बंदे कोई रिस्क नहीं लेते। रिस्क लेने वाले अपने धंधे के प्रति ईमानदारी अपनाते हैं, वे बखूबी समझते हैं कि जो उनकी फंडिंग कर रहा है, उसके प्रति वफादार रहना उसकी जिम्मेदारी है। वैसे भी भौतिक युग है। बिन पैसे सब सूना है। किराए के आंदोलनजीवियों की जिम्मेदारी बढ़ गई है। जब-जब किसी क्षेत्र में चुनाव की संभावना बनती है, तब-तब आंदोलनजीवियों के रोजगार के प्रमोशन के लिए भगीरथ प्रयास किए जाते हैं। आंदोलनजीवियों की सेवाएं लेने वाले भी वही लोग होते हैं, जिनकी विश्वसनीयता बाजार में समाप्त हो चुकी होती है। ऐसा नहीं है कि आंदोलनजीवियों का प्रयोग पहली बार किया जा रहा हो। बिना किसी नार्को टैस्ट के आंदोलनजीवी स्वयं को दूध से धुला सिद्ध करने का प्रयास करती हैं। आरोप लगाकर अपने प्रति अपनी जाति और भ्रमित तत्वों की सहानुभूति प्राप्त करते हैं। कहीं कैंडल मार्च निकालते हैं, कहीं धरना प्रदर्शन करते हैं, कहीं किसी सियासी तत्व के हाथों की कठपुतली बनकर ड्रामा करते हैं, बदले में सियासत के खेल में शामिल होते हैं। कुछ आंदोलनजीवी कठपुतलियां अपने पुराने झूठे किस्सों को कब्र में दबाए रखने के लिए वर्तमान तक संघर्ष करती हैं। उन्हें अपने राज के खुलने का डर लगा रहता है कि यदि राज खुल गया, तो खाया-पचाया सभी कुछ वापस करना पड़ सकता है। बहरहाल यह खेल है, जिसे खेलते हुए बेखौफ आंदोलनजीवी कभी अपने गिरेबान में नहीं झांकना चाहते। सत्य सभी जानते हैं, मगर आंदोलनजीवी बेशर्मी से अपने आरोपों पर खड़ी रहते हैं, भले ही सारे प्रमाण आंदोलनजीवियों के खिलाफ खड़े होकर अपने सत्य की गवाही दे रहे हों।

सुधाकर आशावादी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

लघुकथा

संस्कारों का सूरज

जनवरी की सुबह कड़ाके की ठंड लेकर आई थी, लेकिन छतों पर गर्मी साफ महसूस की जा सकती थी। मकर संक्रांति का दिन था। उधर गंगा किनारे लोग पवित्र स्नान के लिए जुटे थे। इधर गांव की खेतों के मेड़ पर आठ-दस बच्चों की बस हलचल थी।दस साल का वंश मुंबई शहर में पला-बढ़ा था। इस बार संक्रांति पर अपने पापा के साथ गांव आया था। उसके लिए मकर संक्रांति का मतलब सिर्फ छतों पर डीजे बजाकर पतंग उड़ाना था। वह सुबह से ही परेशान था, क्योंकि उसे गांव में पतंग उड़ाने वाला कोई साथी नहीं मिल रहा था। वह झुंझलाकर बोला, "पापा, यहां तो कोई 'मजा' ही नहीं है। न ऊंची छतें हैं, न किसी को मकर संक्रांति मनाने से मतलब है। हम यहां क्यों आए हैं?" दादाजी ने पोते की बात सुनी और मुस्कुराते हुए बोले, "बेटा, आज के दिन का मजा छतों पर नहीं, बल्कि रिश्तों की डोर में होता है। चलो, आज तुम्हें असली 'पेंच' लड़ाना सिखाता हूं।" दादाजी वंश को लेकर पास के खेत में गए। वहां उन्होंने वंश को बांस की तीलियों और रंगीन कागज से पतंग बनाना सिखाया। रचित हैरान था कि बिना खरीदे भी पतंग बन सकती है।

सूर्यदीप कुशवाहा
वाराणसी

दादाजी ने बताया, "बेटा, जैसे पतंग को उड़ने के लिए कागज और तीली का तालमेल चाहिए, वैसे ही जीवन में ज्ञान और संस्कार का तालमेल जरूरी है।" दोपहर को खिचड़ी का भोज हुआ। वह खिचड़ी वंश को पिज्जा-बर्गर से कहीं ज्यादा स्वादिष्ट लगी। भोजन के बाद दादाजी ने एक बड़ा थैला उठाया, जिसमें लाई, चूड़ा और तिल के पट्टी के पैकेट थे। वे वंश को साथ लेकर उन झोपड़ियों की ओर चल दिए, जहां गांव के आर्थिक रूप से कमजोर लोग रहते थे। वहां जाकर वंश ने देखा कि कैसे एक छोटा सा पट्टी और लाई-चूड़ा पाकर उन बच्चों के चेहरे खिल उठे। रचित ने खुद अपने हाथों से एक छोटे बच्चे को पतंग दी। वह बच्चा खुशी से झूम गया। वापस लौटते समय दादाजी ने वंश के कंधे पर हाथ रखकर कहा, "दान और परोपकार का प्रकाश हमें अपने भीतर फैलाना चाहिए। पतंग की डोर जितनी लंबी होगी, वह उतनी ऊंची उड़ेगी, लेकिन अगर वह अपने आधार (परिवार और समाज) से कट जाए, तो वह कहीं के काम की नहीं रहती।" वंश को अपनी गलती का एहसास हुआ। उसने दादाजी को गले लगा लिया। उसने सीख लिया था कि त्योहार सिर्फ शोर-शराबे का नाम नहीं, बल्कि प्रेम, त्याग और मिल-जुलकर रहने का उत्सव है। सूरज ढल रहा था, लेकिन वंश के मन में संस्कारों का एक नया सूरज उग चुका था। यही उसकी जिंदगी की सबसे बढ़िया मकर संक्रांति थी।

संस्मरण

खिचड़ी की खुशबू का सफर

यह आधिकारिक रूप से खिचड़ी की शुरुआत का दिन था। दूर से ही अपनी खुशबू से खींच लेते देहरादूनी बासमती के नए चावल और नई ही देसी उरद की काली दाल की जुगलबंदी। ऊपर से घर का बना खौंच भर दानेदार देसी घी, मह मह करते ताजे हरे धनिए की सिलबाटी पे पिसी चटनी और हंडिया की दही। साथ में उबला सिंघाड़ा, आंवला और गाजर मूली के छल्ले।

जी हां। देवोत्थान एकादशी की यह सैट सायंकालीन व्यवस्था थी, जो सुबह से ही जठराग्नि को प्रज्ज्वलित किए रहती थी और शाम के इंतजार को बहुत लंबा कर देती थी। इस व्यवस्था का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पहलू यह था कि इसमें जो भी चीजें शामिल थीं, उन सबमें किसी न किसी रूप में हमारा श्रम भी सम्मिलित था। जैसे कि देहरादूनी बासमती की पौध बिखेरे जाने से लेकर पौध उखाड़ने, रोपने, निराने, काटने, झाड़ने, बरसाने से धान मशीन पर ले जाकर चावल बनवाने तक में हमारी अहम भूमिका थी। ऊपर से धान मशीन वाले से हर बार यह विनम्र निवेदन कि भैया चावल टूट न जाए।

इसी तरह उरद बुबाई से लेकर पक जाने पर फलियां तोड़ने और छत पर सुखाकर थपकी से छेतकर साबुत उरद से आटा चक्की में मां का सहयोग करते हुए दाल बनाने तक का श्रमदान। इसके अलावा आंगन के कोने में क्यारी बनाकर हरा धनिया उगाना हो या गाय भैंसों के चारा पानी की व्यवस्था के साथ बड़ी मटकी में दूध को फेंटते हुए मक्खन निकलने में हाथ बंटाना- ये सारे ही वे उपक्रम थे, जो हमारे श्रम सीकरों से सिंचित थे और देवोत्थान एकादशी के प्रमुख आकर्षणों के जरूरी अवयव थे। एक तरह से सोचा जाए तो देवोत्थान एकादशी स्वयं के द्वारा नव उत्पादित धन धान्य को निज उपयोग में लाने से पूर्व परमपिता को भोग लगाकर अनुमति प्राप्त करने का पावन त्योहार था, जो परंपराओं से चला आ रहा है।

सूर्यास्त से पहले पिताजी हम सब भाई बहनों को गन्ना पूजन के लिए ईख के खेत पर ले जाते। बच्चा पल्टन लोटे में जल, कंडे पर खिली हुई अंगारी, थाली में घी हवन सामग्री कपूर और चांदी का सिक्का या कोई आभूषण लेकर मुग्ध भाव से खेत की ओर प्रयाण करती। उधर मां चूल्हे पर खिचड़ी चढ़ा देतीं। 'गीदड़ बोलने से पहले पूज आइयो'- अम्मा हर बार कहतीं।

खेत के एक खास कोण में (अभी ठीक से याद नहीं कौन सा) पिताजी पूजन आरंभ करते। शाम के सुरमई धुंधलके में यह अद्भुत दृश्य होता, जब आस पास के सभी ईख के खेतों में पूजन हो रहा होता और हवन सामग्री की सुगंध से वातावरण महक रहा होता। पूजन के दौरान पूजित गन्ने के अगौले में गांठ बांध दी जाती। पूजन के बाद पिताजी सबको पूजन की अंगारी से टीका लगाते और यह सुनिश्चित किया जाता कि जाते समय कोई चिंगारी सुलगती न रह जाए। खेत पर पूजा के बाद पहली बार खेत से गन्ने तोड़े जाते वह भी अपने खेत से। यह बचपन की मौज कहें या शरारत कि उसके बाद पूरे सीजन पड़ोसी खेत के गन्ने ही मीठे लगते थे। हां यह बात जरूर है कि उस वक्त लोग बच्चों की इन शैतानियों को दिल पर नहीं लेते थे। क्योंकि सबको पता था कि उनके बच्चों की भी यही बीमारी है। खेत पर पूजा के बाद घर आकर सुसज्जित भित्तिचित्र पर पूजा की जाती और देवों को नवान्न ग्रहण कराया जाता। अग्नि को नवान्न अर्पित कर घी डालकर चिराग नजदीक ले जाने पर अंगारी से तेज आग की लपट उठती। सब बच्चे ताली बजा कर चिल्ला उठते-देवता आ गए, देवता आ गए। मान लिया जाता कि अग्निदेव समेत सभी देवगण नवान्न का भोग लगा चुके हैं और अब हम सब उसे विधिवत ग्रहण कर सकते हैं। इसके बाद खिचड़ी के पतीले की ओर वो दौड़ लगती कि क्या कहें। कौन पहले पाए। मां जब तक थाली में खिचड़ी परोसती तब तक सब अपनी-अपनी खिचड़ी में घी के लिए बड़ी सी घुलिया (स्थान) बना लेते। घुलिया में खौंच भर घी आने के बाद उसे गरम-गरम खिचड़ी से ढक लेते। देखते ही देखते थाली की तली में घी की नदियां बहने लगतीं। साथ में दही चटनी, अचार, सिंघाड़े, शकरकंद और सलाद की सुस्वादु संगत। मां कहतीं-थोड़ी देर में लडकियां देव उठाने आएंगी। जल्दी जल्दी खा लो। इस तरह प्रारंभ हो जाता खिचड़ी का खासमखास सफर विदाउट नो ऑब्जेक्शन। स्वाद स्वयं में एक अनुभव कम अविस्मरणीय याद ज्यादा होते हैं। हम अपने पसंदीदा जायकों में जाएं, तो पाते हैं कि उनके पीछे किसी याद की खुशबू का हाथ होता है। पिछली सर्दियों में लखनऊ मीटिंग से लौटा तो काफी रात हो चुकी थी। लगभग 2 बजे का समय। ट्रेन में खाना खाकर बैठा था इसलिए घर पर मनाकर दिया था। बेटे ने गेट खोला। खाने पीने के बारे में पूछा। उसे सोने को कहकर मैं कपड़े चेंजकर हाथ मुंह धोने वाशरूम में गया तो एकाएक खिचड़ी की तीव्र इच्छा हुई। किसी को न जगाते हुए किचेन में पहुंचा और चुपचाप दो मुट्ठी चावल दाल चूल्हे पर चढ़ा दी।

तमाम सावधानी के बावजूद पत्नी ने आहटें पढ़ लीं। वो धीरे से आईं और जोर से बोलीं-कौन है किचेन में? मैं करछुल हाथ (रंगे हाथ नहीं पकड़ा जा चुका था। बोलीं-क्या कर रहे हो? मैंने कहा-खिचड़ी। बोलीं-इस वक्त भी। मैंने कहा- किसी वक्त भी। आज मकर संक्रांति है। शहर में हूं। दुकानदार ने कहकर तो दिया है कि नए हैं-चावल भी, दाल भी। सब्जी वाले ने धनिया भी आज ही का बताया है। इनमें वह खुशबू एकदम नदारद है, जो बचपन की यादों में रची-बसी है।

डॉ. अवनीश यादव
प्रान्तीय शिक्षा सेवा
संवर्ग, उ0प्र0

समीक्षा

प्रेम की साधना का सार

व्यंग्य यात्रा की निरंतरता और सार्थक उपस्थिति आदरणीय प्रेम जनमेजय की लगन, धैर्य और जीवटता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। यही कारण है कि निर्बाध व्यंग्य यात्रा करते हुए यह पत्रिका अक्टूबर-दिसंबर अंक के साथ अपने 21 वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। मात्र 20 रुपये के अल्प मूल्य में इतनी भारी-भरकम और उत्कृष्ट पाठ्य सामग्री आज के समय में उपलब्ध कराना निश्चय ही एक अद्वितीय साहित्यिक योगदान है। व्यंग्य पुरोधा श्रीलाल शुक्ल जन्मशती के उपलक्ष्य में उनकी स्मृति को समर्पित यह विशेषांक न केवल उनकी परंपरा और विरासत को प्रणाम करता है, बल्कि समकालीन व्यंग्य लेखन की समृद्धि का भी सशक्त प्रमाण प्रस्तुत करता है। 'हिंदी व्यंग्य का संक्रमणकाल' विषय पर केंद्रित इस अंक में रचनाओं का चयन एवं संकलन में संपादकीय श्रम परिलक्षित होता है।

पुस्तक -व्यंग्य यात्रा
अंक- अक्टूबर-दिसंबर 2025
पेज-172,
मूल्य-20
संपादक - प्रेम जनमेजय
समीक्षक- विनोद कुमार विक्की

रचनाओं की गुणवत्ता, विविधता और प्रस्तुति- तीनों ही दृष्टियों से यह अंक अत्यंत प्रभावकारी है। विशेष रूप से दिविक रमेश की 'देखो देखो', सूर्यकांत द्विवेदी की 'रिटायरमेंट', केदार शर्मा की 'गरीब की थाली में', राकेश सोहम की 'स्वर्गवासी अफवाहें', हरीश नवल की 'वाक्यों के हीरो राम', अर्चना चतुर्वेदी की 'लेखक और इंजीनियर की जोड़ी', कृष्ण कुमार अंशु की 'कालू दादा का नोबेल दावा', फारुक आफरीदी की 'अभागिन सड़क', अतुल चतुर्वेदी की 'गायब होना-रीढ़ की हड्डी का' तथा अलंकार रस्तोगी की 'मातृभाषा बनाम मात्र नब्बे घंटे' विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। इसके अतिरिक्त अरविंद तिवारी के उपन्यास अंश 'होटल का भूत' तथा हरिशंकर दाढ़ी एवं बी.एल. आच्छा का 'व्यंग्य चिंतन' भी विचारोत्तेजक रहे। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि अल्प मूल्य में अमूल्य साहित्यिक खुराक उपलब्ध कराना व्यंग्य यात्रा की निरंतर परंपरा रही है और इस अंक ने उस मानक को न केवल बनाए रखा, बल्कि उसे और ऊंचा किया है। गद्य एवं पद्य व्यंग्य, चंदन घिसै, पाथेय, त्रिकोणीय, चिंतन, इधर जो मैंने पढ़ा, समाचार आदि स्थायी स्तंभों से सुसज्जित व्यंग्य यात्रा का प्रत्येक अंक पठनीय और संग्रहणीय होता है।

आयुर्वेदिक दृष्टि से हृदयाघात का कारण और समय

हृदयाघात अर्थात हार्ट अटैक आज के समय की सबसे गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं में से एक बन चुका है। आधुनिक जीवनशैली, अनियमित दिनचर्या, मानसिक तनाव और बदलते मौसम के कारण हृदय रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। यह तथ्य विशेष रूप से ध्यान देने योग्य है कि हार्ट अटैक के अधिकतर मामले रात के समय या सुबह-सुबह देखने को मिलते हैं और सर्दियों के मौसम में इनकी संख्या अचानक बढ़ जाती है। यह स्थिति केवल संयोग नहीं है, बल्कि इसके पीछे शरीर में चल रहे जैविक परिवर्तन, मौसम का प्रभाव और दोषों का असंतुलन जिम्मेदार है। आयुर्वेद इन सभी पहलुओं को समग्र रूप से समझाता है और हृदय को जीवन केंद्र मानता है।

आयुर्वेद में हृदय : केवल अंग नहीं, जीवन का आधार

आयुर्वेद के अनुसार हृदय केवल रक्त पंप करने वाला अंग नहीं है, बल्कि यही प्राण, ओज, चेतना और मन का मूल स्थान है। चरक संहिता में हृदय को "चेतना स्थान" कहा गया है। हृदय में प्राण वायु और व्यान वायु का संचालन होता है, जो पूरे शरीर में रक्त और ऊर्जा के प्रवाह को नियंत्रित करते हैं। इसके साथ ही साधक पित्त मानसिक संतुलन और भावनाओं को नियंत्रित करता है, जबकि अवलंबक कफ हृदय को संरचनात्मक मजबूती प्रदान करता है। जब इन दोषों का संतुलन बिगड़ता है, तब हृदय रोगों की शुरुआत होती है।

हार्ट अटैक को ऐसे समझें

- आयुर्वेद में हृदय को शरीर का बहुत महत्वपूर्ण अंग माना गया है। हृदय केवल खून को पूरे शरीर में पहुंचाने का काम नहीं करता, बल्कि यह जीवन शक्ति और मन से भी जुड़ा होता है। आयुर्वेद के अनुसार हृदय में प्राण का वास होता है, इसलिए इसे जीवन का केंद्र कहा गया है।
- आयुर्वेद यह भी मानता है कि मन और भावनाओं का सीधा असर हृदय पर पड़ता है। ज्यादा चिंता, डर, क्रोध और तनाव से हृदय कमजोर हो सकता है। इसलिए मानसिक शांति को हृदय स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी माना गया है।
- हृदय का संबंध शरीर के तीनों दोषों- वात, पित्त और कफ से होता है। वात दिल की धड़कन और गति को नियंत्रित करता है, पित्त खून की गर्मी और शुद्धता से जुड़ा होता है और कफ हृदय को मजबूती और स्थिरता देता है। जब ये तीनों संतुलन में रहते हैं, तब हृदय स्वस्थ रहता है।

रात और सुबह के समय हार्ट अटैक अधिक क्यों?

आयुर्वेद के अनुसार दिन और रात को दोषों के प्रभाव के आधार पर विभाजित किया गया है। रात का अंतिम प्रहर और तड़के सुबह का समय वात दोष प्रधान माना जाता है। वात की प्रकृति चल, सूक्ष्म, शीतल और रूक्ष होती है। इस समय वात के बढ़ने से हृदय की धमनियों में संकुचन होता है और रक्त प्रवाह बाधित हो सकता है। यदि पहले से ही धमनियों में अवरोध मौजूद हो, तो यह स्थिति हार्ट अटैक को जन्म दे सकती है।

सुबह जागने पर शरीर में होने वाले अचानक परिवर्तन

सुबह नींद से जागते समय शरीर विश्राम की अवस्था से अचानक सक्रिय अवस्था में आता है। इस समय रक्तचाप और हृदय गति में स्वाभाविक रूप से वृद्धि होती है। आयुर्वेद के अनुसार यह वात और कफ के संक्रमण काल का समय होता है। यदि व्यक्ति उच्च रक्तचाप, मधुमेह या कोलेस्ट्रॉल की समस्या से ग्रसित है, तो यह अचानक परिवर्तन हृदय पर अतिरिक्त दबाव डालता है, जिससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है।

रात के समय शरीर में होने वाले अचानक परिवर्तन

रात के समय पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है। देर रात भोजन करना, भारी और तैलीय पदार्थों का सेवन अग्निमांद्य उत्पन्न करता है। इससे आम बनता है, जो शरीर में विष की तरह कार्य करता है। यह आम धीरे-धीरे रक्त और धमनियों में जमा होकर स्रोत अवरोध करता है। रात के समय जब शरीर विश्राम में होता है, तब यह अवरोध अधिक सक्रिय हो जाता है और हृदय को पर्याप्त पोषण नहीं मिल पाता।

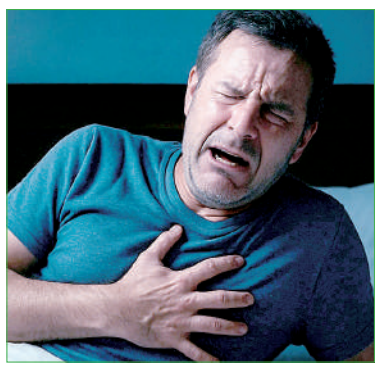

आजकल क्यों बढ़ जाता है खतरा

सर्दी का मौसम आयुर्वेद में शीत ऋतु कहलाता है। इस ऋतु में शरीर में कफ दोष का संचय और वात दोष का प्रकोप होता है। ठंड के कारण रक्तवाहिनियां सिकुड़ जाती हैं, जिससे रक्त का प्रवाह धीमा हो जाता है। हृदय को रक्त पंप करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती है, जिससे कमजोर धमनियों पर दबाव बढ़ता है और हार्ट अटैक की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

ठंड और वात दोष का सीधा संबंध

वात दोष का प्रमुख गुण शीत है, इसलिए ठंड के मौसम में वात अपने आप बढ़ जाता है। बढ़ा हुआ वात हृदय की धमनियों में संकुचन, हृदय गति में अनियमितता और सीने में अचानक दर्द या जकड़न उत्पन्न कर सकता है। यही कारण है कि सर्दियों की सुबह में हार्ट अटैक के मामले अधिक देखे जाते हैं, विशेषकर बुजुर्गों में।

सर्दियों की जीवनशैली और हृदय पर प्रभाव

सर्दियों में लोग शारीरिक गतिविधि कम कर देते हैं, अधिक आराम करते हैं और तैलीय एवं भारी भोजन का सेवन बढ़ा देते हैं। धूप में कम निकलना और व्यायाम की कमी कफ दोष को बढ़ाती है। इससे मोटापा, कोलेस्ट्रॉल और मधुमेह जैसी समस्याएं बढ़ती हैं, जो हृदय रोगों की मुख्य जड़ हैं। आयुर्वेद इसे ऋतुचर्या के पालन में लापरवाही मानता है।

मानसिक तनाव और हृदयाघात

आयुर्वेद के अनुसार हृदय मन का भी स्थान है। अत्यधिक चिंता, क्रोध, भय और मानसिक तनाव साधक पित्त को दूषित करता है। यह दूषित साधक पित्त हृदय की कार्यक्षमता को प्रभावित करता है। रात और सुबह के समय मन अधिक संवेदनशील होता है, इसलिए मानसिक तनाव का प्रभाव भी इसी समय अधिक दिखाई देता है, जिससे हार्ट अटैक की संभावना बढ़ जाती है।

हृदयाघात से बचाव

आयुर्वेद के अनुसार हृदय को स्वस्थ रखने के लिए दिनचर्या, ऋतुचर्या और आहार-विहार का पालन अत्यंत आवश्यक है। सुबह ब्रह्ममुहूर्त में जागना, गुनगुना पानी पीना, नियमित प्राणायाम और हल्का व्यायाम वात और कफ को संतुलित करता है। सर्दियों में तिल के तेल से अभ्यंग करने से वात शांत होता है और हृदय को बल मिलता है।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, बरेली में हृदय रोगों की रोकथाम और उपचार के लिए आयुर्वेदिक सिद्धांतों पर आधारित समग्र चिकित्सा अपनाई जाती है। यहां रोगी की प्रकृति, दोषों की स्थिति, जीवनशैली और मानसिक अवस्था का गहन मूल्यांकन कर उपचार किया जाता है। अर्जुन, अश्वगंधा, ब्राह्मी जैसी औषधियों के साथ-साथ पंचकर्म, आहार परामर्श और योग-प्राणायाम के माध्यम से हृदय स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने का प्रयास किया जाता है। संस्था का उद्देश्य केवल रोग का उपचार नहीं, बल्कि लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना भी है।

हृदय के लिए उपयोगी आयुर्वेदिक औषधियां

(चिकित्सक की सलाह से)

अर्जुन को आयुर्वेद में हृदय का श्रेष्ठ रसायन माना गया है। अर्जुन क्षीर पाक हृदय की मांसपेशियों को मजबूत करता है। अश्वगंधा तनाव को कम कर हृदय को बल देती है। ब्राह्मी मानसिक संतुलन बनाए रखती है और त्रिफला आम को बाहर निकालकर स्रोतस को शुद्ध करती है।

रात या सुबह हार्ट अटैक होना केवल एक आकस्मिक घटना नहीं, बल्कि काल, ऋतु और दोषों के असंतुलन का परिणाम है। सर्दियों में वात और कफ के बढ़ने से यह खतरा और अधिक बढ़ जाता है। आयुर्वेद हमें सिखाता है कि यदि हम प्रकृति के नियमों के अनुसार जीवन जीएं, संतुलित आहार लें और नियमित दिनचर्या अपनाएं, तो हृदयाघात जैसी गंभीर समस्या से काफी हद तक बचा जा सकता है। स्वस्थ हृदय के लिए आयुर्वेदिक जीवनशैली एक स्थायी और प्रभावी समाधान है।

बकुल

सुगंध, आस्था और आयुर्वेद का अनुपम उपहार

भारतीय संस्कृति में बकुल वृक्ष, जिसे मौलसिरी या मौलश्री के नाम से भी जाना जाता है, का विशेष पौराणिक, धार्मिक और औषधीय महत्व है। इसका उल्लेख अनेक प्राचीन हिंदू ग्रंथों, पुराणों और आयुर्वेदिक ग्रंथों में मिलता है। बकुल को न केवल एक पवित्र वृक्ष माना गया है, बल्कि इसे स्वास्थ्यवर्धक औषधीय पौधे के रूप में भी स्वीकार किया गया है। इसके सुगंधित फूलों को वसंत ऋतु या "बसंत" के आगमन का प्रतीक माना जाता है। बकुल वृक्ष की सबसे बड़ी पहचान इसकी मोहक सुगंध है, जो पूरे वातावरण को शुद्ध और शांत कर देती है। इसका हर भाग-फूल, पत्तियां, छाल, बीज औषधीय गुणों से भरपूर होता है। वनस्पति विज्ञानियों के साथ-साथ आम लोग भी इसकी खुशबू और सौंदर्य को सहज ही पहचान लेते हैं। इसके सफेद या हल्के पीले रंग के फूल अत्यंत सुंदर होते हैं, जिन्हें उनकी मनमोहक सुगंध के कारण आदिवासी महिलाएं पारंपरिक आभूषणों के रूप में अपने बालों और श्रृंगार में उपयोग करती हैं।

अनामिका शुक्ला
लेखिका

- बकुल का तना अपेक्षाकृत छोटा होता है। इसकी बाहरी छाल भूरे रंग की, भीतरी छाल लाल-भूरी तथा इसमें सफेद लेटेक्स पाया जाता है। इसका घना और गोलाकार मुकुट इसे अन्य वृक्षों से अलग पहचान देता है। इसकी पत्तियां लगभग 10 सेंमी लंबी और 5 सेंमी चौड़ी होती हैं, जो अंडाकार, चमकदार और आकर्षक होती हैं। बकुल के फूल छोटे, तारे के आकार के और मलाईदार-सफेद रंग के होते हैं। इनसे निकलने वाली मीठी सुगंध मन को प्रसन्न कर देती है। इसके फल दीर्घवृत्ताकार होते हैं, जिनमें एक बीज होता है और पकने पर ये नारंगी-लाल रंग के हो जाते हैं।
- आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में तनाव और मानसिक दबाव के कारण सिरदर्द की समस्या आम हो गई है। ऐसे में बकुल के फूलों का चूर्ण अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकता है। नियमित रूप से कुछ दिनों तक इसका सेवन करने से सिरदर्द में आराम मिलता है। यह मानसिक तनाव को कम करने में सहायक होता है और दिमाग को शांति प्रदान करता है।
- आयुर्वेद में बकुल के फूलों का उपयोग खांसी के उपचार के लिए भी किया जाता है। मौसम परिवर्तन के समय विशेषकर बच्चों और कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों में खांसी की समस्या अधिक देखी जाती है। यदि बकुल के कुछ फूल रातभर पानी में भिगोकर सुबह उस पानी का सेवन किया जाए, तो खांसी में उल्लेखनीय राहत मिलती है। इसे 3 से 5 दिनों तक नियमित रूप से पीने से खांसी ठीक हो सकती है। साथ ही यह इम्यूनिटी बढ़ाने में भी सहायक है।
- दांतों और मुख स्वास्थ्य के लिए बकुल का विशेष महत्व है। इसके छाल और बीज का चूर्ण दांत दर्द, दांतों में कीड़ा लगना और दांतों के हिलने जैसी समस्याओं में बेहद प्रभावी माना जाता है। रोजाना बकुल के दो फूल चबाने से दांत मजबूत होते हैं। इसके चूर्ण का उपयोग प्राकृतिक मंजन के रूप में भी किया जा सकता है। इसके अलावा यह मुंह के छाले, मसूड़ों की सूजन और अन्य मुख रोगों को दूर करने में सहायक होता है।
- हृदय स्वास्थ्य के लिए भी बकुल को अत्यंत लाभकारी माना गया है। आयुर्वेद में इसका उपयोग हृदय संबंधी रोगों के उपचार में किया जाता है। बकुल के 5 से 10 फूलों के अर्क का नियमित सेवन हृदय को मजबूत बनाता है और हृदय रोगों से बचाव करता है। यदि कोई व्यक्ति अपने हृदय को स्वस्थ और सक्रिय बनाए रखना चाहता है, तो बकुल का सेवन लाभकारी हो सकता है।
- पाचन तंत्र के लिए भी बकुल एक उत्तम औषधि है। इसके सेवन से बच्चों और बड़ों दोनों में कब्ज की समस्या दूर होती है। बकुल के बीजों को पीसकर घी में मिलाकर सेवन करने से पेट साफ रहता है। इसके साथ ही यह दस्त, डायरिया, गैस और एसिडिटी जैसी समस्याओं में भी राहत देता है। बकुल पेट के अल्सर में भी लाभकारी माना जाता है और आयुर्वेद में इसके सेवन की सलाह दी जाती है।
- आजकल महिलाओं में श्वेत प्रदर (व्हाइट डिस्चार्ज) की समस्या तेजी से बढ़ रही है। यह समस्या सामान्य होते हुए भी असहजता पैदा करती है। आयुर्वेद के अनुसार बकुल में ऐसे औषधीय गुण पाए जाते हैं, जो ल्यूकोरिया की समस्या को कम करने में मदद करते हैं। नियमित और सही मात्रा में इसका सेवन इस समस्या में लाभ पहुंचा सकता है।
- हालांकि बकुल का सेवन सामान्यतः सुरक्षित माना जाता है और यह शरीर के कई रोगों को दूर करने में सहायक है, लेकिन यदि कोई व्यक्ति गंभीर बीमारी से पीड़ित हो या पहले से कोई दवा ले रहा हो, तो बकुल का सेवन आयुर्वेदिक चिकित्सक की सलाह से ही करना चाहिए, यह आलेख केवल जानकारी के लिए हैं।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
इस सप्ताह सोचे हुए कार्यों में मनचाही सफलता और लाभ पाने के लिए अपने कार्य को योजनाबद्ध तरीके से समय पर पूरा करने का प्रयास करना होगा। यदि आप किसी भी कार्य को करने में आलस्य एवं लापरवाही करते हैं, तो आपके बने बनाए कार्य भी बिगड़ सकते हैं अथवा उससे होने वाले लाभ का प्रतिशत कम हो सकता है।

वृष
इस सप्ताह सोचे हुए कार्यों में मन मुताबिक सफलता एवं लाभ न होने पर आपके मन में निराशा व हताशा बनी रही सकती है। आपके कार्यों में अचानक से कुछ बाधाएं आ सकती हैं। इस दौरान आपको स्वजनों से ज्यादा अपेक्षा न करते हुए खुद ही अपने कार्य निपटाने का प्रयास करना चाहिए।

मिथुन
यह सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। यदि आप नौकरीपेशा हैं, तो आपको अपने कार्यक्षेत्र में अपने विरोधियों से खूब सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी, क्योंकि वे आपके बने-बनाए काम को बिगाड़ने के लिए साजिश रच सकते हैं।

कर्क
इस सप्ताह अपनी सेहत और संबंध को बेहतर बनाए रखने का भरसक प्रयास करना चाहिए। आप मौसमी अथवा किसी पुरानी बीमारी उभरने के चलते शारीरिक एवं मानसिक रूप से परेशान रह सकते हैं। किसी भी शारीरिक समस्या को नजरंदाज न करें अन्यथा आपको अस्पताल के चक्कर तक लगाने पड़ सकते हैं।

सिंह
यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य लिए है। इस सप्ताह आप अपने करियर और कारोबार में मिलने वाली सफलता एवं लाभ से संतुष्ट नजर आएंगे। खास बात ये कि आपको घर और बाहर दोनों जगह लोगों का सहयोग और समर्थन मिलेगा, जिससे आप अपने सोचे हुए कार्य को आसानी के साथ समय पर करने में कामयाब हो जाएंगे।

कन्या
इस सप्ताह जीवन में आगे बढ़ने के लिए कोई बड़ा अवसर मिल सकता है। यदि आप लंबे समय से अपनी नौकरी में बदलाव की सोच रहे थे, तो आपको किसी दूसरी संस्था से बड़ा आफर आ सकता है, लेकिन नौकरी में बदलाव करने जैसा निर्णय लेने से पहले आपको अपने शुभचिंतकों से अवश्य राय लेनी चाहिए।

तुला
इस सप्ताह अपनी बुद्धि, विवेक और परिश्रम की बदौलत किसी कार्य विशेष में बड़ी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आपके सोचे हुए कार्य समय से पूरे होते हुए नजर आएंगे। आपको घर और बाहर दोनों जगह इष्टमित्रों और स्वजनों का सहयोग और समर्थन मिलेगा।

वृश्चिक
यह सप्ताह मिश्रित फलदायी रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में आपका कामकाज थोड़ी धीमी गति से आगे बढ़ेगा। इस दौरान कार्यों में अचानक से आने वाली अड़चन के चलते आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। नौकरीपेशा लोगों पर कामकाज को लेकर उच्च अधिकारियों का अधिक दबाव बना रहेगा।

धनु
इस सप्ताह आपके पास कार्य अधिक और उसे पूरा करने के लिए समय कम रहेगा। सप्ताह की शुरुआत में नौकरीपेशा लोगों के सिर पर अचानक से कोई बड़ी जिम्मेदारी आ सकती है। आपके पास अचानक से कई काम के आफर आ सकते हैं, जिसे पूरा करने के लिए आपको अतिरिक्त परिश्रम और प्रयास की आवश्यकता बनी रहेगी।

मकर
यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। इस सप्ताह आपकी कोई बहुप्रतीक्षित मनोकामना पूरी हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों की पदोन्नति के योग बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके कामकाज की तारीफ होगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हैं, तो आपको कारोबार में अप्रत्याशित लाभ होने की संभावना है।

कुंभ
यह सप्ताह शुभता और लाभ को लिए हुए है। आपको अपने कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। सप्ताह की शुरुआत में करियर-कारोबार की दिशा में किए गए विशेष प्रयास सफल होंगे। यदि आप उच्च शिक्षा अथवा विदेश में करियर बनाने के लिए प्रयासरत हैं, तो अंत तक आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है।

मीन
इस सप्ताह आपके द्वारा किसी कार्य के लिए किए गए विशेष प्रयास सफल होंगे। करियर एवं कारोबार के सिलसिले में की गई यात्राएं सुखद एवं लाभप्रद साबित होंगी। किसी शुभ सूचना से होगी, जिससे घर-परिवार में खुशियों का माहौल बना रहेगा। यदि आप लंबे समय से किसी स्थान विशेष पर तबादले के लिए प्रयासरत थे, तो आपकी मनोकामना पूरी हो सकती है।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 41

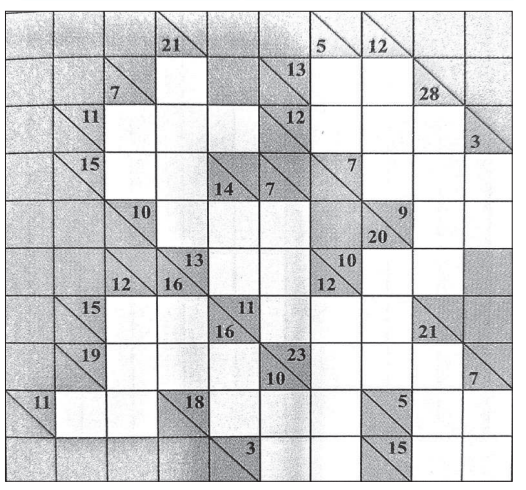

काकुरो 40 का हल

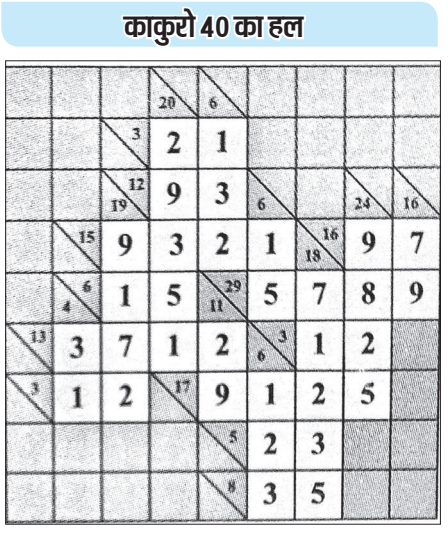

खाने की आदतें और हमारी मनोदशा

डॉ .कृष्णा नंद पांडेय
वरिष्ठ विज्ञान लेखक

अपने यहां प्रचलित कहावत "जैसा खाओगे अन्न वैसा रहेगा मन" वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी सटीक है। पौष्टिक एवं स्वास्थ्यवर्धक आहार हमारे शरीर और मन-मस्तिष्क को स्वस्थ रखने में अत्यंत सहायक है। संयुक्त राज्य अमेरिका के बेथेस्डा स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ यूनिफॉर्म्ड सर्विसेज द्वारा आर्मी, नेवी और एयरफोर्स नामक तीनों प्रमुख सेवाओं से जुड़े कर्मियों को हेल्थ साइंस एजुकेशन और प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इस विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियां इन तीनों सुरक्षा सेवाओं के छोटे-बड़े सभी रैंक के अधिकारियों, कर्मियों के उत्तम स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने पर केंद्रित हैं। इस संस्थान के विशेषज्ञों के अनुसार सुरक्षाकर्मियों का दैनिक नियमित आहार सेवन "इंद्रधनुष (रेनबो)" के समान होना चाहिए। सरल शब्दों में कहा जाए, तो दैनिक आहार में रंग-बिरंगे फलों और सब्जियों का सेवन मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में अत्यंत सहायक होता है। यहां के पोषण विशेषज्ञों के अनुसार दिन में नियमित अंतराल पर कई बार और कम मात्रा में आहार का सेवन किया जाना चाहिए। इससे शरीर को पर्याप्त ऊर्जा मिलती रहेगी तथा हाइपोग्लाइसीमिया (रक्त में ग्लूकोज की मात्रा सामान्य से नीचे गिरना) की स्थिति से भी बचाव होगा।

देर रात भोजन करना हानिकारक

आहार में रंग-बिरंगे फलों और सब्जियों, फाइबर उपलब्ध कराने वाले साबुत अनाजों तथा प्रचुर मात्रा में अनसैचुरेटेड वसा एवं ओमेगा 3-फैटी एसिड उपलब्ध कराने वाले गिरीदार फलों को सम्मिलित करने से शोथ यानी इन्फ्लैमेशन (सूजन) के कारण उभरने वाली स्वास्थ्य समस्याओं से बचा जा सकता है। हमारे आहार में प्रीबायोटिक और प्रोबायोटिक खाद्य-पदार्थों को शामिल किया जाना चाहिए। जहां प्रीबायोटिक्स में सेब, केला, बेरीज, हरी सब्जियां, प्याज, टमाटर, लहसुन आदि सम्मिलित हैं, वहीं प्रोबायोटिक खाद्य-पदार्थों में दूध, दही, अचार आदि शामिल हैं। हालांकि इन खाद्य पदार्थों विशेषतया प्रोबायोटिक्स का सेवन संतुलित मात्रा में किया जाना चाहिए, वरना अधिक मात्रा में दूध का सेवन मोटापा का कारण बन सकता है। वहीं अचार में नमक की अधिकता उच्च रक्तचाप का कारण बन सकती है। विटामिन बी युक्त खाद्यों का सेवन प्रचुर मात्रा में किया जाना चाहिए। ये पोषक तत्व शरीर के मेटाबॉलिज्म यानी चयापचय, मस्तिष्क के विकास, रक्त और तंत्रिका कोशिका को स्वस्थ रखने तथा डीएनए के उत्पादन में सहायक होते हैं। विटामिन बी की प्रचुर उपलब्धता से हमारे मूड यानी मनोदशा का निर्धारण करने में सहायक सेरोटोनिन के उत्पादन को बढ़ावा मिलता है। विटामिन बी प्राप्त करने के लिए शाकाहारी भोजन में दूध, आलू, नॉन-साइट्रिक फलों को शामिल किया जाना चाहिए, वहीं पोल्ट्री उत्पाद, मछली, गोश्त, लीवर जैसे मांसाहार विटामिन बी के प्रमुख स्रोत हैं। शरीर को स्फूर्ति और नियमित रूप से ऊर्जा मिलती रहे, इसके लिए आहार और नाश्ते के बीच में संतुलन होना चाहिए, भोजन छूटना नहीं चाहिए। भारत तीज-त्योहारों का देश है, जहां उपवास रखने की परंपरा है। परंतु उपवास के दौरान वर्जित अन्न यानी खाद्य पदार्थों को छोड़कर फल-फूल, दूध-दही के सेवन से शरीर की पोषण आवश्यकताएं पूरी की जा सकती हैं। इससे रक्त में शर्करा यानी चीनी की मात्रा संतुलित बनी रहती है। अस्पताल, रेल विभाग, सुरक्षा सेवा, कल कारखाने से जुड़े व्यक्तियों को रात यानी नाइट शिफ्ट में काम करना होता है। याद रहे, रात में मेटाबॉलिक प्रक्रिया धीमी हो जाती है। रात में भोजन करना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। हालांकि उपयुक्त मात्रा में आहार और खाद्य-पदार्थों का सेवन शरीर को सचेत रखने में सहायक होता है। नाइट शिफ्ट के कर्मियों को उत्तेजक आहार के सेवन से पूरी तरह बचना चाहिए और कैफीन स्रोतों के पेय पदार्थों का सेवन संतुलित मात्रा में ही किया जाना चाहिए। कैफीन युक्त पदार्थों का सेवन सतर्क, चौकस और सावधान रखने में सहायक होते हैं तथा लंबी अवधि तक जागकर काम करने की स्थिति में मानसिक क्षमता को बनाए रखने में भी सहायक होते हैं। मानव शरीर का 50 प्रतिशत से 70 प्रतिशत भार पानी से निर्मित होता है, शारीरिक कार्यों के सुचारु रूप से संचालन के लिए शरीर को नियमित रूप से उपयुक्त मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है। आहार में विटामिन-डी की मात्रा बढ़ाना जरूरी होता है। खाद्य पदार्थों में मछली, मछली का तेल, अंडा, मक्खन और लीवर प्राकृतिक रूप से विटामिन-डी के प्रमुख स्रोत हैं। पुष्टीकृत आहार (फोर्टीफाइड फूड्स) से भी विटामिन-डी की मात्रा प्राप्त की जा सकती है। कुछ खाद्य पदार्थों के पौष्टिक मान बढ़ाने के लिए उनके प्रसंस्करण के दौरान विटामिन और मिनरल्स यानी खनिज मिलाए जाते हैं। विटामिन-डी हड्डियों को मजबूत रखते हैं और इन्फ्लैमेशन यानी सूजन से बचाते हैं तथा उनमें एंटीऑक्सीडेंट यानी ऑक्सीकरणरोधी गुण होते हैं। धूप से मानव शरीर को प्राकृतिक रूप से विटामिन-डी प्राप्त होता है। पोषण संबंधी कमियों की आशंका में चिकित्सक से परामर्श लेनी चाहिए, क्योंकि उस स्थिति में तनावग्रस्त होने अथवा मानसिक रूप से बेचैनी जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। शरीर में ऊर्जा, कार्बोहाइड्रेट और माइक्रोन्युट्रिएंट्स यानी सूक्ष्मपोषक तत्वों की बहुत अधिक कमी से तनाव ग्रस्त होने की संभावना बढ़ जाती है।

उत्तम स्वास्थ्य के लिए जीवनशैली में बदलाव जरूरी

- **नियमित व्यायाम** : उत्तम स्वास्थ्य के लिए शारीरिक सक्रियता अत्यंत आवश्यक है। यहां तक कि साधारण चलहलकदमी (वाकिंग) तनाव पैदा करने वाले हॉर्मोन के उत्पादन को घटाने और मनोदशा को सुदृढ़ बनाने में कारगर पाई गई है।
- **पौष्टिक आहार** : आहार में फलों और सब्जियों की प्रचुर मात्रा में उपस्थिति हो तथा शर्करा, कैफीन और तले-भुने खाद्य पदार्थों की मात्रा सीमित हो।
- **नींद को प्राथमिकता** : आज लोग भौतिक सुख-सुविधाओं को जुटाने में प्राय: नींद को नजरअंदाज करते हैं। पर्याप्त नींद के लिए निर्धारित समय पर बिस्तर पर जाएं, बिस्तर पर जाने से पहले मोबाइल फोन, कंप्यूटर, टीवी, आदि के स्क्रीन बंद करें और बेडरूम में आरामदायक परिवेश तैयार करें।
- **मादक पदार्थों का सेवन सीमित करें** : आज एक बहुत बड़ी आबादी किसी न किसी रूप में मादक पदार्थों के सेवन की गिरफ्त में है। इसके पीछे दलील दी जाती है कि नशा करने से मानसिक शांति मिलती है, जबकि होता इसके ठीक विपरीत है। किसी भी प्रकार का नशा करने वाले व्यक्तियों को बिस्तर पर जाने से पहले उससे बचना चैन की नींद में सहायक होता है।

तनाव से निपटना

- **अनावश्यक तनाव से बचें** : अनावश्यक जिम्मेदारियां उठाने के लिए "नहीं" कहना सीखें।
- **स्थिति को बदलें** : तनावपूर्ण स्थिति को बदलने के लिए सीधे संवाद करें।
- **परिस्थिति के अनुकूल बदलाव** : किसी समस्या के संदर्भ में अपने विचार, नजरिया अथवा दृष्टिकोण को बदलना।
- **स्वीकार करें कि आप नहीं बदल सकते** : अनियंत्रित स्थिति से चिंतित होने की बजाय स्वीकार करें कि उस स्थिति से निपटना आप के हाथ में नहीं है।
- **समय का प्रबंधन** : अपने लक्ष्यों को निर्धारित करें और उन्हें वरीयता क्रम में संपन्न करें।
- **सामाजिक नेटवर्क से जुड़ें** : सामाजिक कार्यों की भागीदारी से तनाव कम होता है। ग्रुप के सदस्यों के बीच हास्य-विनोद के संदर्भ में हंसने अथवा सुनने और कहने से तनाव के लिए जिम्मेदार हॉर्मोन का उत्पादन घटता है।
- **मनोदशा साझा करें** : तनावग्रस्त करने वाली समस्या को परिवार के सदस्यों, मित्रों, अथवा अपने चिकित्सक के साथ साझा करें।
- **मनोचिकित्सक की परामर्श लें** : ऐसा लगे कि तनाव के कारण आपके रोजमर्रा जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने लगा है, तो मनोचिकित्सक से परामर्श लेना उपयुक्त होता है।

तनाव के संबंध में क्या कहता है विश्व स्वास्थ्य संगठन

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तनाव ने विश्वव्यापी महामारी का रूप धारण कर लिया है। आज विश्व में लाखों लोग गंभीर तनाव की स्थिति में हैं, जिससे न केवल प्रभावित व्यक्ति का परिवार, बल्कि विश्व की अर्थव्यवस्था भी गंभीर रूप से प्रभावित है। आज भाग-दौड़ भरी जिंदगी और जीवन की आपाधापी में सभी आयुवर्ग के लोग बड़ी संख्या में तनावग्रस्त हैं। विषम परिस्थितियों में तनावग्रस्त होना एक शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक प्रतिक्रिया है। विद्यार्थियों को अप्रत्याशित प्रतिस्पर्धा में सफलता प्राप्त करने, नवयुवकों को रोजगार और मनचाहा साथी प्राप्त करने, प्रौढ़ व्यक्तियों को घर-परिवार की जिम्मेदारियां निभाने तथा वृद्धों को चिंतामुक्त निरोगी जीवन व्यतीत करने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। ऐसे में तनावग्रस्त होने की संभावना बनी रहती है। पौष्टिक आहार के सेवन, नियमित व्यायाम, शारीरिक सक्रियता, व्यसन त्याग, सामाजिक कार्यों में भागीदारी जैसी स्थितियां तनाव से मुक्त रहने में अत्यंत प्रभावी हैं।

क्यों जरूरी है आहार और पोषण

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक खाद्य पदार्थों का नियमित सेवन आवश्यक है। आहार हमारे शरीर को ईंधन प्रदान करते हैं। मस्तिष्क, मांसपेशियों और अन्य अंगों को सुचारु रूप से कार्य करने में सहायक होते हैं। पोषक तत्व हमारे शरीर के ऊतकों को बनाने तथा उन्हें स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक होते हैं। उत्तम पोषण डायबिटीज, हृदय रोग जैसे खतरों को कम करता है, वहीं शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है। पौष्टिक आहार गर्भवती महिलाओं में भ्रूण के विकास, शिशुओं, बच्चों की वृद्धि और उन्हें आजीवन निरोगी रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

तनाव से बचाने अथवा उसे धीमा करने वाले खाद्य पदार्थ

शरीर को तनाव से बचाने के लिए जिंक, मैग्नीशियम जैसे खनिज और विटामिन-सी, बी एवं ई युक्त आहार का सेवन लाभकारी होता है। विटामिन -बी और मैग्नीशियम से सेरोटोनिन का उत्पादन बढ़ता है, जो तनाव दूर करने तथा मूड को अच्छा रखने में सहायक होता है। रसदार साइट्रिक फल जैसे नींबू, संतरा, बेरीज एंटीऑक्सीडेंट के साथ-साथ विटामिन-सी से प्रमुख स्रोत होते हैं। वहीं केला में विटामिन B-6 और ट्रिप्टोफैन की प्रचुर उपलब्धता सकारात्मक मनोदशा को बढ़ावा देती है।

क्रानिक तनाव कुछ परिणामों को धीमा अथवा रोकने के लिए आवश्यकता से अधिक आहार ग्रहण नहीं करने, शरीर भार नहीं बढ़ने तथा उच्च वसा अथवा उच्च शर्करा युक्त खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन नहीं करने की सिफारिश की जाती है। आहार में ये खाद्य पदार्थों का नियमित सेवन शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक होता है : बादाम, चुकंदर, ब्लूबेरीज, ब्रोकली, खरबूजा एवं तरबूज गाजर, लहसुन, ग्रीन एवं हर्बल चाय, हरी बींस, अंगूर, किवी, नींबू पानी, मटर, शकरकंद, टमाटर और साबुत अनाज आदि।

मानसिक शांति आवश्यक

- गहरी सांस लेना : इससे मन शांत होता है और हृदय गति धीमी होती है।
- सचेतन और ध्यान : अपने मस्तिष्क में एकाग्रता लाएं, इसके साथ बहुधा योग प्रक्रिया अपनाई जाती है।
- योगाभ्यास : विभिन्न प्रकार के शारीरिक योगासनों के साथ ध्यान प्रक्रिया अपनाना।
- कोई शौक पालना या सुरुचिपूर्ण काम करने की आदत डालना : अपने रोजमर्रा के जीवन के दौरान संगीत सुनना, पढ़ना, बागवानी करना, सामाजिक अथवा धार्मिक कार्यों में हिस्सा लेना आदि जैसी गतिविधियों में नियमित रूप से शामिल होना।

शादी के बाद कैरियर उड़ान या उलझन

सोचिए एक लड़की ने अपने कैरियर के लिए दिन-रात मेहनत की, डिग्रियां लीं, अनुभव जुटाया और फिर शादी हुई! और शादी के बाद? अक्सर वही होता है, जो पीढ़ियों से होता आया है। करियर या तो ठहर जाता है या धीरे-धीरे गुमनाम हो जाता है। हमारे समाज में शादी को महिलाओं के जीवन का 'मील का पत्थर' माना जाता है, लेकिन सवाल यह है कि यह मील का पत्थर करियर की सड़क में आगे बढ़ाने का काम करता है या उस पर एक बड़ा स्पीड ब्रेकर बन जाता है? हमारे समाज में शादी को महिलाओं के जीवन का 'टर्निंग पॉइंट' माना जाता है, लेकिन सवाल यह है कि यह टर्निंग पॉइंट आगे बढ़ाने के लिए होता है या पीछे धकेलने के लिए? कई बार परिवार, समाज और खुद महिलाओं की भी यह सोच बन जाती है कि शादी के बाद करियर की प्राथमिकता नहीं रह जाती। कई बार महिलाओं को यह सोचने पर मजबूर कर दिया जाता है कि करियर और शादी साथ-साथ नहीं चल सकते। परिवार, समाज और कभी-कभी खुद महिलाएं भी मान लेती हैं कि शादी के बाद करियर कम प्राथमिकता वाला हो जाता है। क्या यह सही है? या यह सिर्फ एक सामाजिक धारणा है, जिसे बदलने की जरूरत है?

'अब तुम्हें घर संभालना है।' कितनी बार हमने सुना है कि शादी के बाद महिलाएं कैरियर छोड़कर 'घर संभालने' में लग जाती हैं। अगर शादी से पहले वे एक शानदार कॉर्पोरेट जॉब में थीं, तो शादी के बाद यह सवाल उठता है- 'अब ऑफिस और घर दोनों कैसे मैनेज करोगी?' और इसका हल अक्सर यही निकलता है- 'करियर छोड़ दो।' शादी के बाद परिवार और समाज अक्सर महिलाओं से यह अपेक्षा करता है कि वे करियर की बजाय घरेलू जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दें। यह सोच क्यों है? क्या पुरुषों से भी यही अपेक्षा की जाती है? महिलाओं के सपने और कैरियर किसी 'सेल' में रखे सामान की तरह डिस्काउंट पर चले जाते हैं- 'तुम्हारा पैशन बाद में, पहले परिवार।' 'पति की जॉब ज्यादा जरूरी है, तुम्हारी तो बस टाइमपास थी।' 'घर पर रहोगी, तो बच्चों को बेहतर परवरिश मिलेगी।'

डॉ. मीता गुप्ता
शिक्षाविद, साहित्यकार

दुनियाभर में शादी को जीवन में एक नई शुरुआत के रूप में देखा जाता है, लेकिन भारत में यह अक्सर महिलाओं के लिए उनके करियर की उड़ान को रोकने की वजह बन जाती है। वर्ल्ड बैंक के हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि भारतीय महिलाओं के लिए शादी के बाद रोजगार दर में एक तिहाई तक की गिरावट आती है। यह बात हमारे समाज में जारी लैंगिक असमानता यानी जेंडर इनइक्वैलिटी को उजागर करती है। 'मैरिज पेनॉल्टी' (विवाह दंड) कहे जाने वाले इस घटनाक्रम को आंकड़ों से परे जाना जाता है। यह हमारे समाज पर पितृसत्तात्मक सोच हावी होने की बात को दर्शाता है, जो महिलाओं की प्रोफेशनल और प्राइवेट लाइफ दोनों को बुरी तरह प्रभावित करती है। चलिए अब चाइल्ड पेनॉल्टी की बात करते हैं। यही नहीं, हमारे समाज में महिलाओं को मैरिज पेनॉल्टी के साथ-साथ 'चाइल्ड पेनॉल्टी' (Child Penalty) को भी भुगतना पड़ता है, क्योंकि बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारी उन पर होने के कारण अक्सर, उन्हें अपना काम छोड़ना पड़ता है। इस रिपोर्ट में एक और परेशान करने वाला आंकड़ा पेश किया गया है। रिपोर्ट बताती है कि शादी के बाद महिलाओं की रोजगार दर में 12 फीसदी की गिरावट आती है। यह बच्चे का जन्म होने से पहले देखने को मिलता है। मातृत्व आते ही महिलाओं के करियर को 'मॉमी ट्रैक' पर डाल दिया जाता है। यानी प्रोमोशन की रेस से बाहर, साइड रोल में डाल दिया जाता है। वर्कप्लेस पर भी उन्हें कम महत्व दिया जाता है, क्योंकि माना जाता है कि अब वे 'फुल टाइम करियर' के लिए उतनी प्रतिबद्ध नहीं रहेंगी। मातृत्व के बाद कई महिलाओं को नौकरी छोड़ने के लिए मजबूर किया जाता है, जबकि पुरुषों के करियर पर इसका असर नहीं पड़ता। क्या यह लैंगिक असमानता का एक रूप नहीं है? क्या कंपनियां अधिक लचीली नीतियां अपनाकर महिलाओं को सपोर्ट नहीं कर सकती हैं? क्या शादी के बाद पुरुषों से पूछा जाता है- 'अब करियर का क्या करोगे?' नहीं न? यही सवाल अगर महिलाओं से पूछा जाता है, तो यह खुद ही बता देता है कि समस्या कहां है। शादी और करियर को एक साथ संतुलित करने वाली महिलाओं के उदाहरण भी मौजूद हैं। क्या यह संभव नहीं कि शादी करियर के लिए नया सहयोग और समर्थन लेकर आए? कई कपल्स मिलकर एक-दूसरे के करियर को आगे बढ़ाने का काम करते हैं। क्या ऐसे एक नए नजरिए की जरूरत नहीं है?

क्या कहती है रिपोर्ट

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सिर्फ 41.7 प्रतिशत महिलाएं कार्यबल हैं, इनमें से शादी के बाद लगभग 12 प्रतिशत भारतीय महिलाएं अपना करियर छोड़ देती हैं। शादीशुदा महिलाओं की कमाई कम हो जाती है। 85 प्रतिशत भारतीय महिलाओं का मानना है कि शादी और बच्चों के कारण उन्हें करियर में बाधाएं झेलनी पड़ती हैं।

समाज के प्रेरणादायक उदाहरण

इस संदर्भ में कुछ प्रेरणादायक उदाहरण भी हैं, जिनमें इंद्रा नूयी शादीशुदा होने के बावजूद अपने कैरियर को बनाए रखने में सफल रहीं। उन्होंने अपनी किताब 'My Life in Full' में बताया है कि कैसे उन्होंने अपने परिवार और करियर को संतुलित किया। कैसे कंपनियों को महिलाओं के लिए सहायक कार्यस्थल बनाने की जरूरत है। किरन मजूमदार शॉ (बायोकॉन की संस्थापक) ने शादी और समाज की अपेक्षाओं के बावजूद उन्होंने अपनी बायोटेक कंपनी खड़ी की। उनके अनुसार, परिवार से समर्थन मिलने पर शादी के बाद भी महिलाएं सफलतापूर्वक अपने कैरियर को आगे बढ़ा सकती हैं। टेनिस स्टार सेरेना विलियम्स और मेरी कॉम ने मातृत्व के बाद भी खेल में वापसी की और कई खिताब जीते। उन्होंने इस मिथक को तोड़ा कि मां बनने के बाद कैरियर को छोड़ना ही एकमात्र विकल्प है, तो क्या हल है? परिवारों को यह समझना होगा कि शादी का मतलब महिलाओं के करियर का अंत नहीं होता। पुरुषों को घर और बच्चों की जिम्मेदारी में बराबर भागीदारी निभानी चाहिए। कंपनियों को महिलाओं के लिए अधिक फ्लेक्सिबल जॉब ऑप्शंस देने चाहिए। करियर और शादी को विरोधी ध्रुवों की तरह देखने की बजाय, उन्हें साथ ले चलने की जरूरत है। पुरुषों को भी घर और बच्चों की जिम्मेदारी में बराबर भागीदार बनना चाहिए। कंपनियों को फ्लेक्सिबल वर्किंग ऑप्शंस देने चाहिए ताकि महिलाएं आसानी से दोनों भूमिकाएं निभा सकें।

पूर्वाग्रहों को खत्म कर बदल सकते हैं हालात

कैसे बदल सकते हैं ये हालात? इस सवाल का जवाब एक बहुआयामी सोच यानी मल्टी लेयर अप्रोच से मिल सकता है। यह मैरिज पेनॉल्टी के सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक कारणों का समाधान कर सकती है। इसके लिए सबसे पहले हमारे देश में एक सांस्कृतिक बदलाव लाना जरूरी है। हमारे समाज में पारंपरिक लिंग भूमिकाओं यानी ट्रेडिशनल जेंडर रोल्स को फिर से परिभाषित करने की आवश्यकता है। यानी एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था हो, जिसमें पुरुष और महिलाएं दोनों ही घरेलू जिम्मेदारियों को निभाने समान रूप से योगदान देते हों। यह बदलाव सामाजिक चेतना के लिए जागरूकता अभियान, सामुदायिक जुड़ाव और शिक्षित महिलाओं को परंपरागत दकियानूसी भूमिकाओं में फंसाए रखने वाले सदियों से चले आ रहे पूर्वाग्रहों को खत्म करके ही लाया जा सकता है।

इसके लिए सरकार की ओर से नीतिगत स्तर पर कदम उठाया जाना भी उतने ही जरूरी है। इसके लिए सरकारी और प्राइवेट सेक्टर को मिलकर देश में एक ऐसा माहौल बनाने के लिए काम करना चाहिए, जो महिलाओं की प्रोफेशनल ग्रोथ को प्रोत्साहित करे। इसके लिए जरूरी है कि नीतिगत कदमों में इसमें पुरुषों को सशुल्क पैतृक अवकाश यानी पेड पैटर्नल लीव देना, महिलाओं के वर्किंग आवर्स यानी काम के समय में लचीलापन लाना और बच्चों की देखभाल के लिए सस्ती चाइल्ड केयर सेवाएं, जैसे फीडिंग एरिया, क्रेच की उपलब्धता आदि मुहैया कराया जाना शामिल है। इस तरह के कदम सभी कामकाजी माताओं पर घरेलू काम के बोझ को कम करने में मदद करेंगे, जिससे वह अपने करियर पर फोकस बनाए रख पाएंगी। शादी एक नए जीवन का एक नया अध्याय हो सकती है, लेकिन 'द एंड' नहीं। शादी का मतलब किसी भी महिला के करियर का 'द एंड' नहीं होना चाहिए, बल्कि यह एक ऐसा पड़ाव होना चाहिए, जहां से वह अपनी निजी और प्रोफेशनल जिंदगी को संतुलित तरीके से आगे बढ़ा सके और एक सकारात्मक मानव-संसाधन के रूप में अपनी क्षमताओं के अनुसार समाज और परिवार के लिए अपनी उपादेयता सिद्ध कर सकें।

ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के करियर की स्थिति

ग्रामीण भारत में शादी के बाद महिलाओं के करियर की स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण हो जाती है। पारंपरिक सोच, शिक्षा की कमी और अवसरों की अनुपलब्धता के कारण कई महिलाएं शादी के बाद आर्थिक रूप से स्वतंत्र नहीं रह पातीं। हालांकि सेल्फ हेल्प ग्रुप, ग्रामीण उद्यमिता और सरकारी योजनाओं के माध्यम से अब बदलाव आ रहा है। उदाहरण के लिए सखी मंडल स्वयं सहायता समूह के माध्यम से महिलाएं छोटे व्यवसाय चला रही हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना से कई महिलाओं ने अपने स्वयं का व्यवसाय शुरू किया। डिजिटल इंडिया पहल के कारण अब महिलाएं ऑनलाइन बिजनेस कर रही हैं। डेयरी, सिलाई, कढ़ाई, बागवानी और कृषि आधारित व्यवसायों में महिलाएं आगे बढ़ रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

वसुंधरा फाउंडेशन की ओर से होंगे आयोजन

लखनऊ, अमृत विचार। वसुंधरा फाउंडेशन की ओर से 11 जनवरी (रविवार) को पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की जायेगी। 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर राजकीय बालिका इंटर कालेज गोमतीनगर में 'गांधी–बोस–भगत–विवेकानंद : हमारे पथ प्रदर्शक' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्मदिन पर कार्यक्रम होगा। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर प्राथमिक विद्यालय और जूनियर विद्यालय रामआसरेपुरवा में कार्यक्रम होगा। 30 जनवरी को शहीद दिवस पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। यह जानकारी वसुंधरा फाउंडेशन के संयोजक राकेश श्रीवास्तव ने दी।

संस्था ने जरूरतमंदों को वितरित किए कंबल

सिद्धार्थनगर। विधानसभा क्षेत्र 305 इटवा अन्तर्गत थाना कठेला समयमाता के ग्राम पंचायत कठेला जनूबी टोला ऊचडीह में तीन दर्जन से अधिक जरूरतमन्दों में गरीब कल्याण संस्था द्वारा नि :शुल्क कम्बल वितरण किया गया। मुख्य अतिथि संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजसेवी राम गोपाल यादव सहित अमर, जुम्मन, अब्दुल कयूम आदि कई साथी मौजूद रहें।

परियोजना के लिए धनराशि स्वीकृत

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। प्रदेश सरकार द्वारा विधानसभा क्षेत्र कपिलवस्तु अन्तर्गत ग्राम पंचायत अमरिया टोला संगलदीप के सुरक्षार्थ कटाव निरोधक कार्य की परियोजना के लिए 4 करोड़ 67 लाख 56 हजार की स्वीकृति प्रदान की गई है। विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही ने बताया कि यह परियोजना क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

विकसित भारत–जी राम जी विधेयक ग्रामीण भारत को देगा नई दिशा : दिनेश

प्रभारी मंत्री ने जिले में योजनाओं व कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक की

संवाददाता कुशीनगर

अमृत विचार: प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) विधेयक 2025 को ग्रामीण भारत की तस्वीर बदलने वाला ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह विधेयक 20 वर्ष पुराने मनरेगा कानून की कमियों को दूर कर आधुनिक, पारदर्शी और टिकाऊ रोजगार व्यवस्था स्थापित करेगा।

प्रभारी मंत्री शनिवार को कुशीनगर में थे वह उद्यान विभाग, कृषि विभाग,कोऑपरेटिव, सड़क निर्माण, राजस्व वादों की स्थिति, रियल टाइम खतौनी,स्वास्थ्य विभाग, प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास योजना(शहरी/ग्रामीण) विद्युत विभाग, कानून व्यवस्था, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, उद्योग विभाग आदि के विकास कार्यों तथा विभागीय जनकल्याणकारी संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करने के बाद पत्रकारों से मुखातिब होकर सरकार की उपलब्धियां गिनाई। उन्होंने कहा कि नए कानून के तहत ग्रामीण परिवारों को अब हर वित्तीय वर्ष 125 दिनों के रोजगार की गारंटी मिलेगी, जो पहले 100 दिन थी। इससे मजदूरों की आय में सीधा इजाफा होगा और गांवों की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।दिनेश प्रताप सिंह ने स्पष्ट किया कि इस बिल में काम को चार प्रमुख श्रेणियों जल सुरक्षा, ग्रामीण अवसंरचना, आजीविका से जुड़ा निर्माण और मौसमीय आपदाओं से सुरक्षा तक सीमित किया गया है, ताकि काम सिर्फ रोजगार तक सीमित न रहकर गांवों के स्थायी विकास का आधार बने। प्रभारी मंत्री ने कहा कि डिजिटल उपस्थिति, आधार व बायोमेट्रिक सत्यापन और सीधे खाते में भुगतान से मजदूरी की चोरी और फर्जीवाड़ा पूरी तरह खत्म होगा।

कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक के दौरान प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह। अमृत विचार

जी राम जी विकसित भारत की गारंटी : विजयलक्ष्मी

संत कबीर नगर, अमृत विचार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा के स्थान पर प्रस्तावित विकसित विकसित भारत– जी राम जी विधेयक, 2025 को लेकर जनपद की प्रभारी एवं ग्राम विकास राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम ने शुक्रवार को स्थानीय डाक बंगले में प्रेस वार्ता की। उन्होंने इसे रामराज की स्थापना की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। प्रभारी मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम ने कहा कि समय के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जरूरतें बदली हैं, लेकिन पूर्ववर्ती सरकारों में कमजोर मॉनिटरिंग और सत्यापन के अभाव में मनरेगा में कई घोटाले सामने आए। इसी को ध्यान में रखते हुए मोदी सरकार ने यह नया अधिनियम लाने का निर्णय लिया है, ताकि हर गरीब को सम्मानजनक रोजगार, विशेषकर अनुसूचित जनजाति, पिछड़े और वंचित वर्गों को प्राथमिकता के आधार पर आजीविका उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने बताया कि इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण जीवन स्तर में सुधार, कौशल सृजन, उच्च गुणवत्ता वाली अस्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण और स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देना है, ताकि ग्रामीण विकास को 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य से जोड़ा जा सके। मंत्री ने बताया कि नए अधिनियम में नया फंडिंग मॉडल लागू किया गया है, जिसके तहत सामान्य राज्यों में केंद्र–राज्य का अनुपात 60 :40, पूर्वोत्तर एवं पहाड़ी राज्यों में 90 :10, जबकि केंद्र शासित प्रदेशों में 100 प्रतिशत व्यय केंद्र सरकार वहन करेगी। अधिनियम के तहत गरीब परिवारों को प्रतिवर्ष 100 दिन के बजाय 125 दिन रोजगार देने का प्रावधान किया गया है। वन क्षेत्रों में कार्य करने वाले अनुसूचित जनजाति के श्रमिकों को 25 दिन अतिरिक्त रोजगार मिलेगा। वहीं, मजदूरी भुगतान की अवधि को 15 दिन से घटाकर एक सप्ताह कर दिया गया है।

खलीलाबाद स्थित डाक बंगले में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करतीं प्रभारी मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम। अमृत विचार

सही ढंग से निपटाए जाएं विवाद

थाना समाधान दिवस

सिद्धार्थनगर , अमृत विचार। शनिवार को सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन की उपस्थिति में थाना उसका बाजार में थाना समाधान दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिलाधिकारी ने समस्त राजस्व निरीक्षक को निर्देश दिया कि भूमि विवाद, वरासत, बंटवारा आदि के जो प्रकरण हैं उनका मौके पर जाकर सही ढंग से निस्तारण करायें। किसी को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाये। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने राजस्व निरीक्षक एवं लेखपाल को निर्देश दिया कि मौके पर जाकर नाली का विवाद, चकमार्ग का विवाद व जमीन बटवारा व अवैध कब्जा/पट्टा प्रकरणो को शिकायतकर्ता की उपस्थिति में निस्तारण की कार्यवाही सुनिश्चित कराये। आवश्यकता पड़ने पर पुलिस बल के साथ मौके पर जाये। अधिकतम प्रकरणो को निस्तारण करायें, प्रकरण लम्बित कदापि न रखा जाये। जिलाधिकारी ने थाना समाधान दिवस में आये सभी शिकायतकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि आपस में मिलकर रहे। किसी प्रकार का लड़ाई-झगड़ा न करे। जो भी प्रकरण आये है उसका निस्तारण मौके पर जाकर राजस्व के अधिकारी/कर्मचारी करायेंगे। इस दौरान थानाध्यक्ष उसका बाजार, राजस्व निरीक्षक व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

थाना उसका बाजार में थाना समाधान दिवस में मौजूद डीएम शिवशरणप्पा जीएन व एसपी डॉ0 अभिषेक महाजन।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना संख्याः NER-BSB0SnT-OT-01-2026

मण्डल रेल प्रबन्धक/सिग एवं दूरसंचार/पूर्वोत्तर रेलवे/वाराणसी कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए 'खुली–ई' निविदा आमंत्रित की जाती है। **क्रमांक 1:–** निविदा सूचना सं एवं कार्य का नामः NER-BSB0SnT-OT-01-2026, कार्य का नामः– फेफना–औरिहार सेक्शन में व.म.इ-II/ वाराणसी के अधिकार क्षेत्र में प्लासर क्विक रिलेइंग सिस्टम डिपो के प्रावधान के संबंध में सिग्नलिंग का कार्य। **अनुमानित लागतः** ₹ 10495434.86, **बयाना की राशिः** ₹ 202500.00, निविदा प्रपत्र की कीमतः 0.00, कार्य पूर्ण करने की अवधिः 06 माह, निविदा बंद होने की अंतिम तिथि एवं समयः 30.01.2026 को 15.00 बजें।

1. ई– निविदा दिनांक 30.01.2026 को 15:00 बजे तक आन लाईन जमा किया जा सकेगा।
2. पूर्ण विवरण की जानकारी प्राप्त करने एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाईट **i.e. www.ireps.gov.in** देखें।

मण्डल रेल प्रबन्धक/सिग एवं दूरसंचार
मुजाधि/सिग्नल–84 **वाराणसी**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों के लिए मुहरबन्द ''खुली निविदा'' वरिष्ठ मण्डल सिगनल एवं दूरसंचार, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है :–

निविदा नोटिस सं. : 05 वर्ष 2026, **कार्य का विवरण :** लखनऊ जंक्शन स्टेशन पीएफ- 1, 2, 3, 4, 5 और 6 में पुरानी कोच गाइडेंस और अन्य यात्रियों की सुविधाओं की प्रणाली को नवीनतम संस्करण के नए आईपीआईएस आधारित सिस्टम से बदलना, एलजेएन डिवीजन में, **अनुमानित लागत :** ₹ 3,70,08,238.44, **बयाना राशिः** ₹ 3,35,100.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** रु. 00.00, **कार्य समापन अवधि :** 180 दिन।

(1) निविदाओं के बन्द होने की अंतिम तिथि एवं समय : 29.01.2026 को 15.00 बजे।

नोट :- 1. इस निविदा के विरूद्ध मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल ऑफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण एवं निविदा जमा करने हेतु, कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** को देखें।

म.रे.प्र. (सि. एवं दूर.सं.)/
मुजाधि/सिगनल-86 **लखनऊ**

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
30वॉ वृत्त (वि0/यॉ0), लो0नि0वि0,
96 महात्मागॉधी मार्ग, लखनऊ

पत्रांकः– 17/36सी0बी0–30/2025–26 दिनांकः– 06/01/2026

शुद्धि–पत्र

इस कार्यालय के निविदा सूचना पत्र सं0–2884/36सी0बी0–30/2025 दिनांक 10.12.2025 द्वारा निविदा प्रकाशन हेतु प्रेषित की गयी थी जिसमें अपरिहार्य कारणोंवश तिथियों में संशोधन निम्नवत् किया जाता है–

क्रमांक	विवरण	पूर्व स्थिति	संशोधित स्थिति
	निविदा विक्रय की अवधि की तिथि	दिनांक 18.12.2025 से 22.12.2025 अपरान्ह 12.00 बजे तक	दिनांक 13.01.2026 से 16.01.2026 अपरान्ह 12.00 बजे तक
	निविदा खोले जाने की तिथि	दिनांक 22.12.2025 अपरान्ह 03.00 बजे	दिनांक 16.01.2026 अपरान्ह 03.00 बजे

शेष शर्तें पूर्ववत् रहेंगी।

(अभय कुमार गुप्ता)
अधीक्षण अभियन्ता
30वॉ वृत्त (वि0/यॉ0)
लो0नि0वि0, लखनऊ

UP – 243699 **दिनांकः** 09/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

बनारस और प्रयागराज को सोनांचल से जोड़ेगा 330 किमी का विंध्य एक्सप्रेस-वे

आनन्द प्रताप सिंह, वाराणसी

अमृत विचार। पूर्वांचल की कनेक्टिविटी को नए आयाम देने वाली 330 किलोमीटर लंबी विंध्य एक्सप्रेस-वे परियोजना ने रफ्तार पकड़ ली है। चेन्नई की अलमोंडज कंपनी को सौंपा गया सर्वे तीव्र गति से चल रहा है। कंपनी की टीम पिछले तीन दिनों से सोनभद्र के म्योरपुर क्षेत्र में हाई-टेक उपकरणों के साथ मार्ग का परीक्षण कर रही है।

एक्सप्रेस-वे बनारस, चंदौली होते हुए सोनभद्र को प्रयागराज और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से जोड़ेगा। मुख्यमंत्री ने इसकी घोषणा महाकुंभ मेले के समापन पर की थी। माना जा रहा है कि 2027 से पहले निर्माण कार्य शुरू हो सकता है। शुक्रवार को कंपनी के जूनियर सर्वेयर नितेश यादव और अरविंद कुमार ने रनटोला के जंगलों से होते हुए रेणुकूट तक मार्ग का विस्तृत सर्वे किया। टीम ने बताया कि हर 20 किमी पर सैटेलाइट कनेक्टिंग डिवाइस लगाकर पूरा 330 किमी मार्ग एक साथ स्कैन किया गया।

साइट इंचार्ज अरुण यादव के अनुसार सर्वे लगभग पूरा हो चुका है। डीपीआर इस माह के अंत तक शासन को सौंप दी जाएगी। इसमें लागत, मार्ग, पुल और अधिग्रहण का पूरा विवरण होगा। प्रस्तावित रूट वाराणसी–शक्तिनगर मार्ग के समानांतर होगा। एक्सप्रेस-वे रनटोला–मुर्धवा के जंगलों से होते हुए दुद्धी–हाथीनाला मार्ग को क्रॉस करेगा। इसके बाद इसे हरदी कोटा–कोन मार्ग तक ले जाया जाएगा, जहाँ सोन नदी पर नया पुल बनाने का प्रस्ताव है। पुल बनने के बाद मार्ग पल्हारी–नगवां होते हुए चंदौली और फिर बनारस से जुड़ेगा। सोनभद्र जैसे दूरस्थ जिले के लिए पहली बार तेज़ और सीधी कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी। ऊर्जा, खनन और पर्यटन क्षेत्रों को गति मिलेगी। प्रयागराज–बनारस व सोनांचल का त्रिकोण आर्थिक रूप से मजबूत होगा।

प्रतीकात्मक फोटो।

आज मतदान बूथों पर पढ़कर सुनाया जाएगा वोटरों का नाम

कुशीनगर, अमृत विचार : उप जिला निर्वाचन अधिकारी वैभव मिश्रा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01.01.2026 के आधार पर जनपद की समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस क्रम में दिनांक 06 जनवरी, 2026 को जनपद के समस्त मतदान बूथों पर मतदाता सूची का आलेख्य (ड्राफ्ट) प्रकाशन कर दिया गया है।उक्त कार्यक्रम के तहत आज जनपद के सभी मतदान बूथों पर मतदाता सूची को पढ़कर सुनाया जाएगा।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का नाम त्रुटि बस आधार कार्ड में सक्को पुत्री गंगा देवी अंकित हो गया है जबकि मेरी पुत्री का सही नाम दिव्या गुप्ता Divya gupta पुत्री अशोक कुमार गुप्ता है है भविष्य में मेरी पुत्री को दिव्या गुप्ता के नाम से जाना पहचाना जाए। **अशोक कुमार गुप्ता निवासी 226/ 25 सुभाष मार्ग बाग मौलवी अनवर लखनऊ**

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य के लिये 'खुली' ई-निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत इंजीनियर, कालोनी, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा आमंत्रित की जाती हैः–

क्रम सं. -1, निविदा सूचना सं. एवं कार्य का विवरणः 01-2026-कालोनी, कार्य का नामः **(अ)** आरसीटी में दो अदद चैंबर और जी०एम० आफिस के पीछे आरपीएफ के लिये कार्यालय एवं कॉमन रूम का विद्युतीय कार्य का प्रावधान। **(ब)** सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम गोरखपुर में खेल छात्रावास का विकास कार्य। **(स)** गोरखपुर रेलवे क्षेत्र में विभिन्न कार्यालयों की छतों पर लगे सौर पैनलों की बिजली आपूर्ति और बिखरे हुए केबलों को सुनिश्चित करने के लिये केबल ट्रे का प्रावधान" से संबंधित विद्युतीय कार्य। **(डी)** पीएफए कार्यालय, पीसीएमडी कार्यालय, पीसीई कार्यालय, ला कार्यालय और पीसी सीएम कार्यालय में वर्कस्टेशनों और कॉम्पेक्टरों और अन्य सुधार कार्य से संबंधित विद्युतीय कार्य का प्रावधान। अनुमानित लागतः ₹ 75,82,984.41, बयाने की राशिः ₹ 1,51,700/-, ई-निविदा फार्म का मूल्यः शून्य, कार्य पूर्ण करने की समय/अवधि स्वीकृत पत्र जारी होने के तिथि सेः 06 माह।

- ऑनलाइन ई-निविदा जमा करने की तिथि 30-01-2026 समय 15:00 बजे तक।
- इस निविदा के विरूद्ध मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा, ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। पूर्ण विवरण एवं निविदा की प्रस्तुत करने के लिये भारतीय रेल के वेबसाइट *www.ireps.gov.in* पर देखें।
- यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/कालोनी
मुजाधि/विद्युत-249 **गोरखपुर**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्र न करें।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सुलतानपुर-अमेठी वृत्त, लोक निर्माण विभाग, सुलतानपुर

पत्रांकः- 26 /1काम-सु0अ0वृ0/2025-26 दिनाँकः- 05-01-2026

अति अल्पकालीन निविदा सूचना
(तृतीय आमंत्रण)

राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, सुलतानपुर-अमेठी वृत्त, उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रतिशत दर पर उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग में मार्ग कार्य हेतु रजिस्टर्ड अर्ह एवं अनुमोदित ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता को सलाह दी जाती है कि यह न्यूनतम अर्हता के सम्बन्ध में निविदादाता निर्देश पुस्तिका में वर्णित ठेका प्राप्त करने के नियमों से अवगत हो लें।

क्र0 सं0	जिला	कार्य का नाम	आंकलित धनराशि (रु0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रु0 लाख में)	निविदा शुल्क प्रपत्र का मूल्य+ स्टेशनरी +जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण कराने की अवधि	अधिशासी अभियन्ता का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	मुख्य अभियन्ता का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	अमेठी	हारीमऊ सम्पर्क मार्ग का विशेष मरम्मत का कार्य	40.70	4.04	Rs.2714.00	02 माह	निर्माण खण्ड लो0नि0वि0 अमेठी	सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर	अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या

➢ विल आफ क्वान्टिटी में लगाई गयी दरें जी0एस0टी0 को छोड़ते हुए लगाई गयी है।

निविदा आनलाइन दिनाँक 12.01.2026 की पूर्वाहन 9:00 बजे से दिनाँक 17.01.2026 को 12.00 बजे तक डाउनलोड की जा सकती है एवं दिनांक 17.01.2026 को 12:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनाँक 17.01.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी। शासनादेश संख्या 1/2018/3070/78-2-2018-42 आई0टी0/2017(22) दिनांक 03.01.2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रुप से विभाग/कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने है। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेक प्रस्तुत न किये जाने की दशा में शासनादेश में निहित प्राविधानों के अनुरुप कार्यवाही की जायेगी।

निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साप्टवेयर के माध्यम से किया जाना है, जिसकी विस्तृत जानकारी बिड डाक्यूमेंट के साथ संलग्न निविदा सूचना में उपलब्ध है।

निविदादाता सम्बन्धी शेष सभी शर्तें https://etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।

अधिशासी अभियन्ता,
निर्माण खण्ड,लो0नि0वि0,
अमेठी

अधीक्षण अभियन्ता,
सुलतानपुर-अमेठी वृत्तलो0नि0वि0,
सुलतानपुर

UP – 243697 **दिनांकः** 09/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

मनरेगा कोई भीख नहीं बल्कि गरीबों का संवैधानिक अधिकार : काजी सुहेल

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में केन्द्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ 11 जनवरी से 45 दिन तक मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान चलाया जायेगा। यह अभियान देश के गरीब, मजदूर, किसान और ग्रामीण परिवारों के अधिकारों की रक्षा के लिए शुरू किया जा रहा है। इस अभियान को जनपद में सफलतापूर्वक चलाने के लिए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा राजन श्रीवास्तव को मनरेगा बचाओ संग्राम का जनपद कोआर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। उक्त जानकारी कांग्रेस जिलाध्यक्ष काजी सुहेल अहमद ने शनिवार को डुमरियागंज में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी। काजी सुहेल अहमद ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना में किये गये बदलावों से करोड़ों गरीब परिवारों का रोजगार खतरे में पड़ गया है।

सभासद व नगर पंचायत के पूर्व कर्मी में मारपीट

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। नगर पंचायत में जमीन विवाद व उधारी मांगने को लेकर सभासद व नगर पंचायत के पूर्व चपरासी के बीच मारपीट हुई। पुलिस ने दोनों पक्षों को गिरफ्तार कर 7 लोगों का चालन किया है। गुरुवार रात शोहरतगढ़ कस्बे में स्थित पुलिस पिकेट के पास दोनों पक्षों में मारपीट हुई। सभासद अनूप कसौधन ने आरोप लगाते हुए कहा कि पूर्व चपरासी पंकज निगम उधार का पैसा मांगने लगा। असमर्थता जाहिर करने पर मारपीट करने लगा।

महाप्रबंधक ने गारेखपुर–यशवंतपुर एक्सप्रेस का किया ऑन बोर्ड निरीक्षण

गोरखपुर, अमृत विचार। महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने शनिवार को 12591 गारेखपुर-यशवंतपुर एक्सप्रेस का ऐशबाग से कानपुर सेन्ट्रल तक ऑन बोर्ड निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने यात्रियों को दी जा रही सुविधाओं के साथ कोच के मेंटेनेन्स, साफ-सफाई, लिनेन की स्वच्छता तथा प्रसाधनों की साफ-सफाई तथा जलापूर्ति व्यवस्था का निरीक्षण किया। संबंधित अधिकारी को लिनेन के बेहतर रख-रखाव सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। फायर एवं स्मोक डिटेक्शन सिस्टम का उचित रख-रखाव के लिए निर्देशित किया। कोच के अन्दर लगे अस्पष्ट स्टीकरों को हटाने का निर्देश दिया। आवश्यक एवं जागरूकता वाले स्टीकरों को स्पष्ट तरीके से निश्चित तथा पहुंच वाले जगह पर लगाने का निर्देश दिया। उन्होने दिव्यांग यात्रियों की सुविधा हेतु ब्रेल लिपि में लगाये गये बर्थ/सीट नम्बर तथा प्रसाधनों के साइनेज का भी निरीक्षण किया। पेन्ट्रीकार की साफ-सफाई को प्राथमिकता पर रखते हुए रेल यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उचित दर पर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

ट्रेन के अंदर सुविधाओं का निरीक्षण करते महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार क कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं **सुनील शुक्ला सुत जगदेव प्रसाद शुक्ला नि0– ग्राम–खजुरी, परगना –बरौसा, तहसील – जयसिंहपुर, जिला–सुलतानपुर,** मेरे पुत्र का नाम हाईस्कूल अंक पत्र में आरव शुक्ला व जन्म प्रमाण पत्र में आरव शुक्ला व आधार कार्ड में राज शुक्ला दर्ज है। पुत्र का नाम आधार कार्ड में राज शुक्ला दर्ज है जो कि गलत है। अतः पुत्र का नाम आधार कार्ड में राज शुक्ला के स्थान पर आरव शुक्ला दर्ज किया जाय।

सूचना

मैं BRIJPAL YADAV पुत्र श्री RAM BARAN निवासी ग्राम व पो0–नंदौरी, बलरामपुर, उ0प्र0, सबको सूचित करता हूँ कि मैंने अपना नाम बदलकर BRIJ LAL रख लिया है, अतः आज से मुझे BRIJ LAL के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

सूचना

मैं SHERE RAJA पुत्र श्री CHEDI RAJA, निवासी ग्राम–भागवतपुर, रामपुर बनघुसरा, पो0–श्रीदत्तगंज, बलरामपुर, उ0प्र0 सबको सूचित करता हूँ कि मैंने अपना नाम बदलकर SHERE RAJA MANSURI रख लिया है, अतः आज से मुझे SHERE RAJA MANSURI के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

सूचना

मैने अपना नाम ISHRAT ALI से बदलकर ISHRAT KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-NASRAT KHAN ADD-AHMADPUR JAT, POST-BARI DIST-SITAPUR-261303(U.P.)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल सन 2016का अंकपत्र व प्रमाण पत्र जिसका अनुक्रमांक 1840006 तथा इंटर का अंकपत्र व प्रमाण पत्र सन् 2018 अनुक्रमांक 143014खो गया है जिस सज्जन को मिले निम्न पते पर पहुंचाने का कष्ट करें । **मीनू देवी पुत्री गयासरन, निवासी– ग्राम पोस्ट मुसीवा तहसील बबेरू जिला बांदा, मो0– 9935882685**

कार्यालय कार्य अधीक्षक
अ०वि०नि०ई० (वि०/यां०) लो०नि०वि०,
इन्दिरा भवन (बेसमेन्ट), लखनऊ

पत्रांकः 16/निविदा/2026-27 दिनांकः 07/01/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

महामहिम श्री राज्यपाल, उ०प्र० की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा प्रतिशत के आधार पर दिनांक 13.01.2026 से दिनांक 28.01.2026 को अपरान्ह 03:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा मूल्य जमा करा कर निविदा कार्य अधीक्षक, अ०वि०नि०ई० (वि०/यां०), लो०नि०वि० लखनऊ के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

मुहरबन्द निविदायें दिनांक 28.01.2026 को दोपहर 03:00 बजे तक कार्यालय कार्य अधीक्षक, अ०वि०नि०ई० (वि०/यां०), लो०नि०वि० लखनऊ, में प्राप्त की जायेंगी तथा दिनांक 28.01.2026 को 03:30 बजे कार्यालय जिलाधिकारी, लखनऊ में उपस्थित ठेकेदारों अथवा उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेंगी। निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार विभाग के पास सुरक्षित होगा।

क्र० सं०	कार्य का नाम	कार्य की लागत (रु० लाख में)	धरोहर धनराशि (रु० लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र मूल्य जी०एस०टी० सहित (रु० में)	अधिशासी अभियंता का पता	पात्रता
1	2	3	4	5	6	7	8
1	राजभवन परिसर के विभिन्न भवनों के छतों/स्थानों पर लेईंग केबिलों/अन्य अव्यवस्थित पाइपों को ए0सी0पी0 शीट से कवरिंग करने का कार्य ।	1.68 + 18% G.S.T.	0.17	15 Days	589.00	कार्य अधीक्षक, अ०वि०नि०ई० (वि०/यां०), लो०नि०वि०, लखनऊ।	लो०नि०वि० में 'ए/बी/सी' श्रेणी में विद्युत कार्यों हेतु पंजीकृत ठेकेदार।
2	राजभवन मुख्य भवन में स्थापित स्पिलिट ए०सी० आउटडोर यूनिट के शिफ्टिंग का कार्य।	1.47 + 18% G.S.T.	0.15	15 Days	589.00	कार्य अधीक्षक, अ०वि०नि०ई० (वि०/यां०), लो०नि०वि०, लखनऊ।	लो०नि०वि० में 'ए/बी/सी' श्रेणी में विद्युत कार्यों हेतु पंजीकृत ठेकेदार।

सामान्य शर्तें:-

1- निविदा सम्बन्धित जानकारी दिनांक 27.01.2026 तक किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय कार्य अधीक्षक, अ०वि०नि०ई० (वि०/यां०), लो०नि०वि० लखनऊ से प्राप्त की जा सकती है।
2- टी-1 की सामान्य शर्तें मान्य होंगी। प्रपत्र टी-4, टी-5 एवं टी-6 (मूल में) निर्धारित प्रारूप में संलग्न करना अनिवार्य है।
3- निविदा की वैधता 90 दिन के लिये होगी। निविदा के साथ रु० 100 का नॉन ज्यूडीशियल स्टैम्प पेपर वैधता हेतु लगाना अनिवार्य होगा। वैधता की अवधि में निविदा को वापस नहीं लिया जा सकेगा।
4- सशर्त निविदा अस्वीकृत की जा सकती है।
5- आयकर/जी०एस०टी०/लेबर सेस की कटौती नियमानुसार की जायेगी।
6- कॉलम सं० 4 मे अंकित धरोहर धनराशि (Refundable) जो शिड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंक से निर्गत एफ०डी०आर० एवं डाकघर से जारी एन०एस०सी० के रूप में कार्य अधीक्षक, अ०वि०नि०ई० (वि०/यां०), लो०नि०वि० लखनऊ (S.O.W. Ty DCU E/M P.W.D. Lucknow) के पद नाम में बंधक होगी तथा कॉलम सं० 6 मे अंकित निर्धारित निविदा प्रपत्र मूल्य जो शिड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंक से जारी डिमान्ड ड्राफ्ट (Non-refundable) के रूप में कार्य अधीक्षक, अ०वि०नि०ई० (वि०/यां०), लो०नि०वि० लखनऊ (S.O.W. Ty DCU E/M P.W.D. Lucknow) के नाम से देय होगा।
7- कार्यालय बन्द होने अथवा अवकाश होने की दशा में निविदा उसी क्रम में एवं समयानुसार अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी।
8- अधोहस्ताक्षरी/सक्षम अधिकारी को बिना कोई कारण बताए एक या समस्त निविदा को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा।

(पारितोष सिंह)
कार्य अधीक्षक,
अ०वि०नि०ई० (वि०/यां०), लो०नि०वि०
लखनऊ

UP – 243695 **दिनांकः** 09/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

विहाय कामाण्यः सर्वान्पुमंशचरति निष्स्पृहः।
निर्ममो निरहंकार स शांतिमधिगच्छति ॥

जिस व्यक्ति ने इंद्रिय तृप्ति के लिए सभी इच्छाओं को त्याग दिया है, जो इच्छाओं से मुक्त रहता है, जिसने स्वामित्व की सभी भावनाओं को त्याग दिया है और झूठे अहंकार से रहित है- केवल वही वास्तविक शांति प्राप्त कर सकता है।

केन्द्र से टकराने की सतही राजनीति

पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने संवैधानिक संकट पैदा कर दिया है। वे केन्द्रीय जांच एजेंसियों से भिड़ रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यहां तृणमूल कांग्रेस के रणनीतिकार के आवास व कार्यालय पर छापा मारा। बताया गया कि एक घोटाले की जांच के लिए यह कार्यवाही की गई है, लेकिन जांच व कार्यवाही के समय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मौके पर पहुंच गईं। वे अपने साथ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को भी ले गईं। दोनों पक्षों के बीच तीखी बातचीत हुई। आरोप प्रत्यारोप लगे। प्रवर्तन निदेशालय ने बताया कि यह छापा कोयला तस्करी से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े हुए हैं। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने छापे मारने की आड़ में उनके चुनावी रणनीति संबंधी रिकार्ड को जब्त किया। प्रत्याशियों की सूची भी छीन ली गई है। इस आलेख के प्रेस में जाने तक तृणमूल कांग्रेस के लगभग दो दर्जन सांसद राजधानी दिल्ली में गृह मंत्रालय के बाहर धरना दे रहे हैं। केन्द्रीय जांच एजेंसी के सामने राज्य पुलिस को खड़ा कर देना गंभीर संवैधानिक संकट पैदा कर सकता है।

> भारतीय संविधान में केन्द्र व राज्यों के बीच विषयों की एक सूची है। इस सूची के अनुसार पुलिस राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आती है और सीबीआई-ईडी केन्द्रीय प्राधिकार में होते हैं। दोनों को आमने-सामने खड़ा कर देना संविधान का उल्लंघन है। दोनों परस्पर पूरक हैं, लेकिन ममता बनर्जी ने देश के संघीय ढांचे का ध्यान नहीं रखा। ऐसा कई बार हुआ है। वे विकल्प नहीं छोड़तीं और केन्द्रीय सत्ता को दोष दिया करती हैं।

सबसे खास बात है कि मुख्यमंत्री होने के बावजूद ममता ने घोषणा की कि प्रवर्तन निदेशालय के छापे के जवाब में पश्चिम बंगाल में भाजपा के कार्यालयों पर छापेमारी की जाए तो क्या होगा? वे संविधान की परवाह नहीं करतीं। केन्द्र से टकराव लेना और स्वयं को केन्द्र द्वारा पीड़ित बताना ममता की राजनीति का हिस्सा है। पश्चिम बंगाल में जब कब केन्द्र और राज्य के बीच टकराव की घटनाएं होती ही रहती हैं। जनता ऐसी घटनाओं व ममता से ऊब गई है। तृणमूल कांग्रेस की स्थिति कमजोर हो रही है। उम्र और परिस्थितियां ममता बनर्जी की सरकार बनाने में सक्षम नहीं हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहुत पहले ही बंगाल विधानसभा चुनाव को जीतने की महत्वाकांक्षा प्रकट कर दी थी। इसी क्रम में गृह मंत्री अमित शाह ने बंगाल का तीन दिवसीय दौरा किया था। उन्होंने तृणमूल के कुशासन की ओर जनता का ध्यान खींचा और राजग की शक्ति का गुरु मंत्र भाजपा के नेताओं को दिया। शाह ने कहा कि भय, भ्रष्टाचार, कुशासन और विदेशी घुसपैठ की राजनीति के स्थान पर विकास, विरासत और गरीब कल्याण की मजबूत सरकार बनाने का संकल्प बंगाल की जनता में दिखाई पड़ रहा है। ममता बनर्जी 2021 का चुनाव जीती भी थीं। भाजपा भी पूरे आत्मविश्वास के साथ चुनाव लड़ी और नेता विरोधी दल के पद को हथियाने में सफल रही। 2021 की तुलना में राजनीतिक माहौल बदल चुका है। राजग का विस्तार हो रहा है। विदेशी घुसपैठ को लेकर ममता विपक्ष के आरोपों के घेरे में हैं। पड़ोसी बांग्लादेश में हिन्दुओं के विरुद्ध हुई हिंसा से विश्व आहत है। पश्चिम बंगाल के हिन्दू मतदाता भी बांग्लादेश की घटनाओं से आक्रोश में हैं।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

पिछले विधानसभा के चुनाव में ममता पर अल्पसंख्यकवादी होने के आरोप लगे थे। अब वे स्वयं को हिन्दू सिद्ध करने के लिए प्रयासरत हैं। पिछले चुनाव में उन्होंने मंच से ही चंडी पाठ किया था। इस बार की चुनौती बड़ी है। 2021 की तुलना में राष्ट्रवाद का विचार काफी सशक्त हो गया है। ममता द्वारा चुनाव के पहले दुर्गा आंगन और सिलीगुड़ी में महाकाल मंदिर निर्माण की घोषणा के संकेत भी दिए गए हैं। तृणमूल कांग्रेस के नेता और विधायक हुमायूं कबीर ने बाबरी मस्जिद की नींव रखी। यहां प्रत्येक शुक्रवार को भारी संख्या में लोग आते हैं। एकत्रीकरण बढ़ता ही जा रहा है। यद्यपि ममता बनर्जी के विधायक हुमायूं कबीर को पार्टी से निलंबित कर दिया गया है, तो भी स्थानीय नागरिक काफी डरे सहमे हुए हैं। बाबर भारतीय मुसलमान नहीं था। वह विदेशी हमलावर था। उसी की सहायता और मार्गदर्शन में बाबर के सिपहसालार सैयद मीर बाकी ने 1528 में अयोध्या का श्रीराम जन्मभूमि मंदिर ध्वस्त कर दिया था। दीर्घकाल तक चले आंदोलन से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण हुआ। दिव्य और भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर बन चुका है। लाखों श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं।

अयोध्या में की गई खुदाई की पुरातात्विक सर्वेक्षण विभाग की रिपोर्ट में 3500 साल ईसापूर्व का वर्णन है। रिपोर्ट के अनुसार ईसापूर्व 3500 वर्ष से 1000 ईसापूर्व तक अयोध्या एक बस्ती है। एएसआई के अनुसार यहां एक दिव्य और भव्य मंदिर पहले से था। रिपोर्ट में 500 ईसवी तक मंदिर के अस्तित्व के साक्ष्य हैं। मंदिर गिराकर मस्जिद बनाने के पाप को सुधारा जा चुका है। क्या देश बाबर को भूल सकता है? श्रीराम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन और इसी विचार परिवार के अन्य संगठन भारतीय जनमानस का दिल जीतने में कामयाब हुए हैं। अब स्वयं को हिन्दू बताना लज्जा का विषय नहीं है। ममता बनर्जी बहुत पहले से ही अल्पसंख्यकवादी हैं। वे और इंडी गठबंधन के अधिकांश नेता स्वयं को हिन्दू सिद्ध करने में जुटे हुए हैं। पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति के संकेत सुस्पष्ट हैं। ममता पश्चिम बंगाल में बहुत कमजोर स्थिति में हैं। अभी चुनाव के लिए कुछ महीने बचे हैं। पश्चिम बंगाल की उथल-पुथल को देश देख रहा है। दरअसल ममता बनर्जी को जनता के बीच तृणमूल कांग्रेस विरोधी भावनाएं सुस्पष्ट दिखाई दे रही हैं। ममता के मन में विधानसभा चुनाव को लेकर उत्साह है। वे हिन्दू ध्रुवीकरण की रणनीति पर अग्रसर हैं, लेकिन चुनाव में ध्रुवीकरण का लाभ उनको नहीं मिलेगा। ममता बनर्जी की राज्य सरकार के कार्यकाल में सत्ता संरक्षित लूट के मामले लगातार बढ़े हैं। आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज व संदेशखाली के महिला उत्पीड़न के मामले सर्वविदित हैं। ममता के राज्य में अल्पसंख्यक तुष्टीकरण नया नहीं है। बेरोजगारी बढ़ी है। लोग गांव छोड़कर पलायन कर रहे हैं और विकास का कहीं कोई नाम नहीं है। विपक्षी भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न जारी है।

भारतीय संविधान में केन्द्र व राज्यों के बीच विषयों की एक सूची है। इस सूची के अनुसार पुलिस राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आती है और सीबीआई ईडी केन्द्रीय प्राधिकार में होते हैं। दोनों को आमने-सामने खड़ा कर देना संविधान का उल्लंघन है। दोनों परस्पर पूरक हैं, लेकिन ममता बनर्जी ने देश के संघीय ढांचे का ध्यान नहीं रखा। ऐसा कई बार हुआ है। वे विकल्प नहीं छोड़तीं और केन्द्रीय सत्ता को दोष दिया करती हैं। संविधान के अनुच्छेद 355 में वाह्य आक्रमण और आंतरिक अशांति से राज्य की संरक्षा करने का संघ का कर्तव्य है। ये भी है कि वाह्य आक्रमण और आंतरिक अशांति की सुरक्षा के साथ प्रत्येक राज्य की सरकार का इस संविधान के अपबंधों के अनुसार चलाया जाना सुनिश्चित करें, लेकिन ममता बनर्जी संविधान की मूल भावना का उल्लंघन कर रही हैं। उन्हें याद कराना पड़ेगा कि मुख्यमंत्री के सम्माननीय पद पर बैठने के समय संविधान पालन की शपथ ली जाती है। वे सम्माननीय मुख्यमंत्री हैं। उन्हें संविधान विरोधी कार्य नहीं करना चाहिए, लेकिन उनका एक स्वभाव है। वे बहुधा गुस्से में आ जाती हैं। उन्होंने भाजपा को चुनौती दी है कि वह तृणमूल कांग्रेस को लोकतांत्रिक तरीके से हराकर दिखाएं। वे चुनौती की भाषा बोलती हैं, लेकिन असल चुनौती आगामी विधानसभा चुनाव हैं। इसमें भाजपा की जीत पक्की है।

देश के अमूल्य रत्न थे लाल बहादुर शास्त्री

भारत के प्रधानमंत्री बनने से पहले लाल बहादुर शास्त्री विदेश मंत्री, गृहमंत्री और रेल मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद संभाल चुके थे। ईमानदार छवि और सादगीपूर्ण जीवन जीने वाले लाल बहादुर शास्त्री नैतिकता की मिसाल थे। जब शास्त्री जी प्रधानमंत्री बने, तब उन्हें सरकारी आवास के साथ शेवरले इंपाला कार भी मिली थी, लेकिन उसका उपयोग वे बेहद कम किया करते थे। किसी राजकीय अतिथि के आने पर ही वह गाड़ी निकाली जाती थी। एक बार शास्त्री जी के बेटे सुनील शास्त्री किसी निजी कार्य के लिए यही सरकारी कार उनसे बगैर पूछे ले गए और अपना काम पूरा करने के पश्चात कार चुपचाप लाकर खड़ी कर दी। जब शास्त्री जी को इस बात का पता चला, तो उन्होंने ड्राइवर को बुलाकर पूछा कि गाड़ी कितने किलोमीटर चली? ड्राइवर ने बताया कि गाड़ी कुल 14 किमी चली है। उसी क्षण शास्त्री जी ने उसे निर्देश दिया कि रिकॉर्ड में लिख दो, 'चौदह किमी प्राइवेट यूज'। उसके बाद उन्होंने पत्नी ललिता को बुलाकर निर्देश दिया कि निजी कार्य के लिए गाड़ी का इस्तेमाल करने के लिए वह सात पैसे प्रति किमी की दर से सरकारी कोष में पैसे जमा करवा दें।

श्वेता गोयल
लेखिका

प्रधानमंत्री बनने के बाद शास्त्री जी पहली बार अपने घर काशी आ रहे थे, तब पुलिस-प्रशासन उनके स्वागत के लिए चार महीने पहले से ही तैयारियों में जुट गया था। चूंकि उनके घर तक जाने वाली गलियां काफी संकरी थी, जिसके चलते उनकी गाड़ी का वहां तक पहुंचना संभव नहीं था, इसलिए प्रशासन द्वारा वहां तक रास्ता बनाने के लिए गलियों को चौड़ा करने का निर्णय लिया गया। शास्त्री जी को यह पता चला तो उन्होंने तुरंत संदेश भेजा कि गली को चौड़ा करने के लिए कोई भी मकान तोड़ा न जाए, मैं पैदल ही घर जाऊंगा।

> शास्त्री जी के बाद कई प्रधानमंत्रियों ने देश की बागडोर संभाली, लेकिन उनके जितना सादगी वाला कोई भी दूसरा प्रधानमंत्री देखने को नहीं मिला। सही मायनों में शास्त्री जी को उनकी सादगी, कुशल नेतृत्व और जनकल्याणकारी विचारों के लिए ही सदैव स्मरण किया जाता रहेगा।

रेलमंत्री रहते हुए शास्त्री जी एक बार रेल के ए.सी. कोच में सफर कर रहे थे। उस दौरान वे यात्रियों की समस्या जानने के लिए जनरल बोगी में चले गए। वहां उन्होंने अनुभव किया कि यात्रियों को कितनी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इससे वे काफी नाराज हुए और उन्होंने जनरल डिब्बे के यात्रियों को भी सुविधाएं देने का निर्णय लिया। रेल के जनरल डिब्बों में पहली बार पंखा लगवाते हुए रेलों में यात्रियों को खानपान की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पैंट्री की सुविधा भी उन्होंने शुरू करवाई। 2 अक्तूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में जन्मे भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की आज हम पुण्यतिथि मना रहे है। पाकिस्तान यात्रा के दौरान 11 जनवरी 1966 की रात मौत हो गई थी। शास्त्री जी के बाद कई प्रधानमंत्रियों ने देश की बागडोर संभाली, लेकिन उनके जितना सादगी वाला कोई भी दूसरा प्रधानमंत्री देखने को नहीं मिला। सही मायनों में शास्त्री जी को उनकी सादगी, कुशल नेतृत्व और जनकल्याणकारी विचारों के लिए ही स्मरण किया जाता है और सदैव किया भी जाता रहेगा। उनके पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लेना ही सच्चे अर्थों में उन्हें हमारी श्रद्धांजलि होगी।

प्रशिक्षण बनाम शिक्षण संतुलन की तलाश

प्रशिक्षण के मूल विचार से किसी भी शिक्षक को आपत्ति नहीं हो सकती। दक्षता, आत्मविश्वास और समर्थता के बीच का संबंध जितना स्वाभाविक है, उतना ही आवश्यक भी। समस्या प्रशिक्षण की अवधारणा में नहीं, उसके अंधाधुंध और अविवेकी प्रयोग में है। जब प्रशिक्षण साधन से अधिक लक्ष्य बन जाए, जब सीखने की जगह उपस्थिति, प्रमाणपत्र और फोटो अपलोड करना प्रमुख उद्देश्य बन जाए, तब वही प्रशिक्षण शिक्षण को सशक्त करने के बजाय उसे बोझिल और तनावकारी बना देता है। सबसे पहले सवाल समय का है। प्रशिक्षण कब हों? शैक्षणिक सत्र के बीच, परीक्षा के दौरान या अवकाश में या फिर बजट खर्च माह मार्च के अंत में? आज प्रशिक्षण ऐसे समय थोप दिए जाते हैं, जब शिक्षक कक्षा, मूल्यांकन और बच्चों की जरूरतों से जूझ रहा होता है। ऐसे में प्रशिक्षण सीखने की प्रक्रिया नहीं, व्यवधान बन जाता है। दूसरा सवाल मात्रा का है-कितना प्रशिक्षण आवश्यक है और कितना केवल आंकड़ों की पूर्ति? अनगिनत डोज में दिए गए प्रशिक्षण ज्ञान नहीं बढ़ाते, बल्कि मानसिक थकान और ऊब पैदा करते हैं।

प्रवीण त्रिवेदी
शिक्षक

ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रशिक्षण का संतुलन भी गंभीर विचार मांगता है। ऑनलाइन प्रशिक्षण सुविधा है, समाधान नहीं। हर शिक्षक की डिजिटल क्षमता, नेटवर्क उपलब्धता और घरेलू परिस्थिति समान नहीं होती। वहीं ऑफलाइन प्रशिक्षण यदि संवाद, अभ्यास और अनुभव-साझा करने की जगह केवल औपचारिकता बन जाए, तो उसका लाभ भी सीमित रह जाता है। प्रशिक्षण का माध्यम नहीं, उसका उद्देश्य और गुणवत्ता निर्णायक होनी चाहिए।

विषयवार प्रशिक्षण की स्थिति तो और भी विडंबनापूर्ण है। कुछ शिक्षकों को चुनिंदा विषयों में बार-बार प्रशिक्षित किया जाता है, जबकि कई स्कूलों में एक या दो शिक्षक ही सभी विषयों के प्रशिक्षण का भार उठाने को मजबूर होते हैं। यह न तो न्यायसंगत है और न ही शैक्षणिक रूप से तर्कसंगत। प्रशिक्षण विशेषज्ञता बढ़ाने के लिए होना चाहिए, न कि बहु-कार्यात्मक दबाव पैदा करने के लिए। सबसे चिंताजनक यह है कि आज शिक्षकों को पढ़ाई से इतर हर विषय का प्रशिक्षु बना दिया गया है। स्वास्थ्य, सड़क सुरक्षा, भवन निर्माण, स्वच्छता, आपदा प्रबंधन, ऐप संचालन और न जाने क्या-क्या। यह मान लिया गया है कि शिक्षक सब कुछ सीख लेगा, सब कुछ सिखा देगा और हर व्यवस्था की कमी को ढक लेगा। यह सोच शिक्षक को सर्वगुणसंपन्न नहीं, सर्वाधिक शोषित बनाती है।

प्रशिक्षण तभी उपयोगी होगा जब वह जरूरत आधारित, सीमित, विषय-विशेष और शिक्षक-केंद्रित होगा। जब वह कक्षा की वास्तविक चुनौतियों से जुड़ेगा, न कि फाइलों, जागरूकताओं और पोर्टलों से। सहमति प्रशिक्षण पर है, लेकिन अराजक प्रशिक्षण पर नहीं। यदि आज का प्रशिक्षण इन सवालों से पार नहीं पा सका, तो वह दक्षता नहीं, केवल थकान और असंतोष ही पैदा करेगा और यह किसी भी शिक्षा व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है।

पनपती माफीनामा संस्कृति

भारतीय लोकतंत्र में एक नया सांस्कृतिक प्रतिमान उभरा है- 'माफीनामा संस्कृति'। जहां सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोग पहले विवादास्पद, आक्रामक या अपमानजनक बयान देते हैं, फिर सोशल मीडिया पर हंगामा मचने या कानूनी कार्रवाई के डर से एक औपचारिक माफी जारी कर देते हैं। यह चक्र इतनी तेजी से दोहराया जा रहा है कि 'बोलो-माफी मांगो-भूल जाओ' एक स्वीकार्य सामाजिक व्यवहार बन गया है। राजनेताओं से लेकर अभिनेताओं, खिलाड़ियों से लेकर धार्मिक नेताओं तक सभी इस माफी संस्कृति के भागीदार हैं।

> माफी मांगने में कोई बुराई नहीं है। यदि वह ईमानदारी और पश्चाताप के साथ हो, लेकिन जब यह एक रणनीति बन जाए, तो यह लोकतंत्र और सामाजिक सद्भाव के लिए खतरा है। शब्दों की शक्ति को पहचानना और उनका जिम्मेदारी से उपयोग करना प्रत्येक सार्वजनिक व्यक्ति का कर्तव्य है।

समस्या यह नहीं है कि लोग गलतियां करते हैं, बल्कि यह है कि माफी एक रणनीति बन गई है, न कि वास्तविक पश्चाताप का प्रतीक। सार्वजनिक मंचों से दिए गए बयान जो किसी व्यक्ति, समुदाय, जाति या लिंग को निशाना बनाते हैं, उन्हें एक सोशल मीडिया पोस्ट या प्रेस विज्ञप्ति से खारिज नहीं किया जा सकता। जब कोई प्रभावशाली व्यक्ति अपमानजनक टिप्पणी करता है, तो उसका प्रभाव तात्कालिक और व्यापक होता है। उनके शब्द लाखों लोगों तक पहुंचते हैं, सोशल मीडिया पर वायरल होते हैं और समाज में नफरत या पूर्वाग्रह को बढ़ावा देते हैं, लेकिन माफी की पहुंच अक्सर उतनी व्यापक नहीं होती। यह असंतुलन ही इस संस्कृति की सबसे बड़ी विडंबना है।

जयदेव राठी भराण
स्वतंत्र लेखक

भारतीय संस्कृति में 'मान-मर्यादा' का गहरा महत्व रहा है। सार्वजनिक जीवन में संयम, शिष्टाचार और दूसरों के सम्मान को महत्व दिया जाता था, लेकिन आज की राजनीतिक और सामाजिक संस्कृति में इन मूल्यों का तेजी से ह्रास हो रहा है। टीआरपी, लाइक्स, शेयर्स और वायरल होने की होड़ में गरिमापूर्ण भाषा का स्थान अपशब्दों, व्यक्तिगत हमलों और भड़काऊ बयानों ने ले लिया है। महिलाओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां, धार्मिक समुदायों को अपमानित करने वाले बयान, जातिगत श्रेष्ठता का प्रदर्शन- ये सब सामान्य हो गए हैं और जब विरोध होता है, तो एक संक्षिप्त माफी से मामला निपटा लिया जाता है। प्रभावित व्यक्ति या समुदाय के मनोवैज्ञानिक और सामाजिक आघात की कोई चिंता नहीं की जाती।

यह प्रवृत्ति केवल राजनीति तक सीमित नहीं है। बॉलीवुड हस्तियां, क्रिकेटर, उद्योगपति और यहां तक कि सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी इसी पैटर्न का अनुसरण करते हैं। सत्ता में बैठे या प्रभावशाली लोगों के खिलाफ कार्रवाई दुर्लभ है, जबकि कमजोर आवाजों को आसानी से दबा दिया जाता है। माफी मांगने से कानूनी मामले कमजोर पड़ जाते हैं और अदालतें अक्सर इसे सद्भावना का संकेत मानकर नरमी बरतती हैं। यह एक खतरनाक उदाहरण स्थापित करता है, जहां जवाबदेही केवल प्रतीकात्मक रह जाती है। कानून की इस कमजोरी का लाभ उठाते हुए कई लोग जानबूझकर विवादास्पद बयान देते हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि अंततः एक माफी से बच निकलेंगे।

मीडिया, विशेष रूप से न्यूज चैनल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, इस संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। विवादास्पद बयानों को सनसनीखेज तरीके से प्रसारित किया जाता है, लेकिन माफी को उतना महत्व नहीं दिया जाता। टीआरपी के लिए बहसें आयोजित की जाती हैं, जहां चिल्लाना और व्यक्तिगत हमले सामान्य हो गए हैं। सोशल मीडिया ने तो इस प्रवृत्ति को और तीव्र कर दिया है। यहां कोई संपादकीय निगरानी नहीं है और कोई भी कुछ भी बोल सकता है। 'ट्रोलिंग' को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का नाम दिया जा रहा है। एल्गोरिदम ऐसी सामग्री को बढ़ावा देते हैं, जो भावनात्मक प्रतिक्रिया उत्पन्न करे, चाहे वह सकारात्मक हो या नकारात्मक।

माफी मांगने में कोई बुराई नहीं है। यदि वह ईमानदारी और पश्चाताप के साथ हो, लेकिन जब यह एक रणनीति बन जाए, तो यह लोकतंत्र और सामाजिक सद्भाव के लिए खतरा है। शब्दों की शक्ति को पहचानना और उनका जिम्मेदारी से उपयोग करना प्रत्येक सार्वजनिक व्यक्ति का कर्तव्य है। समाज को यह तय करना होगा कि क्या हम एक ऐसी संस्कृति चाहते हैं, जहां गरिमा और सम्मान के मूल्य हों या एक ऐसी जहां 'बोलो और भूल जाओ' का सिद्धांत चले। विकल्प हमारे हाथ में है और समय अब भी है कि हम सही दिशा में कदम बढ़ाएं।

बुरी आदतों से कमजोर होता है आत्मबल

जिन लोगों के मन में धर्म के प्रति आदर, आस्था, विश्वास है, उनके मन में ऐसी भी भावनाएं स्वाभाविक रूप से होती ही हैं कि वे जिस तरह की कामना करें वह तत्काल पूरा हो जाए। धर्मग्रंथों के मंत्र, श्लोक तथा भजन-कीर्तन आदि में आकांक्षाओं की पूर्ति के भाव भी जाहिर तो होते ही हैं। श्रीदुर्गासप्तशती के श्लोक 'यं यं चिंत्यते कामं तं तं प्राप्नोति निश्चितं' का उदाहरण लें, तो इस श्लोक का निहितार्थ तो यही है, 'जिस तरह की कामनाओं का चिंतन किया जाता है, वह निश्चित रूप से प्राप्त होता है।' इस तरह की आकांक्षाओं का उल्लेख लगभग हर देवी-देवता की आराधना में लिखे गए श्लोक, मंत्र एवं भजन-कीर्तन आदि में किया गया है। भगवान की आराधना करते-करते मन की कामनाएं देवी कृपा चाहने लगती हैं और ढेरों मनोरथ देवता से वरदान चाहने लगता है। हर कामना या मनोरथ पर इच्छा यही होती है कि भगवान प्रकट होकर तत्काल 'एवमस्तु' या 'तथास्तु' बोल दें।

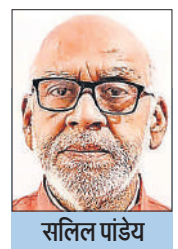

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

इस तरह की आकांक्षा के सुखद और दुःखद दोनों प्रकार के परिणामों का अंदेशा रहता है। पूजा-पाठ के दौरान मन में उपजने वाली कामनाएं पूरी होती दिखती हैं, तो एहसास होता है कि भगवान प्रार्थना सुन रहे हैं और परिणाम अनुकूल आ रहा है, जबकि मनोवांछित कामनाएं पूरी नहीं होती हैं तब दुःख होता है। कभी-कभी तो निराशा और दुःख इतना अधिक होता है कि भगवान के अस्तित्व पर ही शंका होने लगती है।

वस्तुतः धार्मिक कार्यक्रमों के जरिए सांसारिक कामनाओं की जगह मन को सशक्त बनाने का उद्देश्य बना लिया जाए, तो कभी भी पूजा-पाठ से निराशा नहीं होगी। वास्तव में मन भी कंप्यूटर के सॉफ्टवेयर जैसा है। इसमें अलग-अलग तरह की सोच के ऐप होते हैं, लेकिन धर्मग्रंथों में मूलतः 6 ऐप निर्धारित किए गए है। श्रीमद्भगवतगीता सहित गोस्वामी तुलसीदास के रामचरितमानस में भी 'लाभ-हानि, जीवन-मरण, यश-अपयश विधि हाथ' का जो फार्मूला बताया गया है, वह पूर्णतया सही फार्मूला है। यहां 'विधि- हाथ' का प्रयोग जिस प्रकार किया गया है, उसका एक अर्थ तो भगवान के लिए निकलता तो है, लेकिन एक दूसरा अर्थ यह भी निकलता है कि विधिक ढंग से जब जीवन जीने की आदत डाली जाती है, तो लाभ, उल्लासपूर्ण जीवन तथा यश मिलता है, जबकि विधिक जीवन में कहीं से ढिलाई होती है, तो हानि और अपयश मिलता ही है, साथ ही घुटन भरी जिंदगी हो जाती है, जो मर्मांतक पीड़ा देती है।

श्रीमद्भगवतगीता, रामचरितमानस ही नहीं, बल्कि अनेकानेक ग्रंथों में स्पष्ट उल्लेख है कि जैसा कर्म किया जाता है, उसी के अनुसार फल मिलता है। लोक-मुहावरों में इसे 'बोया पेड़ बबूल का, आम कहां से होय' के उद्धरण के रूप में प्रयोग किया जाता है। ऐसी स्थिति में हमेशा प्रयत्न यही करना चाहिए कि जीवन विधिक ढंग से ही व्यतीत हो। अवांछित सुख, धन, अन्य कोई भी वस्तु एवं उपलब्धि सहजता से भी मिले तो उससे परहेज करना इसलिए उत्तम होता है, क्योंकि इससे सहज सुख तथा उमंग जो मिलता है, वह धीरे-धीरे आदतों में समाहित होने लगता है। फिर जब कभी अवांछित प्राप्ति नहीं होती मन परेशान होने लगता है। अवांछित सुख और उपलब्धियों से आदतें खराब होती हैं। बुरी आदतों के चलते आत्मबल कमजोर होता है तथा साधारण से साधारण काम दुरूह लगता है। लंबी अवधि तक के यश और उपलब्धियों के लिए मन के ऐप को बुरे विचारों के वायरस से मुक्त रखना प्रथम जरूरत है ।

कबूतरों के कान में छिपा है दिशा-बोध का रहस्य

सदियों से वैज्ञानिकों के लिए यह पहेली रही है कि प्रवासी पक्षी, संदेशवाहक कबूतर और समुद्री कछुए बिना किसी आधुनिक तकनीक के हजारों किलोमीटर लंबी यात्रा कैसे तय कर लेते हैं। घने बादल हों, पहाड़ हों या अथाह समुद्र, इन जीवों का दिशा-बोध कभी डगमगाता नहीं। अब एक नई शोध ने इस अद्भुत क्षमता का रहस्य से परदा हटाते हुए बताया है कि पक्षियों का 'प्राकृतिक जीपीएस' उनकी आंखों या चोंच में नहीं, बल्कि भीतरी कान की गहराई में छिपा है। स्वीडन के लुंड विश्वविद्यालय में एरिक वॉरेंट और उनकी टीम ने कबूतरों के कान की सूक्ष्म कोशिकाओं का अत्याधुनिक तकनीकों से अध्ययन किया। निष्कर्षों से पता चला कि चुंबकीय क्षेत्र का अनुभव सीधे उसी वेस्टिबुलर प्रणाली से जुड़ा है, जो संतुलन और स्थिति-बोध जैसी मूलभूत क्षमताओं को नियंत्रित करती है।

डॉ. कैलाश चन्द सैनी
जयपुर

वैज्ञानिकों को पहली बार स्पष्ट संकेत मिले कि पृथ्वी के भू-चुंबकीय क्षेत्र से मिलने वाली सूचनाएं किस मार्ग से मस्तिष्क तक पहुंचती हैं। दशकों से वैज्ञानिकों द्वारा यह माना जाता रहा कि दिशा-बोध की कुंजी या तो रेटिना में मौजूद क्रिप्टोक्रोम अणुओं में हो सकती है या उनकी चोंच में छिपे लोहे के कणों में। परंतु यह रहस्य तो बना ही रहा है कि चुंबकीय संकेत मस्तिष्क तक पहुंचते कैसे हैं। वर्ष 2011 में जर्मनी के न्यूरोवैज्ञानिक डेविड केन ने एक अनोखा प्रयोग किया। उन्होंने कबूतर के वातावरण में रखा, जहां पृथ्वी से अधिक शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र को उनके चारों ओर घुमाकर यह भ्रम पैदा किया गया कि पक्षी का सिर घूम रहा है। बाद में कबूतरों के मस्तिष्क को पारदर्शी बनाकर की गई जांच में वही तंत्रिका क्षेत्र सक्रिय दिखाई दिए, जो सामान्यतः वेस्टिबुलर संकेतों को ग्रहण करते हैं। इस प्रयोग ने यह पुष्टि कर दी कि दिशा-सूचना का वास्तविक केंद्र भीतरी कान है। अब शोधकर्ता इस मूल प्रश्न की ओर बढ़ रहे हैं कि कान चुंबकीय क्षेत्र का अनुभव करता कैसे है? 140 वर्ष पहले फ्रांसीसी वैज्ञानिक कैमेल विगरुए ने यह विचार दिया था कि शरीर के चालक पदार्थ चुंबकीय क्षेत्र के संपर्क में अत्यंत सूक्ष्म विद्युत धाराएं उत्पन्न कर सकते हैं। आधुनिक शोध में यह अवधारणा फिर प्रबल हो रही है। समुद्री जीवों, विशेष रूप से शार्क और स्केट मछलियों में ऐसे प्रोटीनों की पहचान की गई है, जो अत्यंत कमजोर विद्युत संकेतों को भी पहचान लेते हैं।

वैज्ञानिकों का अनुमान है कि पक्षियों में भी इसी प्रकार का कोई जैविक तंत्र मौजूद हो सकता है, जो चुंबकीय प्रभाव को तंत्रिका संकेतों में बदल देता है और दिशा-बोध की नींव तैयार करता है। नई खोजों ने दिशा-बोध की रहस्यमय प्रक्रिया की परतों को खोलना शुरू कर दिया है। अब यह लगभग निश्चित है कि प्रवासी पक्षियों का 'नेविगेशन सिस्टम' उनके भीतरी कान में स्थित सूक्ष्म संरचनाओं द्वारा संचालित होता है। एक ऐसी प्रणाली, जिसमें चुंबकीय क्षेत्र, विद्युत संकेत और तंत्रिका मार्ग अत्यंत सूक्ष्म तालमेल से कार्य करते हैं। मनुष्य ने भले ही उपग्रहों की सहायता से जीपीएस जैसी उन्नत तकनीक विकसित कर ली हो, पर प्रकृति ने यह तकनीक पक्षियों को प्राकृतिक रूप से दे रखी है, जो इतनी सूक्ष्म, सटीक और विलक्षण है कि आधुनिक विज्ञान उसे आज भी समझने की कोशिश ही कर रहा है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

न्यूज ब्रीफ

डीएनएस त्यागी बने प्रदेश मंत्री

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : अखिल भारतीय संयुक्त ब्राह्मण समन्वय समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेंद्रनाथ चतुर्वेदी ने श्री राम सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डीएनएस त्यागी को प्रदेश मंत्री पद का मनोनयन पत्र सौंपकर नई जिम्मेदारी सौंपी। नवनियुक्त प्रदेश मंत्री के स्वागत में बड़ी संख्या में युवा मस्ताना आश्रम, थाना असंद्रा पहुंचे। युवाओं ने बाबा मस्तान की भस्मी तिलक लगाकर सम्मान किया और मिठाइयां बांटीं। इस मौके पर आशीष शुक्ला, रमेश कुमार मिश्र, फूलचंद आचार्य, शिवम गोस्वामी, दीपू शुक्ला, राजू ओझा, प्रेम नारायण, राजू रावत, अमित गुप्ता उपस्थित रहे।

आग से गुमटी राख हजारों का नुकसान

सूरतगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : मोहम्मदपुर खाला थाना के मौसंडी गांव निवासी मंशाराम अब्दुलापुर गांव के पास लकड़ी की गुमटी रखकर साइकिल और बाइक के पंचर बनाने का काम करता है। शुक्रवार की रात गुमटी में आग लग गई। आग से गुमटी में रखे करीब 25 हजार रुपये के नए टायर-ट्यूब जल गए। सूचना पर पहुंचे सूरतगंज चौकी प्रभारी उमेश कुमार वर्मा ने जांच पड़ताल की लेकिन आग लगने का कारण पता नहीं चल सका है।

श्रीमद्भागवत कथा का समापन

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : पूरे चुरई मजरे कोटवा सड़क में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का समापन भक्तिभाव से हुआ। कथा के अंतिम दिन कथा व्यास अजय निराला शास्त्री ने श्रीकृष्ण लीला एवं भागवत महात्म्य का भावपूर्ण वर्णन किया। समापन अवसर पर विधि-विधान के साथ हवन पूजन भी संपन्न कराया गया। कथा के समापन पर भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख चंद्रशेखर वर्मा, ग्राम प्रधान सुधाकर मिश्रा, एडवोकेट अमित कुमार वर्मा, अनील वर्मा, वीरेंद्र कुमार, कमला प्रसाद, देशराज आशीष वर्मा, अंशु वर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

पंचवटी यात्रा का प्रसंग सुन भक्त भावविभोर

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : बाबा राम शरण दास भगवत दास कुटी हनुमान मंदिर पर चल रहे विराट रूद्र महायज्ञ के छठे दिन प्रयागराज लहुरी (काशी) से पधारे यज्ञ सम्राट स्वामी प्रमोदानन्द ने भक्तों को सत्संग सुनाया। उन्होंने बताया कि पंचवटी यात्रा का कारण और प्रेरणा अगस्त्य मुनि के शिष्य ऋषि सुतीक्ष्ण द्वारा भगवान राम को अगस्त्य मुनि के आश्रम में दर्शन देने के बाद मिली। पंचवटी श्रापित होने के कारण भगवान राम ने उसे उद्धार करने हेतु वहां यात्रा की। इस मौके पर पुजारी रामलाल दास व श्रद्धालु मौजूद रहे।

अपहर्ताओं को चकमा दे भागा किशोर

पीड़ित से घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने एक आरोपी को दबोचा

साहस

हैदरगढ़, बाराबंकी

अपहरणकर्ताओं के चंगुल से बचकर आया किशोर परिजनों के साथ। ● अमृत विचार

अमृत विचार : अपहरण कर हाईवे स्थित टोल प्लाजा के निकट एक कमरे में बंधक बनाया गया किशोर अपहर्ताओं को चकमा देकर भाग निकला और लोगों को पूरी बात बताई। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने एक आरोपी को दबोचकर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

घटना अमेठी के थाना शिवरतनगंज क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बैसन पुरवा की है। यहां रहने वाले रामजस पांडेय के घर दिल्ली में काम करने वाले एक व्यक्ति के घर दो अज्ञात लोग पहुंचे और एसआईआर फॉर्म अधूरा होने की बात कही। दोनों ने पहले घर की बच्ची को फॉर्म सही कराने के बहाने चलने को कहा, लेकिन उसके मना करने पर परिवार के कहने पर नाबालिग कार्तिक पांडे उनके साथ चला गया। आरोपी उसे गांव के बारात घर ले गए और फिर फॉर्म हैदरगढ़ में मिलने की बात कहकर अपनी गाड़ी से हैदरगढ़ ले आए। आरोप है कि हैदरगढ़ के आगे बारा टोल प्लाजा के पास एक कमरे में किशोर को बंद कर दिया। कुछ देर बाद एक आरोपी वहां से चला गया, जबकि दूसरा किशोर को बंधक बनाकर बैठा रहा। मौका पाकर कार्तिक छत पर पेशाब के बहाने गया और दीवार फांदकर नीचे उतर आया। उसने पास के दुकानदारों को आपबीती बताई और घर पर फोन से सूचना दी। ग्रामीण मौके पर पहुंचे और एक अपहर्ता को पकड़ लिया। पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम नुरैन निवासी फरीदगढ़ मजरा आजादपुर इन्हौना अमेठी बताया। आरोपी ने बताया कि बालक का अपहरण उसके पड़ोसी शिवम शुक्ला के कहने पर किया गया था। पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को कोतवाली ले आई। बालक के भाई राकेश ने पुलिस को तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक अभिमन्यु मल्ल ने बताया कि पकड़े गए आरोपी से पूछताछ की जा रही है। संबंधित पुलिस को भी जानकारी दी गई है।

विवाहिता की मौत दहेज हत्या का आरोप

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : कलह के चलते मेंथा आयल पीने वाली महिला की निजी अस्पताल में मौत हो गई। मायके पक्ष ने दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। लोनीकटरा के ग्राम छंदरौली की लक्ष्मी (22) पत्नी सरोज कुमार ने बुधवार शाम मेंथा आयल पी लिया। हालत गम्भीर होने पर परिजनों ने उसे इलाज के लिए लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान शुक्रवार रात उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे लखनऊ थाना नगराम के भजाखेड़ा निवासी मृतका के पिता इन्द्रपाल ने पति सहित ससुराल वालों पर दहेज के लिए पीट कर हत्या का आरोप लगाया। इसकी शिकायत मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

प्रधान पति की कोठी अवैध घोषित, 3.60 लाख का जुर्माना

देवा, बाराबंकी

कार्रवाई

- **बंजर भूमि पर कराया गया था निर्माण कार्य**

अमृत विचार : ग्राम पल्टा में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे के मामले में राजस्व न्यायालय ने सख्त फैसला सुनाया है। तहसीलदार नवाबगंज भूपेंद्र विक्रम सिंह की अदालत ने महिला ग्राम प्रधान अनामिका सिंह के पति राजीव कुमार सिंह द्वारा बंजर भूमि पर बनाई गई आलीशान कोठी को अवैध घोषित करते हुए बेदखली और 3 लाख 60 हजार रुपये क्षतिपूर्ति जमा कराने का आदेश दिया है।

ग्राम सभा पल्टा की 1.2650 हेक्टेयर, राजस्व अभिलेखों में बंजर (सरकारी) भूमि के रूप में दर्ज है। इसी भूमि के एक बड़े हिस्से पर बिना किसी वैधानिक अनुमति के पक्का भवन व चहारदीवारी का निर्माण कराया गया था। वर्ष 2021 में शिकायत दर्ज होने के बाद मामला करीब चार वर्षों तक तहसीलदार न्यायालय में विचाराधीन रहा। आदेश में न्यायालय ने 15 दिनों के भीतर लेखपाल व राजस्व निरीक्षक को बेदखली की कार्रवाई पूरी कर जुर्माने की वसूली सुनिश्चित करने तथा संपूर्ण पत्रावली अभिलेख कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

अधीक्षक से तंग आ एएनएम ने दी आत्महत्या की धमकी

अयोध्या, अमृत विचार : जिले के हैरिंग्टनगंज सीएचसी के अंतर्गत आने वाले स्वास्थ्य उपकेंद्र खड़भड़िया में कार्यरत महिला एएनएम शीला ने अपने अधीक्षक द्वारा लगातार मानसिक उत्पीड़न और प्रताड़ना के कारण गंभीर मानसिक परेशानी का सामना करते हुए आत्महत्या की चेतावनी दी है। एएनएम शीला ने अपने शिकायती पत्र में सीएमओ को बताया है कि अधीक्षक डॉ. रविंद्र कुमार शुक्ल उनके प्रति उचित आचरण नहीं रखते। वह उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हैं और कभी भी उनके साथ कोई अनुचित घटना घटित कर सकते हैं। बिना किसी पूर्व सूचना के उनकी ड्यूटी अचानक कहीं भी लगा दी जाती है और मनमाने ढंग से ट्रांसफर कर दिया जाता है। लगातार कार्रवाइयों से वह मानसिक रूप से टूट चुकी हैं कि अब आत्महत्या करने के लिए विवश महसूस कर रही हैं। पीड़िता ने स्पष्ट रूप से आरोप लगाया है कि यदि उनके साथ कोई दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी तो इसके लिए पूरी तरह अधीक्षक डॉ.रविंद्र कुमार शुक्ल जिम्मेदार होंगे। सीएमओ डॉ. सुशील कुमार बानियान ने बताया कि अभी मुझे शिकायती पत्र नहीं मिला है। शिकायत मिलते ही जांच कराई जाएगी। जो भी दोषी होगा उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

हिंदू समाज से एकजुट होने का आह्वान

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : ग्राम पंचायत प्रतापगंज मण्डल में समाजसेवी शांति स्वरूप आर्य की अध्यक्षता में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शिवमंदिर पर सुंदरकांड पाठ से हुई। सम्मेलन में सेवानिवृत्त शिक्षक अजय सिंह गुरुजी ने हिंदू समाज से एकजुट रहने की अपील की। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संपर्क प्रमुख आशुतोष सिंह ने संघ की स्थापना और युवाओं को संगठित करने के महत्व पर चर्चा की। अध्यक्ष शांति स्वरूप आर्य ने उपस्थित जनमानस का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन सर्वेश मौर्य ने किया।

तय समय पर होंगे पंचायत चुनाव: राजभर

जिला संवाददाता, सुलतानपुर

पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में प्रेसवार्ता करते प्रभारी मंत्री ओपी राजभर।

अमृत विचार : जिले के प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने शनिवार को सिविल लाइन स्थित डाक बंगला में विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन योजना पर कहा कि जी राम जी कानून 2025 पारदर्शी प्रक्रिया के जरिए ग्रामीण इन्फ्रास्ट्रक्चर और अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा। उन्होंने इसे विकसित भारत की आधारशिला बताया और विपक्ष विशेष रूप से कांग्रेस पर पुराने भ्रष्टाचार व विफल योजनाओं का समर्थन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव तय समय पर कराये जाएंगे।

उन्होंने जी राम जी योजना की खूबियां गिनाते हुए कहा यह कानून 100 दिनों से 125 दिन किया गया है। उन्होंने कहा यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था में क्रांति लाएगी। पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने एसआईआर पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि अखिलेश यादव को पता है कि हमें अब सत्ता तो मिलनी नहीं है। चाचा और पिताजी की कमाई और मेहनत पर मुख्यमंत्री बन गए। उन्होंने कहा 86 लाख मतदाता पूरे प्रदेश में मृतक पाए गए हैं। उनको स्वर्ग से लाने का काम अखिलेश यादव ही कर सकते हैं। कोडीन मामले में अखिलेश यादव द्वारा धनंजय सिंह को टारगेट करने पर कैबिनेट मंत्री ने कहा वह किसी एक व्यक्ति के खिलाफ नहीं, बल्कि एक जाति के खिलाफ आंदोलन करते हैं। कभी ब्राह्मणों के खिलाफ खड़े हो जाते हैं। कोडीन पर उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियां काम कर रही है, जो भी दोषी पाया जाएगा उस पर कार्रवाई होगी। पूर्व सपा सरकार की तरह यहां छुट्टा अपराधी नहीं घूमते। उन्होंने पंचायत चुनाव को लेकर कहा कि चुनाव तय समय पर कराएं जाएंगे। वहीं ओवैसी के बयान कि एक दिन प्रधानमंत्री की कुर्सी पर हिजाब वाली बैठेगी, इस पर प्रभारी मंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि काहे सऊ मन तेल हुई तो काहे राधा गौने जइहैं। भाजपा मीडिया प्रमुख विजय रघुवंशी ने बताया कि इस दौरान प्रभारी मंत्री ने विधायक व जनप्रतिनिधियों के साथ अलग से बैठक की। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह, विधायक सीताराम वर्मा, विनोद सिंह, राज प्रसाद उपाध्याय आदि थे।

47 शिकायतों का किया गया निस्तारण

बाराबंकी, अमृत विचार : शनिवार को जिले भर के थानों में थाना समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इस दौरान कुल 47 शिकायतों का निस्तारण मौके पर किया गया। डीएम व एसपी ने सफदरगंज थाना पहुंचकर आमजन की बात सुनी, वहीं पहले हुए निस्तारण की समीक्षा भी की। डीएम शशांक त्रिपाठी एवं एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने थाना सफदरगंज पहुंचकर आमजन की समस्याएं सुनीं। डीएम ने राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों को निर्देशित किया कि लंबित एवं प्रमुख भूमि विवादों को चिन्हित करते हुए आपसी समन्वय के साथ मौके पर जाकर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें।

सड़क हादसों में छात्र की मौत, आठ घायल

बड़ूपुर, हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : शनिवार को अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए सड़क हादसों में बीएससी के एक छात्र की मौत हो गई, जबकि आठ लोग घायल हो गए।

पहली घटना बड़ूपुर क्षेत्र की है। लखनऊ-महमूदाबाद मार्ग पर पैगंबरपुर के सामने डंपर ने बाइक सवार दो छात्रों को टक्कर मार दी। दोनों छात्र बीएससी की परीक्षा देने जा रहे थे। हादसे में सीतापुर के तेजनी निवासी शोभित (20) पुत्र शैलेंद्र कुमार की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि उसका साथी आसिफ गंभीर रूप से घायल हो गया। दूसरी घटना कोतवाली हैदरगढ़ अंतर्गत लखनऊ-सुल्तानपुर हाईवे पर नवीन मंडी स्थल के पास हुई। यहां ई-रिक्शा और बाइक की टक्कर में तीन लोग घायल हो गए। घायलों में कल्लू (48) तथा बाइक सवार सगे भाई संदीप (21) और विजयी (25) शामिल हैं। तीसरी घटना कोठी क्षेत्र में पहला गांव के पास हुई। तेज रफ्तार बाइक मोड़ पर असंतुलित होकर खंती में गिर गई, जिससे बाइक सवार सर्वेश (21) गंभीर रूप से घायल हो गया। इस दौरान जगजीवन (60) को भी हल्की चोटें आईं। बड़ूपुर थाना क्षेत्र के कुतरीकला गांव के पास स्कूटी सवार बहनों को बाइक ने टक्कर मार दी। घायलों में रीना (16) और सोनी (20) घायल हो गईं। बाइक सवार इमरान भी घायल हो गया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत की तैयारी पूरी

बाराबंकी, अमृत विचार : भाजपा के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी 12 जनवरी को जनपद से होकर अयोध्या जाएंगे। जिले में उनके प्रथम आगमन को ऐतिहासिक बनाने के लिए भाजपा ने कमर कस ली है। प्रदेश अध्यक्ष की यात्रा के लिए प्रवासी बनाए गए राजकिशोर मौर्य एवं जिला प्रभारी अवनीश सिंह पटेल ने शनिवार को तैयारियों की समीक्षा की। लखनऊ - अयोध्या हाइवे पर किसान पथ से लेकर भिटरिया बाई पास तक कुल 11 स्थानों पर प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया जाना है। समीक्षा बैठक में जिला प्रभारी ने सभी कार्यक्रम स्थलों पर वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी।सफेदाबाद से लेकर चौकुला तक के स्वागत स्थलों का मौका मुआयना भी किया।

मतदाता सूची में अपात्र का न रहे नाम

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अधिकारियों के साथ बैठक करते जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित लोक सभागार में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान-2026 के अंतर्गत निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, सहायक एवं अतिरिक्त सहायक अधिकारियों का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

प्रशिक्षण के दौरान अनमैप मतदाताओं को नोटिस जारी करने और उनके निस्तारण की प्रक्रिया पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में लगभग 4.40 प्रतिशत यानी करीब 86,144 ऐसे मतदाता हैं, जो वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मैप नहीं हो पाए हैं। इन्हें संबंधित बीएलओ के माध्यम से नोटिस तामील कराकर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मानक कार्यविधि के अनुसार निस्तारित किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य पूरी गंभीरता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ संपन्न किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कोई पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो। साथ ही फील्ड स्तर पर प्रभावी कार्रवाई, शिकायतों का त्वरित निस्तारण और पुनरीक्षण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

दो बाइकों की टक्कर में युवक की मौत

गैसड़ी, बलरामपुर, अमृत विचार : थाना गैसड़ी क्षेत्र के मझौली मोड़ पर शुक्रवार देर शाम हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। दो बाइकों की आमने-सामने हुई भिड़ंत में 35 वर्षीय ज्ञान प्रकाश मिश्रा उर्फ गुड्डू मिश्रा की इलाज के दौरान मौत हो गई। ज्ञान प्रकाश मिश्रा ग्राम परसा पलईडीह के निवासी थे और शुक्रवार शाम गैसड़ी बाजार से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान मझौली मोड़ के पास सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए।

घर-घर जाकर फॉर्म - 6 वितरित करते भाजपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

भाजपा कार्यकर्ताओं ने घर-घर बांटे फार्म-6

लखनऊ, अमृत विचार : वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. नीरज सिंह के मार्गदर्शन में भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी के नेतृत्व में लखनऊ महानगर मध्य विधानसभा बूथ संख्या 12,13,14, तकिया चंद अलीशा ऐशबाग में मतदाता जोड़ो अभियान को लेकर फॉर्म -6 भाजपा नेता रवि प्रकाश जायसवाल द्वारा वितरित किये गये नवजवानो ने बड़े उत्साह से फॉर्म लिये। इस दौरान मुख्य रूप से उपस्थित आशीष सैनी बूथ अध्यक्ष, हर्षित पांडे, रोहित जायसवाल, हिमांशु सोनकर, लकी पांडे, शिवम त्रिपाठी, दिलीप गुप्ता आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तेजवापुर में कम्प्यूटर की पढ़ाई फिर शुरू

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : खण्ड शिक्षा कार्यालय द्वारा अनुचर नमन प्रसून श्रीवास्तव को पुनः पूर्व माध्यमिक विद्यालय तेजवापुर भेजा गया है। दरअसल तेजवापुर में बच्चों को कंप्यूटर शिक्षा देने वाले नमन प्रसून को कुछ समय पूर्व बीईओ कार्यालय में सम्बद्ध किया गया था। इससे विद्यालय के बच्चे कंप्यूटर शिक्षा से वंचित हो रहे थे, इसकी शिकायत प्रधान मीरा वर्मा ने उच्चाधिकारियों से की थी। इस विषय को अमृत विचार ने भी प्रमुखता से प्रकाशित किया था। जिसके बाद मामले का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों ने नमन प्रसून श्रीवास्तव को फिर से तेजवापुर विद्यालय में तैनात कर दिया है।

आतंकियों के निशाने पर रही है रामनगरी

अयोध्या कार्यालय।

- **मार्च 2025 में फरीदाबाद से पकड़ा गया था राम मंदिर को बम से उड़ाने की साजिश रचने वाला अयोध्या निवासी अब्दुल रहमान**
- **नवंबर 2024 में खलिस्तानी आतंकी पन्नू ने दी थी राम मंदिर उड़ाने की धमकी**

अमृत विचार : वर्ष 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद से ही अयोध्या आतंकियों का निशाना बनी हुई है। पुरानी घटनाओं को छोड़ दें तो हाल के वर्षों में कई साजिशें उजागर हुई हैं, जो पाकिस्तान समर्थित संगठनों से जुड़ी हैं। इन हमलों का मकसद हिंदू भावनाओं को आहत कर सांप्रदायिक तनाव फैलाना रहा है।

नवंबर 2024 में खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) के जरिए वीडियो जारी कर राम मंदिर उड़ाने की धमकी दी थी। उसने 16-17 नवंबर को हमला करने का ऐलान किया। भारत सरकार ने उसे यूएपीए के तहत आतंकी घोषित किया है, लेकिन वह अमेरिका-कनाडा से सक्रिय है। वहीं, मार्च 2025 में गुजरात एटीएस और फरीदाबाद एसटीएफ ने 19 वर्षीय अब्दुल रहमान को गिरफ्तार किया। वह अयोध्या के मिल्कीपुर का निवासी है। खुलासा हुआ था कि वह राम मंदिर पर ग्रेनेड से हमला करने के फिराक में था।

पूछताछ में खुलासा हुआ कि वह आईएसआई के संपर्क में था और इस्लामिक स्टेट खोरासान प्रांत (आईएसकेएपी) से जुड़ा। उसने राम मंदिर की रेकी की और पाकिस्तानी हैंडलर से दो लाइव हैंड ग्रेनेड प्राप्त किए। साजिश पांच अप्रैल को अंजाम देने की थी। यही नहीं अप्रैल 2025 में राम मंदिर को ईमेल से बम से उड़ाने धमकी मिली। 2024 में भी इंस्टाग्राम पर धमकी पोस्ट करने वाले एक किशोर को गिरफ्तार किया गया। इन घटनाओं से साफ है कि रामनगरी पर अभी खतरा बरकरार है।

सुरक्षा बल सतर्क, मंदिर परिसर में बढ़ी चौकसी

मंदिर परिसर में नमाज पढ़ने का प्रयास करने की घटना के बाद राम मंदिर परिसर में चौकसी बढ़ा दी गई। एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे के नेतृत्व में सुरक्षा बलों ने मंदिर परिसर व आसपास के इलाके में घूम रहे लोगों व दर्शन लाइन में लगे श्रद्धालुओं व उनके सामानों की जांच शुरू कर दी। बम स्कवॉयड की टीम ने मेटल डिटेक्टर से सामानों की तलाशी ली। वहीं, श्रीराम जन्मभूमि पथ समेत मंदिर परिसर में एनएसजी व एटीएस कमांडो ने सुरक्षा का मोर्चा संभाला।

आस्था

नागर शैली से कम समय भव्य बनकर तैयार हुआ मंदिर : डॉ. अनिल

आसमान से दिख रही राम मंदिर की अद्भुत तस्वीर

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण के बाद आसमान से ली गई एक अद्भुद्ध व भव्य तस्वीर सामने आई है। जिसे देखकर भक्त आस्था में अभिभूत हो रहे है। सोशल मीडिया पर शेयर भी कर रहे है।

ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने कहा कि यह भक्तों का भाव है। मंदिर विशाल और उच्च क्वालिटी का बना है। नागर शैली की अद्भुद्ध कलाकृति से कम समय भव्य बनकर तैयार हुआ है। परिसर में सुंदर कलाकृतियां एक दिन में कोई नहीं देख सकता है। कई बार आने के बाद पूरा दृश्य लोग देख सकेंगे। वहीं गोरखपुर से आए राजेश अग्रवाल ने कहा कि बहुत ही सुंदर मंदिर बना हैं। परिवार के साथ दर्शन किया है। श्रद्धालु ममता श्रीवास्तव ने कहा कि जिस मंदिर का इंतजार हमारे पूर्वज करते रहे है। वो आज बनकर तैयार है। योगी व मोदी के नेतृत्व में बहुत बड़ा कार्य हुआ है। मंदिर बहुत ही सुंदर है। जिसकी तस्वीर भी की सुंदरता को दर्शाता है। आसमान से यह नजारा किसी सुंदर राज महल से काम नहीं है।

संपूर्ण मंदिर में दर्शन में लगेंगे तीन घंटे

राम जन्मभूमि परिसर के संपूर्ण निर्माण का कार्य संपन्न होने के बाद श्रद्धालुओं को राम मंदिर के साथ अन्य मंदिरों व स्थानों तक जाने की अनुमति देने पर मंथन शुरू हो गया है। राम मंदिर ट्रस्ट श्रद्धालुओं को परकोटे कॉरिडोर और सप्त ऋषियों के दर्शन कराए जाने को लेकर परीक्षण कर रहा है। ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा के मुताबिक मंदिर परिसर के संपूर्ण दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को तीन से चार घंटे लगेंगे। इसके लिए परिसर की सुरक्षा और सुविधाओं को नए सिरे से तैयार किया गया। और जल्द ही श्रद्धालुओं को सभी स्थानों का दर्शन प्राप्त होंगे। उन्होंने बताया कि परिसर में राम मंदिर और आठ एकड़ के 800 की परिधि में कॉरिडोर का निर्माण किया गया है। जिसमे छह पंचायतन मंदिर भगवान गणेश, हनुमान जी, भगवान सूर्य, मां भगवती, माता अन्नपूर्णा देवी और भगवान शंकर का हैं। इसके अलावा शेषावतार मंदिर, सप्त ऋषियों में महर्षि बाल्मीकि, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वशिष्ठ, अहिल्या देवी, शबरी और निषादराज का मंदिर बना हुआ है। और मंदिर दक्षिण दिशा में 10 के भूमि पर पंचवटी वन का भी निर्माण किया गया है।

राम मंदिर का विहंगम दृश्य।

शामली-गोरखपुर एक्सप्रेस-वे की आहट 64 गांवों में जमीन की रजिस्ट्री पर रोक

बलरामपुर, अमृत विचार : शामली से गोरखपुर तक प्रस्तावित हाईस्पीड ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे परियोजना ने जिले के ग्रामीण इलाकों में हलचल बढ़ा दी है। एक्सप्रेसवे निर्माण को लेकर बलरामपुर जिले के 64 गांवों में जमीन की खरीद-बिक्री पर रोक लगा दी गई है। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी होने तक इन गांवों में कोई भी बैनामा नहीं हो सकेगा। यह एक्सप्रेसवे जिले की दो तहसीलों बलरामपुर और उतरौला के 64 गांवों से होकर गुजरेगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की ओर से प्रस्तावित गांवों के राजस्व मानचित्र प्राप्त कर लिए गए हैं और अब जमीनी स्तर पर नपाई का कार्य शुरू कर दिया गया है। करीब 700 किलोमीटर लंबे छह लेन के इस ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे से गोरखपुर को शामली से जोड़ा जाएगा। भूमि अधिग्रहण की प्रारंभिक कार्रवाई के तहत नामित संस्था द्वारा गांव-गांव सर्वे कराया जा रहा है। एनएचएआई के प्रस्ताव के अनुसार बलरामपुर तहसील के 14 गांव बलरामपुर देहात, सोनार, फत्तेजोत, भगवतपुर, बघनी, देवरावां, बसंतडीला, मधवाजोत, परसिया फाफी, कांदभारी, कटरा शंकरनगर, भीखपुर, राजघाट और तेंदुआ में जमीन के क्रय-विक्रय पर रोक लगाई गई है। वहीं उतरौला तहसील के 50 गांवों खरदेवरी, गुलवरया माफी, सहदेइया, बायभीट, विशंभरपुर, चिताही, पिपरी कोल्हुई, चंदापुर, पचौथा, मस्तीजोत, नंदमहरा, पनवापुर, बभनपुरवा, अमारेभरिया, रसूलपुर चांद, बरायल, कोहिनिया, उपरौहुला, तेतारपुर, बारम, बिरदा बनियाभारी और केवटली शामिल हैं। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ज्योति राय ने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण अयोध्या के परियोजना निदेशक का पत्र प्राप्त हुआ है। इसके आधार पर संबंधित गांवों में जमीन के क्रय-विक्रय पर रोक लगा दी गई है।

आईपीओ से 500 करोड़ जुटाएगी टेक्नो पेंट्स

हैदराबाद। टेक्नो पेंट्स एंड केमिकल्स अगले वित्त वर्ष में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 500 करोड़ जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी सूत्रों ने शनिवार को बताया कि टेक्नो पेंट्स ने तीन साल के लिए सचिन तेंदुलकर को ब्रांड एंबेसडर बनाया है। इस कदम से कंपनी को आपने विस्तार में मदद मिलने की उम्मीद है। कंपनी ने कहा कि मास्टर ब्लास्टर के साथ जुड़कर उसका लक्ष्य अपनी राष्ट्रीय उपस्थिति को मजबूत करना है।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 11 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

राष्ट्रपति ट्रंप ने की क्रेडिट कार्ड पर 10% ब्याज करने की मांग

वाशिंगटन। राष्ट्रपति ट्रंप ने 20 जनवरी से क्रेडिट कार्ड पर एक साल के लिए 10% ब्याज लगाने की मांग करते हुए कहा कि क्रेडिट कार्ड कंपनियां अमेरिकियों को लूट रही हैं। यह तारीख व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति की वापसी की पहली सालगिरह है। लेकिन ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह सीमा कर्ज देने वालों के लिए स्वैच्छिक होगी या सरकारी तंत्र के माध्यम से लागू की जाएगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, हम अब जनता को उन क्रेडिट कार्ड कंपनियों द्वारा लूटने नहीं देंगे जो 20 से 30% और उससे भी अधिक ब्याज दरें वसूल रही हैं।

एनआईआईटी ने स्वीट रश का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली। एनआईआईटी लर्निंग सिस्टम (एनआईआईटी मैनेज्ड ट्रेनिंग सर्विसेज) ने शनिवार को अमेरिकी कंपनी स्वीट रश को खरीदने की घोषणा की। स्वीट रश ऐसी कंपनी है जो कृत्रिम मेधा (एआई) का उपयोग करके विशेष लर्निंग अनुभव और प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करती है और इस अधिग्रहण का कुल मूल्य 2.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर है। यह अधिग्रहण पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनआईआईटी (यूएसए), इंक. के माध्यम से किया गया। कुल 2.6 करोड़ डॉलर की राशि में पांच वर्षों के लिए प्रदर्शन के आधार पर अतिरिक्त भुगतान भी शामिल है, जो सामान्य अनुबंध शर्तों के अनुसार समायोजित किए जा सकते हैं।

ओएनजीसी ने मोरी-5 कुएं को किया बंद

नई दिल्ली। कंपनी तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) ने आंध्र प्रदेश के मोरी-5 तेल कुएं में नियंत्रण हासिल कर लिया है। कंपनी ने शनिवार को बताया कि इस कुएं को बंद करने का काम रिकॉर्ड पांच दिन में पूरा कर लिया गया। आंध्र प्रदेश में ओएनजीसी के अपतटीय क्षेत्र में स्थित मोरी-5 कुएं में पांच जनवरी 2026 को ब्लोआउट हो गया यानी तेल और गैस अचानक अनियंत्रित तरीके से बाहर निकलने लगी। यह तब हुआ जब कंपनी डीप इंडस्ट्रीज लिमिटेड कुएं की सामान्य मरम्मत कर रही थी और कुआं अस्थायी रूप से काम कर रहा था। ओएनजीसी ने आपातकालीन प्रबंधन योजना लागू की, इलाके में सभी काम रोक दिए और स्थिति नियंत्रित करने को विशेष टीम तैनात किए।

भारत-ईयू में व्यापार समझौता होगा शीघ्र : गोयल

केंद्रीय मंत्री ने ब्रुसेल्स यूरोपीय संघ के साथ की उच्चस्तरीय व्यापार समझौते को लेकर चर्चा

- दोनों देश के नेताओं ने टीमों को लंबित मुद्दों को हल कर समझौते को आगे बढ़ाने के लिए कहा

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर ब्रुसेल्स में दो दिन की चर्चा आधुनिक, व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौता शीघ्र संपन्न करने पर दोनों पक्षों की ओर से नए सिरे से दृढ़ संकल्प व्यक्त करने के साथ सम्पन्न हुई है। वाणिज्य मंत्री 8-9 जनवरी को एफटीए वार्ताओं के लिए ब्रुसेल्स में थे।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को गोयल की इस यात्रा समझौते की दिशा में महत्वपूर्ण बताया गया है। इस यात्रा के दौरान गोयल ने ईयू के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस शेफकोविच के साथ कई बार बाचतीत की और दोनों नेताओं ने वार्ता टीमों को लंबित मुद्दों को हल करने और समझौते को शीघ्रता से आगे बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। मंत्रालय ने कहा है कि वाणिज्य मंत्री की इस यात्रा के साथ दोनों पक्षों के बीच ब्रुसेल्स में एक सप्ताह तक चला गहन राजनयिक और तकनीकी बैठकों का दौर पूरा हुआ। यह बातचीत भारत और यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित व्यापक एफटीए को साकार करने के लिए दोनों पक्षों के राजनीतिक संकल्प को रेखांकित करता है।

गोयल और शेफकोविच के बीच मंत्रिस्तरीय बैठक से पहले, वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल और यूरोपीय आयोग की व्यापार महानिदेशक सबाइन वेयंड के बीच 6-7 जनवरी को उच्च स्तरीय चर्चाएं हुईं विभिन्न मुद्दों पर व्यापार वार्ताओं में हुई प्रगति का जायजा लिया गया।

अधिकारियों ने मतभेदों को कम करने और लंबित मुद्दों पर स्पष्टता सुनिश्चित करने के लिए काम किया, जिससे मंत्रिस्तरीय वार्ता का मार्ग प्रशस्त हुआ। गोयल और शेफकोविच ने प्रस्तावित समझौते के प्रमुख विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। दोनों पक्षों ने वस्तुओं के लिए बाजार में प्रवेश, माल की उत्पत्ति के नियम, सेवाओं आदि सहित विभिन्न वार्ता क्षेत्रों में हुई प्रगति पर गौर किया। दोनों पक्षों ने एक निष्पक्ष, संतुलित और महत्वाकांक्षी समझौते को अंतिम रूप देने के रणनीतिक महत्व पर बल दिया जो उनके साझा मूल्यों, आर्थिक प्राथमिकताओं और नियम-आधारित व्यापार ढांचे के प्रति प्रतिबद्धता के अनुरूप हो।

दोनों देशों के बीच कार्बन कर और इस्पात बाजार जैसे मुद्दों को सुलझाने का प्रयास तेज

नई दिल्ली। भारत पर शुल्क और ऊंचा करने तथा ग्रीनलैंड अधिग्रहण जैसे अमेरिका की धमकियों के बीच भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने मुक्त व्यापार समझौते के लिए चल रही बातचीत में कार्बन कर और स्टील बाजार को उदार बनाने जैसे कुछ जैसे मुद्दों पर मतभेद पाटने और समझौते को अंतिम रूप देने का प्रयास तेज कर दिया है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और शेफचोविच के साथ लंबी और गहन व्यापार चर्चाओं में यूरोप के विवादास्पद कार्बन कर और कृषि सब्सिडी पर भारत की आपत्ति जैसे संवेदनशील मुद्दे शामिल थे। वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि हमें भी यह समझौता चाहिए और उन्हें भी, क्योंकि दोनों पक्ष मजबूत बाजार की इच्छा रखते हैं, जो शुल्क की धमकियों से सुरक्षित हों। साथ ही, हम दोनों चीन पर बहुत अधिक निर्भर आपूर्ति श्रृंखलाओं के विकल्पों की ओर भी बढ़ना चाहते हैं। भारत और यूरोपीय संघ का प्रयास है कि एफटीए वार्ता गणतंत्र दिवस से पहले सकारात्मक निष्कर्ष पर पहुंच जाए। भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) में डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र के पूर्व प्रमुख प्रो. बिस्वजीत धर ने कहा कि यूरोपीय संघ के कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म (सीबीएएम) टैक्स (कार्बन कर) और भारत की श्रम आवाजाही से जुड़ी मांगों पर समझौते के रास्ते निकल रहे हैं।

क्रेडिट गारंटी योजना के तहत निर्यातकों के लिए 3,362 करोड़ स्वीकृत

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्रीय मंत्रिमंडल से मिली मंजूरी के बाद ऋणदाताओं ने लिया निर्णय

अमेरिकी शुल्क के भारी प्रभावों का सामना कर रहे निर्यातकों को समर्थन देने के लिए ऋणदाताओं ने 20,000 करोड़ की क्रेडिट गारंटी योजना (सीजीएसई) के तहत एक महीने में 774 आवेदकों को 3,361.83 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 12 नवंबर 2025 को इस योजना को मंजूरी दी थी।

इसके तहत पात्र निर्यातकों को 20,000 करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त ऋण सुविधाएं देने के लिए राष्ट्रीय क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड (एनसीजीटीसी) ऋण संस्थानों (एमएलआई) को 100 प्रतिशत ऋण गारंटी देती है। सीजीएसई की शुरुआत एक दिसंबर, 2025 को हुई। यह बैंकों और वित्तीय संस्थानों को कुछ प्रतिकूल परिस्थितियों के दौरान भारतीय निर्यातकों को अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान करने में सक्षम बनाती है, जिससे उनके बाजारों में विविधता आएगी और उनकी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। वित्त मंत्रालय के अधीन वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने एक बयान में कहा कि दो जनवरी, 2026 तक ''''8,764.81 करोड़ रुपये के लिए 1,840 आवेदन मिले, जिनमें से ऋणदाताओं ने 3,361.83 करोड़ रुपये के 774 आवेदनों को मंजूरी दी।

बजट पूर्व सीतारमण ने किया विचार-विमर्श

- राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों संग हुई बैठक, वित्तीय प्राथमिकताओं, विकास संबंधी जरूरतों पर चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

बजट से पहले राज्य के मंत्रियों के साथ बैठक में चर्चा करतीं केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आगामी बजट की तैयारियों को लेकर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ शनिवार को उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक् में उनकी वित्तीय प्राथमिकताओं, विकास संबंधी जरूरतों को सुना। वित्त मंत्री ने उनसे 2026-27 के बजट को लेकर उनके सुझाव प्राप्त किए।

बैठक में मणिपुर के राज्यपाल, दिल्ली, गोवा, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, मेघालय और सिक्किम के मुख्यमंत्री, अरुणाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान और तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री तथा अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्री शामिल थे। केंद्रीय वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री पंकज चौधरी, मंत्रालय के आर्थिक कार्य, व्यय और राजस्व विभागों के सचिव और कुछ अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे। सीतारमण ने देश के विकास में राज्यों की भूमिका को रेखांकित किया और कहा कि केंद्र जमीनी स्तर की प्राथमिकताओं को प्रतिबिंबित करने वाले बजट के निर्माण में राज्य सरकारों के रचनात्मक और व्यावहारिक सुझावों को महत्व देता है। कई राज्यों ने पूंजीगत व्यय के लिए बढ़े हुए समर्थन, उधारी सीमा में लचीलापन, और सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं के लिए अधिक आवंटन जैसे मुद्दे उठाए। वित्त मंत्री सीतारमण बजट 1 फरवरी (रविवार) को संसद में पेश करेंगी। यह उनका लगातार आठवां बजट होगा।

ग्राहकों से सेवा शुल्क वसूलने वाले 27 रेस्तरां पर कार्रवाई

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने कानून का उल्लंघन करते हुए अनिवार्य रूप से सेवा शुल्क वसूलने वाले 27 रेस्तरां के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की है।

इन रेस्तरां पर 50,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया गया है और उन्हें ग्राहकों को सेवा शुल्क की राशि वापस करने और अपनी बिलिंग प्रणाली में संशोधन करने के लिए कहा गया है, क्योंकि सेवा शुल्क का अनिवार्य रूप से वसूलना अनुचित व्यापार प्रथा घोषित किया गया है। सीसीपीए ने हेल्पलाइन नंबर पर उपभोक्ताओं की शिकायतों पर कार्रवाई की। इन रेस्तरां ने अनिवार्य सेवा शुल्क वसूलने जैसी अन्यायपूर्ण प्रथाओं को अपनाया है।

मध्यम आय के जाल से बचने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

- ईएसी-पीएम के चेयरमैन देव बोले- भारत ने कई मोर्चों पर प्रगति की
- 104वें स्कॉच शिखर सम्मेलन में जीएसटी सुधारों का किया उल्लेख

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन एस महेंद्र देव ने शनिवार को कहा कि भारत ने कई मोर्चों पर प्रगति की है और देश को मध्यम आय के जाल से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक समृद्ध और समावेशी समाज एवं अर्थव्यवस्था बनाने के लिए देश को अपनी उपलब्धियों को आगे बढ़ाना चाहिए।

देव ने 104वें स्कॉच शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने जीएसटी सुधारों, रेरा, आईबीसी, बीमा में 100 प्रतिशत एफडीआई, परमाणु ऊर्जा में निजी भागीदारी, गुणवत्ता नियंत्रण आदेश और कारोबारी सुगमता की पहल सहित कई सुधार किए हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने कई मोर्चों पर प्रगति की है। विभिन्न क्षेत्रों में संसाधनों के सही आवंटन, मजबूत सुधारों और उच्च वृद्धि दर के साथ भारत अपनी वैश्विक आर्थिक हिस्सेदारी में उल्लेखनीय बढ़त दर्ज कर सकता है। प्रख्यात अर्थशास्त्री ने कहा कि राजनीतिक स्थिरता, व्यापक आर्थिक स्थिरता और एक बड़ा घरेलू बाजार भारत की प्रमुख ताकतें हैं। उन्होंने कहा कि भारत को मध्यम आय के जाल से बचना चाहिए और एक ऐसा समाज और अर्थव्यवस्था बनाने के लिए काम करना चाहिए जो समृद्ध, समावेशी और प्रकृति के अनुकूल हो। मध्यम आय का जाल ऐसी स्थिति है, जहां एक मध्यम आय वाला देश बनने के बाद आर्थिक वृद्धि स्थिर हो जाती है और वह उच्च आय वाला देश नहीं बन पाता है। उन्होंने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र केवल 11-12 प्रतिशत लोगों को रोजगार देता है, जिसकी जीडीपी में 17 प्रतिशत हिस्सेदारी है। विनिर्माण और सेवाओं को बढ़ाना आवश्यक है। देव ने कहा कि बजट और पूंजी निर्माण के माध्यम से सरकारी निवेश महत्वपूर्ण है, लेकिन निजी पूंजी में उल्लेखनीय वृद्धि होनी चाहिए।

राष्ट्रीय

सोमनाथ सभ्यतागत साहस का प्रतीक : प्रधानमंत्री

तीन दिवसीय यात्रा के दौरान देखा ड्रोन शो, मोदी ने की श्री सोमनाथ ट्रस्ट की बैठक की अध्यक्षता

- मंदिर परिसर में बुनियादी ढांचे के उन्नयन से संबंधित विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की

वेरावल (गुजरात), एजेंसी

सोमनाथ मंदिर में मंदिर में पूजा-अर्चना करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए शनिवार को प्रसिद्ध शहर पहुंचे और सोमनाथ को हमारी सभ्यतागत साहस का प्रतीक बताया। गुजरात की अपनी तीन दिवसीय यात्रा की शुरुआत करते हुए उन्होंने ड्रोन शो देखा और श्री सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष के रूप में उसकी बैठक की अध्यक्षता की।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर कहा, सोमनाथ में आकर धन्य महसूस कर रहा हूं, जो हमारी सभ्यतागत साहस का गौरवशाली प्रतीक है। यह यात्रा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के दौरान हो रही है, जब पूरा देश 1026 में सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले हमले के 1000 वर्ष पूरे होने पर एकजुट हुआ है। लोगों के गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आभारी हूं। उन्होंने बैठक के बाद एक अन्य पोस्ट में लिखा, आज शाम सोमनाथ में मैंने श्री सोमनाथ ट्रस्ट की बैठक की अध्यक्षता की। हमने मंदिर परिसर में बुनियादी ढांचे के उन्नयन से संबंधित विभिन्न पहलुओं और सोमनाथ की तीर्थयात्रा को और भी यादगार बनाने के तरीकों की समीक्षा की। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी भी न्यासियों और अधिकारियों के साथ बैठक में उपस्थित थे। प्रधानमंत्री शाम में गिर सोमनाथ जिले के प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर के पास स्थित हेलीपैड पर उतरे।

सर्किट हाउस की ओर जाते समय उनके काफिले को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग सड़क के किनारे खड़े थे। राज्य सरकार द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, सर्किट हाउस में एक बैठक के बाद मोदी मंदिर की ओर रवाना हुए, जहां उन्होंने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के हिस्से के रूप में ओंकार मंत्र के जाप में भाग लिया। इसके बाद उन्होंने मंदिर परिसर में ड्रोन शो देखा। 3,000 ड्रोन ने अरब सागर के ऊपर आकाश में मंदिर से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं को दर्शाने वाली विभिन्न छवियां बनाईं। स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत 8 से 11 जनवरी तक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी तीन-दिवसीय गुजरात यात्रा के दौरान यहां सोमनाथ स्वाभिमान पर्व एवं राजकोट में वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन सहित कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

बलिदान के प्रतीक होंगे शौर्य यात्रा में शामिल 108 घोड़े

पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) के अनुसार, रविवार को सुबह 9:45 बजे प्रधानमंत्री शौर्य यात्रा में भाग लेंगे, जो सोमनाथ मंदिर की रक्षा में प्राणों की आहुति देने वालों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए शोभा यात्रा है। शौर्य यात्रा में 108 घोड़ों शामिल होंगे, जो वीरता और बलिदान का प्रतीक होगा। मोदी सुबह 10:15 बजे सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे और फिर सुबह 11 बजे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लेंगे। महमूद गजनी ने 1026 ईस्वी में सोमनाथ मंदिर पर हमला किया था, जिसके एक हजार वर्ष पूरे होने की पृष्ठभूमि में यह कार्यक्रम हो रहा है। सोमनाथ मंदिर नष्ट करने के कई प्रयासों के बावजूद आज आस्था और राष्ट्रीय गौरव के एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप में खड़ा है, यह सब मंदिर की प्राचीन महिमा को बहाल करने के सामूहिक संकल्प और प्रयासों के कारण संभव हुआ है। स्वतंत्रता के बाद सरदार वल्लभभाई पटेल ने मंदिर के जीर्णोद्धार का प्रयास किया। इस पुनरुद्धार यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक 1951 में हासिल हुई, जब तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में जीर्णोद्धार किए गए सोमनाथ मंदिर को औपचारिक रूप से भक्तों के लिए खोल दिया गया। इस वर्ष ऐतिहासिक जीर्णोद्धार के 75 वर्ष पूरे होने से सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का महत्व और भी बढ़ गया है। इस समारोह में देश भर से सैकड़ों संत भाग लेंगे और मंदिर परिसर में 72 घंटे तक लगातार 'ओम्' का जाप होगा।

कांग्रेस शासन की प्रश्नपत्र लीक संस्कृति खत्म

जयपुर, एजेंसी

कार्यक्रम को संबोधित करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह।

- केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने नवचयनित आरक्षकों को दिया नियुक्ति पत्र
- बोले- राज्य तभी विकास करता है जब कानून व्यवस्था अच्छी हो

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि कोई राज्य तभी विकास कर सकता है जब वहां कानून व्यवस्था की स्थिति अच्छी हो। राज्य की भाजपा सरकार ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के शुरू किए प्रश्नपत्र लीक की संस्कृति को खत्म कर दिया है। राज्य सरकार के दो साल के कार्यकाल में अपराध में 14% की कमी आई है। वे राजस्थान पुलिस अकादमी में नवचयनित आरक्षकों को नियुक्ति पत्र देने को आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि इन नौ हजार युवाओं को बिना किसी खर्चे के उनके दम-खम पर नौकरी देने का काम राज्य सरकार ने किया है। कोई भी राज्य तभी आगे आ सकता है जब वह प्रतिभाशाली युवाओं को आगे बढ़ाए। कोई प्रदेश तभी आगे आ सकता है जब वहां लोकसेवकों की भर्ती पारदर्शी से हो, उसमें भ्रष्टाचार न हो।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू किया प्रश्नपत्र लीक का सिलसिला समाप्त कर दिया है। ये भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी, तकनीकी आधार पर और निष्पक्ष तरीके से हुई है। शाह ने कहा कि राजस्थान में भाजपा सरकार बनने के बाद दो साल में कुल अपराध में 14 प्रतिशत की कमी आई है। गंभीर प्रकार के अपराध में 19% की कमी आई है। हत्या के मामलों में 25, हत्या के प्रयास में 19, महिलाओं के खिलाफ अत्याचार में 10 प्रतिशत कमी आई है। इसी तरह एससी/एसटी के खिलाफ अपराध में 28, डकैती में 47 व लूट के मामलों में 51% की कमी लाने का काम राज्य सरकार ने किया है।

स्वदेशी और स्वभाषा को करें प्रोत्साहित

जोधपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्वदेशी और स्वभाषा को प्रोत्साहित करने की जरूरतों पर जोर देते हुए लोगों से स्थानीय उत्पादों का निर्माण और उपयोग करने तथा घर पर अपनी मातृभाषा में बातचीत करने का आग्रह किया। शाह ने कहा कि किसी भी समाज, संस्कृति और धर्म को संरक्षित रखने में भाषा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि हालांकि दुनिया में प्रगति के लिए आवश्यकतानुसार कोई भी भाषा सीखी या बोली जा सकती है, लेकिन घर पर बच्चों से बातचीत के लिए केवल हिंदी और स्थानीय भाषाओं का ही इस्तेमाल करना चाहिए, क्योंकि इससे उनकी जड़ों से उनका जुड़ाव मजबूत होगा। मंत्री जोधपुर में आयोजित माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन को संबोधित कर रहे थे, जहां माहेश्वरी समुदाय के सदस्य देश और विदेश के कई हिस्सों से एकत्र हुए हैं। शाह ने कहा, यदि आप बच्चों से उनकी भाषा में बात करेंगे, तो वे इतिहास से, राज्य से स्वतः जुड़ जाएंगे।

मतदाताओं के नाम काटने की प्रक्रिया है एसआईआर : ममता

कोलकाता, एजेंसी

- पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पत्र लिखकर लगाया आरोप

प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया रिकॉर्ड सही करने के बजाय मतदाताओं के नाम हटाने की कवायद बना दी गई है। बनर्जी ने आयोग पर राजनीतिक पक्षपात और चुनाव प्रक्रिया के दौरान मनमानी करने का आरोप लगाया।

उन्होंने तीन पन्नों के पत्र में कहा कि सुनवाई की प्रक्रिया काफी हद तक यांत्रिक हो गई है, जो पूरी तरह से तकनीकी आंकड़ों द्वारा संचालित है और इसमें विवेक, संवेदनशीलता एवं मानवीय दृष्टिकोण का अभाव है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य न तो सुधार है और न ही नाम जोड़ना...बल्कि नाम काटना है। बनर्जी ने दावा किया कि वर्तनी या उम्र संबंधी मामूली त्रुटियों से लोगों को जबरन सुनवाई, उत्पीड़न और वेतन हानि हो रही है। मुख्यमंत्री ने शादी के बाद उपनाम बदलने वाली महिलाओं की दिक्कतों को भी रेखांकित करते हुए कहा कि उन्हें अपनी पहचान साबित करने के लिए बुलाया जा रहा है।

लिव-इन पार्टनर को पेंशन में शामिल करने पर विचार करे केंद्र सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी की उस याचिका पर विचार करे, जिसमें उसने 40 वर्षों से साथ रह रही अपनी लिव-इन पार्टनर और उसके बच्चों का नाम पारिवारिक पेंशन तथा स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए पेंशन भुगतान आदेश में शामिल करने का अनुरोध किया है।

न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता सरकारी कर्मचारी ने कभी भी अपने संबंध को नहीं छिपाया, ऐसे में अपने पार्टनर और बच्चों के नाम को परिवार के रूप में शामिल कराने के प्रयास को गंभीर कदाचार मानते हुए सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले लाभों से वंचित करना त्रुटिपूर्ण है। पीठ ने 2018 के केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (सीएटी) के आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें 2012 में सेवानिवृत्त कर्मचारी को मासिक पेंशन और ग्रेच्युटी लाभ का 50 प्रतिशत रोकने के अधिकारियों के फैसले को बरकरार रखा गया था।

हमें हर क्षेत्र में भारत को बनाना है मजबूत : डोभाल

- विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद में एनएसए ने मजबूत नेतृत्व के महत्व का किया जिक्र

नई दिल्ली, एजेंसी

विकसित भारत युवा नेता संवाद के दौरान एनएसए अजीत डोवाल और युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने शनिवार को कहा कि भारत को सुरक्षा सिर्फ सीमाओं पर मजबूत नहीं करनी है, बल्कि आर्थिक और तकनीकी तौर पर भी देश को इतना मजबूत बनाना है कि हमलों और पराधीनता के इतिहास का प्रतिशोध ले सकें। विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद के उद्घाटन समारोह में डोभाल ने स्वतंत्रता के संघर्षों, भारत की सभ्यता पर हुए हमलों और मजबूत नेतृत्व के महत्व का जिक्र किया।

उन्होंने तीन दिवसीय कार्यक्रम में शामिल तीन हजार युवाओं से कहा कि मैं गुलाम भारत में पैदा हुआ था। आप भाग्यशाली हैं कि स्वतंत्र भारत में पैदा हुए। सदियों तक हमारे पूर्वजों ने इसके लिए बहुत कुर्बानियां और अपमान सहे हैं। भगत सिंह को फांसी हुई, सुभाष चंद्र बोस को जीवन भर संघर्ष करना पड़ा, महात्मा गांधी को सत्याग्रह करना पड़ा और अनगिनत लोगों को जानें देनी पड़ीं। भारत के खुफिया ब्यूरो के पूर्व प्रमुख 81 वर्षीय डोभाल ने कहा कि हमारे गांव जले, हमारी सभ्यता को समाप्त किया गया, हमारे मंदिरों को लूटा गया और हम एक मूक दर्शक असहाय होकर देखते रहे। यह इतिहास हमें चुनौती देता है कि भारत के हर युवक के अंदर आग होनी चाहिये। हमें अपने इतिहास का प्रतिशोध लेना है और हमें इस देश को फिर वहां पहुंचाना है, जहां हम अपने हक, अपने विचार और अपनी आस्थाओं के आधार पर एक महान भारत का निर्माण कर सकें। हमें अपने आपको हर रूप में आर्थिक, रक्षात्मक, तकनीकी तौर मजबूत बनाना है।

भारत-अमेरिका के लिए अपार मौके

● रिश्तों में तनाव के बीच बोले अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और अमेरिका के रिश्तों में तनाव के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी माने जाने वाले नामित अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर नई दिल्ली पहुंच गए हैं। गोर (38) ने नवंबर के मध्य में भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में शपथ ली।

शुक्रवार रात नई दिल्ली पहुंचने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि भारत में आकर बहुत अच्छा लग रहा है। हमारे दोनों देशों के लिए आगे अपार अवसर हैं। भारत में उनका आगमन ऐसे समय हुआ है जब अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लटनिक के एक दावे के बाद दोनों पक्षों के बीच नया विवाद खड़ा हो गया है। लटनिक ने कहा था कि दोनों देशों के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौता पिछले साल इसलिए नहीं हो सका, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन नहीं किया।

गोर व्हाइट हाउस के कार्मिक निदेशक के रूप में कार्यरत थे, जब राष्ट्रपति ट्रंप ने अगस्त में उन्हें भारत में अगले अमेरिकी राजदूत के रूप में नामित किया था। ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क (टैरिफ) को दोगुना करके 50 प्रतिशत करने के बाद दोनों देशों के बीच संबंध गंभीर तनाव में है।

शुल्क के अलावा, कई अन्य मुद्दों पर भी संबंधों में गिरावट आई है, जिनमें पिछले साल मई में ट्रंप द्वारा भारत-पाकिस्तान संघर्ष को समाप्त करने का दावा और अमेरिका की नई आव्रजन नीति शामिल है। अमेरिकी सीनेट ने अक्टूबर में गोर को भारत में अमेरिका के अगले राजदूत के रूप में नियुक्त करने की मंजूरी दी। ट्रंप ने कहा था कि मुझे सर्जियो गोर पर भरोसा है कि वह हमारे देश के सबसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संबंधों में से एक, यानी भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने में मदद करेंगे।

महंगाई से विद्रोह की ओर बढ़ रहा

ईरान में महंगाई को लेकर पिछले कई दिनों से सरकार विरोधी प्रदर्शन हो रहे हैं। देशभर में फैला यह आंदोलन हाल के वर्षों में इस्लामिक शासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। महंगाई से शुरू हुआ गुस्सा अब सीधे ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और पूरे शासन तंत्र के खिलाफ विद्रोह में बदल चुका है। सरकार ने हालात काबू में करने के लिए इंटरनेट और अंतर्राष्ट्रीय फोन सेवाएं बंद कर दी हैं, जिससे ईरान लगभग बाहरी दुनिया से कट गया है। मानवाधिकार संगठनों के मुताबिक, प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में अब तक 65 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 2300 से अधिक लोग घायल हैं। हजारों लोगों को हिरासत में लिया गया है।

ईरान में प्रदर्शन

बड़ा आंदोलन

● यह आंदोलन 2022 के वूमन, लाइफ, फ्रीडम आंदोलन के बाद सबसे बड़ा माना जा रहा है। अब तक 100 से ज्यादा शहरों में प्रदर्शन हो चुके हैं। पश्चिमी ईरान के कुर्द बहुल इलाकों में हालात सबसे ज्यादा तनावपूर्ण हैं। प्रदर्शनकारियों के नारे अब सीधे सत्ता के केंद्र पर हैं- खामेनेई मुर्दाबाद, तानाशाह का नाश हो और रजा पहलवी के नेतृत्व में राजशाही की वापसी जैसे नारे तेहरान, मशहद और अन्य प्रमुख शहरों में लगाए जा रहे हैं।

कारोबारी बने आंदोलन के अगुवा

● सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आंदोलन की शुरुआत व्यापारियों ने की, जिन्हें इस्लामिक गणराज्य का समर्थक माना जाता रहा है। ईरान में बाजारी और धार्मिक नेतृत्व के बीच पुराना गठबंधन रहा है। 1979 की इस्लामिक क्रांति में भी कारोबारियों के आर्थिक समर्थन ने मौलवियों को मजबूती दी, जिससे शाह की सत्ता का पतन संभव हो पाया। इस बार गिरती अर्थव्यवस्था ने उनके व्यापार को इतना प्रभावित किया कि वे सड़कों पर उतर आए। सरकार आर्थिक मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे लोगों और शासन परिवर्तन की मांग करने वालों के बीच फर्क तलाश रही है। शासन विरोधी प्रदर्शनकारियों को विदेशी ताकतों का एजेंट बताकर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई का संकेत दिया गया है।

ऐसे हुई विरोध की शुरूआत

● विरोध प्रदर्शन 28 दिसंबर को तब शुरू हुए थे, जब ईरान की मुद्रा रियाल बुरी तरह निचले स्तर पर पहुंच गई थी और एक अमेरिकी डॉलर के मुकाबले इसकी कीमत 14 लाख से भी ज्यादा हो गई थी। व्यापारियों ने आसमान छूती महंगाई के खिलाफ दुकानें बंद कर प्रदर्शन शुरू किया। हालात तब और बिगड़े जब खाने के तेल, चिकन जैसी जरूरी चीजों की कीमतें रातोंरात बढ़ गईं और कई सामान बाजार से गायब हो गए। सरकार द्वारा सस्ती डॉलर व्यवस्था खत्म करने के फैसले ने आग में घी डालने का काम किया। अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण देश की अर्थव्यवस्था पहले से ही दबाव में है, जिनमें से कुछ प्रतिबंध परमाणु कार्यक्रम की वजह से हैं।

अमेरिका-खामेनेई का विरोधी रुख

● अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई बार ईरान को चेतावनी दी है कि अगर प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाई गई तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने तेहरान को साफ संदेश दे दिया है कि प्रदर्शन के दौरान लोगों की हत्या बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने दोहराया कि ईरानी सुरक्षा बलों को फायरिंग से बचना चाहिए। वहीं, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने ट्रंप की चेतावनियों को खारिज किया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

ईरान लौटने की तैयारी में प्रिंस रजा पहलवी

तेहरान। ईरान में चल रहे सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच निर्वासित क्राउन प्रिंस रज़ा पहलवी ने कहा है कि वह अब अपने वतन वापसी की तैयारी कर रहे हैं। पहलवी ने शनिवार को सोशल मीडिया पर जारी एक संदेश में यह बात कही। उन्होंने कहा कि मैं भी अपने वतन लौटने की तैयारी कर रहा हूँ ताकि मैं अपने लोगों के साथ, महान देश ईरान के साथ रह सकूँ, हमारी राष्ट्रीय क्रांति जीतेगी। मुझे विश्वास है कि वह दिन बहुत करीब है। ईरान के शाह पहलवी, देश में धार्मिक क्रांति का बिगुल बजने से पहले देश के प्रमुख थे पर इस्लामिक क्रांति के बाद उन्होंने भागकर अमेरिका की शरण ली थी। क्राउन प्रिंस उन्हीं के बेटे हैं। ईरान में शाह के परिवार को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। मुख्य वजह छतों का गिरना रही है।

पाकिस्तान ने किया मिसाइल का परीक्षण

इस्लामाबाद। पाकिस्तान नौसेना ने शनिवार को उत्तरी अरब सागर में एक युद्धाभ्यास के दौरान सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का सफल परीक्षण किया। सेना ने एक बयान में कहा कि विस्तारित दूरी पर वर्टिकल लॉन्चिंग सिस्टम से सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल एलवाई-80(एन) का परीक्षण किया। कहा गया कि सतह से हवा में मार करने वाली एलवाई-80(एन) मिसाइल ने एक हवाई लक्ष्य को निशाना बनाया।

मुफ्ती नूर बने भारत में अफगान के राजदूत

काबुल। तालिबान ने मुफ्ती नूर अहमद नूर को नई दिल्ली स्थित अफगान दूतावास का कार्यवाहक राजदूत नियुक्त किया है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, नूर पहले विदेश मंत्रालय में राजनीतिक मामलों के विभाग के उप प्रमुख के रूप में कार्यरत थे। भारत पिछले साल अक्टूबर में तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी की भारत यात्रा के दौरान इस राजनयिक को स्वीकार करने पर सहमत हुआ था। नूर मुत्तकी के साथ भारत आए थे।

सीरिया में हुई झड़पों में 23 नागरिकों की मौत

दमिश्क। उत्तरी सीरियाई शहर अलेप्पो में रिहायशी इलाकों पर हमलों में मंगलवार से अब तक मारे गए नागरिकों की संख्या बढ़कर 23 हो गई है और 104 अन्य नागरिक घायल हुए हैं। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि कई दिनों की झड़पों के बाद सरकारी सेनाओं ने शहर के आखिरी कुर्द-बहुल इलाकों में घुसना शुरू कर दिया है।

ग्रीनलैंड पर कब्जा हमारी मजबूरी नहीं तो चीन-रूस हो जाएंगे काबिज

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, हम अपने पड़ोस में इन देशों को नहीं देखना चाहते

● ट्रंप बोले-आसानी से नहीं कर पाए तो इसे मुश्किल तरीके से करेंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका को रुस और चीन को ग्रीनलैंड पर कब्जा करने से रोकने के लिए उस पर अपना नियंत्रण करना चाहिए। ट्रंप व्हाइट हाउस में तेल इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक में कहा कि अगर हम ग्रीनलैंड नहीं लेते हैं, तो रूस या चीन आपके पड़ोसी बन जाएंगे। हम अपने पड़ोस में इन देशों को नहीं देखाना चाहते। मैं मामले को आसानी से डील करना चाहता हूं। लेकिन अगर हम इसे आसानी से नहीं करते हैं, तो हम इसे मुश्किल तरीके से करेंगे।

उन्होंने डेनमार्क के एक स्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड पर डेनमार्क की संप्रभुता पर सवाल उठाया और इस विशाल, संसाधन से भरपूर द्वीप पर ऐतिहासिक दावों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, मैं डेनमार्क का प्रशंसक हूं, लेकिन, आप जानते हैं, सिर्फ इसलिए कि 500 साल पहले उनका एक जहाज वहां उतरा था, इसका मतलब यह नहीं है कि वे उस ज़मीन के मालिक हैं। ये टिप्पणियां अमेरिका और कई नाटो सहयोगियों के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई हैं।

ट्रंप आर्कटिक में बढ़ती रूसी और चीनी गतिविधियों से जुड़ी राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए बार-बार यह कह रहे हैं कि अमेरिका को ग्रीनलैंड पर कब्जा कर लेना चाहिए। डेनमार्क और ग्रीनलैंड ने ऐसे किसी भी कदम को साफ तौर पर खारिज कर दिया है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन ने चेतावनी दी है कि ग्रीनलैंड पर अमेरिकी हमला नाटो और दूसरे विश्व युद्ध के बाद की सुरक्षा व्यवस्था का अंत होगा। ट्रंप ने कहा कि नाटो को यह समझना होगा। मैं नाटो के साथ हूं। मैंने नाटो को बचाया। अगर मैं नहीं होता, तो अभी नाटो नहीं होता। कोपेनहेगन और ग्रीनलैंड की स्थानीय सरकारों ने बार-बार कहा है कि यह इलाका बिक्री के लिए नहीं है और इसका भविष्य इसके लोग तय करेंगे।

मादुरो के मामले में पैरवी को लेकर तकरार

न्यूयॉर्क। वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर मादक पदार्थ तस्करी के मामले में अमेरिका की अदालत में आरोप तय होने के कुछ दिनों बाद इस बात को लेकर तकरार शुरू हो गई है कि इस अहम मामले में अदालत में मादुरो का प्रतिनिधित्व कौन बनेगा। मादुरो के साथ अदालत में मौजूद बचाव पक्ष के वकील बैरी पोलाक ने आरोप लगाया कि वकील ब्रूस फाइन बिना अनुमति के इस मामले में शामिल होने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रॉनाल्ड रीगन के कार्यकाल में उप-अटॉर्नी जनरल रह चुके ब्रूस फाइन ने कहा कि एक न्यायाधीश ने उनसे मादुरो से यह विवाद सुलझाने को कहा था।

वेनेजुएला में तेल कंपनियों के अधिकारियों को पूर्ण सुरक्षा देगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को तेल कंपनियों के अधिकारियों से वेनेजुएला में जल्द से जल्द वापस लौटने का आह्वान किया। व्हाइट हाउस देश के विशाल पेट्रोलियम भंडार का पूरी तरह से दोहन करने की क्षमता को बहाल करने के लिए 100 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश को तेजी से सुरक्षित करने की कोशिश कर रहा है। वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए शनिवार को अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद से ट्रंप ने तुरंत इस कदम को अमेरिका के लिए एक नए आर्थिक अवसर के रूप में प्रस्तुत करना शुरू कर दिया है। अमेरिका ने वेनेजुएला से तेल ले जा रहे टैंकरों को जब्त कर लिया है और अमेरिका पहले से प्रतिबंधित तीन करोड़ से पांच करोड़ बैरल वेनेजुएला के तेल की बिक्री अपने नियंत्रण में ले रहा है तथा भविष्य में भी दुनियाभर में इसकी बिक्री को नियंत्रित करेगा। ट्रंप ने तेल उद्योग के अधिकारियों के साथ बैठक शुरू करते हुए उन्हें आश्वस्त करने की कोशिश की कि उन्हें दक्षिण अमेरिकी देश में तेजी से निवेश करने और कुछ मामलों में वहां लौटने के बारे में संशय करने की आवश्यकता नहीं है। मादुरो के अपदस्थ होने के बाद से अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंध और मौजूदा राजनीतिक हालातों के कारण अनिश्चितता बनी हुई है। ट्रंप ने तेल कंपनियों के अधिकारियों को कहा कि आप बिल्कुल सुरक्षित हैं। अब आप हमसे सीधे बातचीत कर रहे हैं, वेनेजुएला से बिल्कुल भी नहीं। हम नहीं चाहते कि आप वेनेजुएला से बातचीत करें। ट्रंप ने कहा कि हमारी विशाल तेल कंपनियां अपना कम से कम 100 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च करेंगी, न कि सरकार का। उन्हें सरकारी धन की जरूरत नहीं है। लेकिन उन्हें सरकारी संरक्षण की जरूरत है।

ईरान में विरोध प्रदर्शन जारी, सरकार ने प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई तेज की

● हिंसा में अब तक कम से कम 65 की मौत, 2300 से अधिक लोग हुए घायल

दुबई, एजेंसी

ईरान में इंटरनेट और टेलीफोन सेवा पर प्रतिबंध के बीच शनिवार को भी विरोध प्रदर्शन जारी रहे और देश का बाकी दुनिया से संपर्क लगभग कटा हुआ है। पाबंदियों के कारण वहां हो रहे प्रदर्शनों की सही जानकारी मिलना मुश्किल हो गया है। लेकिन अमेरिका में स्थित समाचार एजेंसी ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स के अनुसार, इन प्रदर्शनों में अब तक कम से कम 65 लोगों की मौत हो चुकी है और 2,300 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है।

सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिका की चेतावनियों के बावजूद प्रदर्शनकारियों पर सख्त कार्रवाई जारी रखने का संकेत दिया है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शनिवार को एक्स पर लिखा कि ईरान के बहादुर लोगों का अमेरिका समर्थन करता है। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अलग से चेतावनी देते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ खेल मत खेलिए, जब वह कुछ कहते हैं तो कर गुजरते हैं। ईरान के सरकारी टीवी पर प्रसारित एक वीडियो में सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी को दरकिनार करते हुए कहा कि अमेरिका के हाथ ईरानियों के खून से सने हैं। इस फुटेज में खामेनेई के समर्थक अमेरिका मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए दिखे। ईरान की सरकारी मीडिया ने प्रदर्शनकारियों को आतंकवादी बताया। ईरान में हालिया कुछ वर्षों की तरह प्रदर्शनकारियों पर हिंसक कार्रवाई किए जाने की आशंका बढ़ गई है। खामेनेई (86) ने तेहरान में अपने परिसर में समर्थकों से कहा कि प्रदर्शनकारी अमेरिका के राष्ट्रपति को खुश करने के लिए अपनी जिंदगी बर्बाद कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान में प्रदर्शनकारियों को मारा गया तो अमेरिका ईरान पर हमला करेगा। वेनेजुएला पर अमेरिकी कार्रवाई के बाद ट्रंप की इस चेतावनी को काफी गंभीरता से लिया जा रहा है। एपी को मिले एक वीडियो में उत्तरी तेहरान के सादत आबाद इलाके में विरोध प्रदर्शन होते दिख रहे हैं और सड़कों पर हजारों लोग नजर आ रहे हैं। इस दौरान एक व्यक्ति को खामेनेई मुर्दाबाद कहते हुए सुना गया है। ईरान के निर्वासित युवराज रजा पहलवी ने विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। अब लोगों से शनिवार, रविवार को भी सड़कों पर उतरने को कहा है।

ईरान में फौजें जमीन पर नहीं उतारेगा अमेरिका

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि अगर ईरान वर्तमान अशांति के इस दौर में लोगों को मारना शुरू कर देता है तो अमेरिका इसमें हस्तक्षेप करेगा, हालांकि वह जमीन पर अपने सैनिकों की तैनाती नहीं करेगा। ईरान की स्थिति पर ट्रंप ने कहा कि अगर वे लोगों को मारना शुरू करते हैं, तो ऐसा होने पर अमेरिका अपनी भूमिका निभायेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका मतलब यह नहीं है कि अमेरिका अपनी फौजें, ईरान की जमीन पर उतार देगा। इसका अर्थ यह है कि उन्हें वहां बहुत जोर से मारना है, जहां सबसे ज्यादा दर्द होता है। ट्रंप और अन्य वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने बार-बार चेतावनी दी है कि यदि ईरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को मारता है, तो वॉशिंगटन कार्रवाई करेगा।

प्रदर्शनकारियों को दी मृत्युदंड की चेतावनी

दुबई। ईरान ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ अपनी धमकियां और तेज कर दीं और अटॉर्नी जनरल मोहम्मद मोवाहेदी आजाद ने चेतावनी दी कि विरोध-प्रदर्शनों में हिस्सा लेने वाले किसी भी व्यक्ति को अल्लाह का शत्रु माना जाएगा, जो मृत्युदंड योग्य अपराध है। अटॉर्नी जनरल की ये टिप्पणियां ईरान के सरकारी टेलीविजन के जरिये प्रसारित की गईं। इससे पहले, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई एवं अन्य अधिकारियों ने संकेत दिया था कि ईरान दमनकारी कार्रवाई शुरू करने जा रहा है। दो सप्ताह से जारी ये प्रदर्शन हाल के दिनों में और तेज हो गए हैं।

ओएनजीसी ने तेल कुएं के रिसाव पर नियंत्रण पाया

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) ने आंध्र प्रदेश के मोरी-5 तेल कुएं में नियंत्रण हासिल कर लिया है। कंपनी ने शनिवार को बताया कि इस कुएं को बंद करने का काम रिकॉर्ड पांच दिन में पूरा कर लिया गया। आंध्र प्रदेश में ओएनजीसी के अपतटीय क्षेत्र में स्थित मोरी-5 कुएं में पांच जनवरी 2026 को ब्लोआउट हो गया यानी तेल और गैस अचानक अनियंत्रित तरीके से बाहर निकलने लगी। यह तब हुआ जब कंपनी डीप इंडस्ट्रीज लिमिटेड कुएं की सामान्य मरम्मत कर रही थी।

चुंबकीय क्षेत्र को प्रभावित करता है सौर तूफान

बेंगलुरु, एजेंसी

● इसरो के आदित्य-एल1 सौर मिशन ने दी नई जानकारी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को कहा कि उसके आदित्य-एल1 सौर मिशन ने नई जानकारी प्रदान की है कि कैसे एक शक्तिशाली सौर तूफान पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है। इसरो ने कहा कि सबसे गंभीर प्रभाव सौर तूफान के अशांत क्षेत्र के प्रभाव के दौरान हुआ।

दिसंबर 2025 में एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में प्रकाशित एक महत्वपूर्ण अध्ययन में इसरो के वैज्ञानिकों और शोध छात्रों ने अक्टूबर 2024 में पृथ्वी को प्रभावित करने वाली अंतरिक्ष की एक बड़ी घटना का विस्तृत विश्लेषण किया। इस अध्ययन में भारत की पहली सौर वेधशाला आदित्य-एल1 से प्राप्त डेटा के साथ-साथ अन्य अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष अभियानों के आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया, ताकि सूर्य से निकले सौर प्लाज़्मा के एक विशाल विस्फोट के पृथ्वी पर पड़े प्रभाव को समझा जा सके।

बयान में कहा गया कि अंतरिक्ष मौसम से तात्पर्य अंतरिक्ष में उत्पन्न उन परिस्थितियों से है, जो सूर्य पर होने वाली अस्थायी गतिविधियों जैसे सौर प्लाज़्मा विस्फोट के कारण बनती हैं। ये घटनाएं पृथ्वी पर उपग्रहों, संचार एवं दिशा सूचक सेवाओं तथा विद्युत ग्रिड अवसंरचना को प्रभावित कर सकती हैं।

इसरो के अनुसार सौर तूफान के अशांत क्षेत्र ने पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को अत्यधिक रूप से संकुचित कर दिया, जिससे वह असामान्य रूप से पृथ्वी के बहुत करीब आ गया और कुछ समय के लिए भू-स्थिर कक्षा में स्थित कुछ उपग्रह उनके संपर्क में आ गए। अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि ऐसी घटना केवल अत्यंत गंभीर अंतरिक्ष मौसम घटनाओं के दौरान ही होती है।

मणिपुर में पेट्रोल पंप बेमियादी बंद

इंफाल। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में एक पेट्रोल पंप पर बम फेंके जाने के दो दिन बाद शनिवार से पूरे प्रदेश के पेट्रोल पंप अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिए गए। मणिपुर पेट्रोलियम डीलर्स फ्रेटरनिटी (एमपीडीएफ) ने राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को लिखे एक पत्र में कहा कि राज्य अधिकारियों के आश्वासन और उठाए गए कदमों के बावजूद पेट्रोल पंप मालिकों को गंभीर सुरक्षा खतरों का सामना करना पड़ रहा है।

एमपीडीएफ ने मोइरांग में मेसर्स एलिडास पेट्रोल पंप पर गुरुवार रात हुए बम धमाके को मौजूदा असुरक्षा का सबूत करार दिया।

बंगाल में पटाखा फैक्ट्री में हुआ भीषण विस्फोट, चार घायल

कोलकाता, एजेंसी

● धमाके से आसपास की कई इमारतों को भारी नुकसान

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में शनिवार को पटाखा निर्माण करने वाली एक इकाई में भीषण विस्फोट में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह धमाका चम्पाहाटी इलाके में स्थित एक फैक्टरी में हुआ।

बरुईपुर पुलिस जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दोपहर करीब एक बजे चाम्पाहाटी स्थित एक फैक्टरी में विस्फोट हुआ, जिससे कारखाने और आसपास के घरों को भारी नुकसान पहुंचा। उन्होंने बताया कि घायल हुए चार लोगों में से तीन की पहचान गौर गांगोपाध्याय, किशन मंडल और राहुल मंडल के रूप में हुई है जबकि तीसरे व्यक्ति की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। अधिकारी ने बताया, वे बुरी तरह जल गए थे और उन्हें इलाज के लिए तुरंत बारुईपुर और कोलकाता के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। धमाके के कारण लगी आग पर काबू पाने के लिए दमकल की कई गाड़ियों को लगाया गया है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 11 जनवरी, रविवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अष्टमी 10.20 तक तत्पश्चात नवमी।

आज का पंचांग

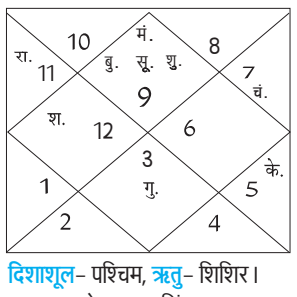

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- चित्रा 18.12 तक तत्पश्चात स्वाती।

मेष - आज आर्थिक मामलों को लेकर भाग्यशाली रहेंगे। विपरीत परिस्थितियों के बीच आपका वर्चस्व बढ़ेगा। व्यापार में गति तीव्र होने के योग बन रहे हैं। प्रेमीजन के माध्यम से आपको उपहार मिल सकता है। पारिवारिक जीवन आनंद और उल्लास से भरपूर रहेगा।

वृष - आज दांपत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। प्रेम संबंधों के बीच आई गलतफहमियों को दूर करने के लिए दिन अच्छा है। व्यवसाय में अच्छा लाभ होगा। सभी कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से करें। विद्यार्थी पढ़ाई में शानदार प्रदर्शन करेंगे।

मिथुन - आज परिजनों के साथ आप घूमने जा सकते हैं। आपके अच्छे कार्यों की सराहना करने के बजाय लोग उनकी आलोचना कर सकते हैं। जल्दबाजी में किए गए कार्यों से नुकसान हो सकता है। समय का सदुपयोग करें। कार्यक्षेत्र के वातावरण में कुछ तनाव हो सकता है।

कर्क - आज रक्तचाप के रोगियों को विशेष सावधानी रखनी चाहिए। वरिष्ठ लोगों की अवहेलना न करें। पारिवारिक रिश्तों में सम्वादहीनता के कारण समस्या हो सकती है। मित्रों के साथ कहीं जाने की योजना बना सकते हैं। भाई-बहनों की चिंता रहेगी।

सिंह - आज प्रबंधन से जुड़े लोगों के ऊपर काम का दबाव रहेगा। प्रेम संबंधों में तनाव हो सकता है। शाम के समय किसी समारोह का निमंत्रण मिल सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों के लिए योजना बना सकते हैं। व्यापार में लाभ होगा। लेकिन आपको थोड़ी सावधानी भी बरतनी होगी।

कन्या - आज कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा का वातावरण रहेगा। जिन लोगों का स्वास्थ्य खराब था उनके स्वास्थ्य में सुधार आयेगा। अपने काम के प्रति निष्ठावान रहें। प्रेमीजन की भावनाओं का अनादर न करें। मन में वैराग्य के भाव उत्पन्न हो सकते हैं। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई से उचट सकता है।

तुला - आज आप रुके हुए कार्यों को निपटाने में व्यस्त रहेंगे। आपका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। जीवनसाथी आपका मानसिक और आर्थिक रूप से काफी सहयोग करेगा। काम के प्रति सकारात्मक रवैया रखें। मित्रों के साथ आपके संबंध और मधुर होंगे।

वृश्चिक - आज आपके काम की लोग उपेक्षा कर सकते हैं। व्यर्थ के कार्यों में आपका धन बर्बाद होगा। आज आवश्यक न हो तो यात्रा न करें। आय की अपेक्षा आपके खर्चों में अधिकता रहेगी। सहकर्मियों से अपनी व्यक्तिगत बातें शेयर करना उचित नहीं है।

धनु - आज नया काम आरंभ करना हर दृष्टिकोण से उत्तम है। दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा। कला जगत से जुड़े लोगों के लिए दिन शुभ है। कार्यक्षेत्र की तनावयुक्त परिस्थितियों को हल करने में सफल होंगे। आपकी नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा होगी।

मकर - आज आपकी दिनचर्या में सुधार आयेगा। धर्म-कर्म के प्रति आपका रूझान बढ़ेगा। महत्वपूर्ण लोगों के साथ आपका समय बीतेगा। दाम्पत्य सम्बन्धों को गहरा और मजबूत करने के लिये रोमान्टिक डेट पर जा सकते हैं। बच्चों की समस्याओं को हल्के में न लें।

कुंभ - आज आय के साधनों में कमी आ सकती है। आज भविष्य के लिए कोई काम न छोड़ें। थायराइड से पीड़ित महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी कष्ट हो सकता है। अपने अनुभवों को दूसरों पर थोपने से बचें। दूसरों पर अधिक निर्भर न रहें।

मीन - आज किसी उत्सव और मांगलिक कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। बिगड़ी हुई बात या डील को आप समझदारी से संभाल लेंगे। किसी प्रोजेक्ट में आ रही आर्थिक बाधा दूर होगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आपको शानदार सफलता मिल सकती है।

सुडोकू-29

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	4				3			
	8		7		2		1	
9		7		5	1		8	6
		2	3	9			5	
	3			4	7	8		
6	1		5	2		7		9
	5		8		9		4	
			1				2	

सुडोकू - 28 का हल

1	5	6	2	7	8	9	3	4
2	8	3	4	9	6	1	5	7
7	9	4	5	3	1	2	8	6
3	2	5	9	6	4	8	7	1
4	7	9	1	8	3	5	6	2
8	6	1	7	2	5	3	4	9
9	3	8	6	4	2	7	1	5
6	1	2	3	5	7	4	9	8
5	4	7	8	1	9	6	2	3

देश की नजरें 2036 ओलंपिक की मेजबानी पर हैं, वहीं आईओए यह पक्का करने के लिए कदम उठा रहा है कि देश के एथलीट ओलंपिक गेम्स में ज्यादा से ज्यादा मेडल जीतें। ओलंपिक स्पोर्ट्स एसोसिएशन्स को जो रकम पहले दी जाती थी, उसे अब बढ़ाकर 20 लाख कर दिया गया है।
–पीटी उषा

स्टेडियम

लखनऊ, रविवार, 11 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सामान्य दिखने की कोशिश कर रही बांग्लादेशी टीम : शांतो

ढाका। बांग्लादेश के टेस्ट कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने कहा है कि अगले महीने भारत में होने वाले टी20 विश्व कप में टीम की भागीदारी को लेकर बनी अनिश्चितता खिलाड़ियों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है, लेकिन टीम हालात को ऐसे संभाल रही है जैसे सब कुछ ठीक है। शांतो ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के निदेशक एम. नजमुल इस्लाम पर भी निशाना साधा। उन्होंने पूर्व कप्तान तमीम इक़बाल को भारत का एजेंट बताए जाने की कड़ी आलोचना की। तमीम ने मौजूदा गतिरोध को सुलझाने के लिए संयमित और व्यावहारिक रवैये की वकालत की थी।

आईसीसी से जवाब नहीं मिला : बीसीबी

सिलहट (बांग्लादेश)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने शुक्रवार को कहा कि बोर्ड को आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारत में होने वाले मैचों को लेकर अपनी चिंताओं के बारे में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है और उन्होंने दोहराया कि बीसीबी के रुख में कोई बदलाव नहीं होगा। हम वहीं खड़े हैं जहां हम कुछ दिन पहले थे।

फीफा वर्ल्ड कप ट्रॉफी भारत पहुंची

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 ट्रॉफी शनिवार को भारत पहुंची, इसका अनावरण शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में ब्राजील के पूर्व इंटरनेशनल खिलाड़ी गिल्बर्टो सिल्वा ने खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष कल्याण चौबे की मौजूदगी में किया। फीफा वर्ल्ड कप 12 साल बाद ट्रॉफी टूर पर भारत लौटा है, इसे दो दिनों तक दिल्ली में रखा जाएगा फिर गुवाहाटी ले जाया जाएगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की निगाहें कोहली व रोहित पर

तीन वनडे मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला दोपहर 1:30 बजे से

वडोदरा, एजेंसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में रविवार को यहां खेले जाने वाले शुरुआती मैच में भारतीय टीम विराट कोहली और रोहित शर्मा की शानदार लय के साथ आगे बढ़ने की उम्मीद करेगी।

न्यूजीलैंड की टीम नये और युवा खिलाड़ियों की भरमार है लेकिन पूरी ताकत के साथ उतर रही भारतीय टीम के लिए रोहित और कोहली के नजरिये से शृंखला अहम है। अगले महीने वाली टी20 विश्व कप के कारण वनडे शृंखला की अहमियत थोड़ी कम है लेकिन अगले सात दिनों में होने वाले तीन वनडे मैचों में कोहली और रोहित आकर्षण का केंद्र रहेंगे। दोनों दिग्गजों को हाल ही में विजय हजारे ट्रॉफी के लीग चरण में अच्छा मैच अभ्यास मिला है। उन्होंने इस घरेलू टूर्नामेंट में बड़े स्कोर बनाकर यह जता दिया कि उनका दौर अभी खत्म नहीं हुआ है। यह देखना दिलचस्प होगा कि टी20 विश्व कप टीम से बाहर किए जाने के बाद कप्तान शुभमन गिल कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। उनकी फॉर्म पहले से ही चिंता का विषय रही है, वहीं पिछले साल के अंत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे शृंखला में वह चोट के कारण बाहर रहे थे। गिल की वापसी से यशस्वी जायसवाल को शीर्ष क्रम से बाहर बैठना पड़ सकता है। जायसवाल ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में अपना पहला वनडे शतक जमाया था।

श्रेयस अय्यर की वापसी से बल्लेबाजी क्रम में चल रहे प्रयोगों पर विराम लगने की उम्मीद है और 31 वर्षीय इस बल्लेबाज का एक बार फिर चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करना लगभग तय है। केएल राहुल की निचले क्रम के बल्लेबाज और विकेटकीपर के रूप में भूमिका जारी रहने से ऋषभ पंत के अंतिम एकादश में शामिल होने की संभावना कम है। अय्यर, पंत और मोहम्मद सिराज विजय हजारे ट्रॉफी में व्यस्तता के कारण शुक्रवार तक वनडे टीम की यहां चल रही तैयारियों का हिस्सा नहीं थे, लेकिन रविंद्र जडेजा ने पूरे दमखम के साथ अभ्यास किया, जिससे उनकी उपलब्धता के संकेत मिले। जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या को टी20 प्रतिबद्धताओं के मद्देनजर एकदिवसीय शृंखला से आराम दिया गया है। ऐसे में तेज गेंदबाजी का दारोमदार मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा पर रहेगा। कुलदीप यादव, वॉशिंगटन सुंदर और जडेजा स्पिन विभाग संभालेंगे। शाम की ओस और सपाट पिचों की प्रकृति को देखते हुए इस प्रारूप में आक्रामक विकेट लेने की बजाय रन रोकने पर अधिक जोर रहेगा यह पहला मौका होगा जब कोटाम्बी स्थित बड़ौदा क्रिकेट संघ के नये स्टेडियम में पुरुषों का कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले यह मैदान भारत और वेस्टइंडीज के बीच महिला वनडे शृंखला की मेजबानी कर चुका है।

न्यूजीलैंड के कप्तान माइकल ब्रेसवेल। एजेंसी

तेज गेंदबाजी आक्रमण पर भरोसा करेगा न्यूजीलैंड

वडोदरा। न्यूजीलैंड के कार्यवाहक कप्तान माइकल ब्रैसवेल ने शनिवार को कहा कि उनकी टीम भारत के खिलाफ तीन वनडे मैच की श्रृंखला में तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई के लिए ऑलराउंडर काइल जैमीसन पर भरोसा करेगी जबकि रविवार को यहां होने वाले पहले मैच में 24 वर्षीय क्रिस्टियन क्लार्क वनडे में पदार्पण करेंगे। वनडे रैंकिंग में शीर्ष दो स्थान पर काबिज भारत और न्यूजीलैंड के बीच इस सीरीज में रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है। मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा हमारे पास काइल जैमीसन हैं, जो लंबे समय से क्रिकेट खेल रहे हैं और उनके पास काफी अनुभव है। कप्तान के तौर पर गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व करने के लिए मैं उन पर काफी भरोसा करूंगा।

रोहित शर्मा ने सिराज को दिए बल्लेबाजी के टिप्स

वडोदरा। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपनी बल्लेबाजी में सुधार करके वनडे टीम में अपनी जगह पक्की करने के इरादे से न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाली वनडे सीरीज से पहले शनिवार को यहां पूर्व कप्तान रोहित शर्मा से बल्लेबाजी के टिप्स लिए जबकि ऋषभ पंत को अभ्यास सत्र के दौरान चोट लगने के बाद थोड़ी देर के लिए उपचार लेने की जरूरत पड़ी। बल्लेबाजी करने के लिए उतरे सिराज गेंद को जोर से मारने की कोशिश में चूक गए। भारतीय सलामी बल्लेबाज ने फिर तेज गेंदबाज को कुछ टिप्स दिए।

टीम

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (विकेटकीपर) विराट कोहली, रोहित शर्मा, रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड : माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), डेवोन कॉन्वे (विकेटकीपर), मिचेल हे (विकेटकीपर), निक केली, हेनरी निकोल्स, विल यंग, जोश क्लार्कसन, जैक फॉल्क्स, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, आदित्य अशोक, क्रिस्टियन क्लर्क, काइल जैमीसन, जेडन लेनॉक्स, माइकल रे।

शुभमन गिल।

किस्मत में जो होगा उसे कोई मुझसे छीन नहीं सकता : गिल

वडोदरा। टी20 विश्व कप टीम से बाहर किए जाने के बाद भारत के वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने शनिवार को कहा कि वह चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करते हैं और जब भी मौका मिलेगा अपनी पूरी क्षमता के साथ योगदान देने की कोशिश करेंगे।

गिल को अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए नहीं चुना गया, लेकिन 26 साल का यह खिलाड़ी खेल के दो अन्य अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप में भारत का नेतृत्व करता रहेगा। गिल ने भारत के लिए 36 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 869 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 28.03 और स्ट्राइक रेट 138.59 का रहा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की शृंखला के शुरुआती वनडे से पहले गिल ने कहा मेरा मानना है कि मैं वहीं हूं जहां मुझे होना चाहिए। मेरी तकदीर में जो लिखा है उसे कोई मुझसे नहीं छीन सकता। गिल ने कहा जाहिर है एक खिलाड़ी के तौर पर आपको यह विश्वास होता है कि अगर आप विश्व कप में खेलते हैं। तो आप अपनी टीम के लिए और अपने देश के लिए जीत हासिल करेंगे। गिल ने कहा मैं चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करता हूं और टी20 टीम को मेरी शुभकामनाएं। मुझे पूरी उम्मीद है कि वे हमारे लिए विश्व कप जीतेंगे। जब उनसे पूछा गया कि क्या टीम से बाहर किए जाने का उन पर मानसिक रूप से बुरा असर पड़ सकता है, तो गिल ने कहा कि चीजों को सरल रखना जरूरी है। भारतीय कप्तान ने कहा एक खिलाड़ी होने के नाते सब कुछ वर्तमान में जीने के बारे में है। आप जितना अधिक वर्तमान में रहेंगे जीत की उतनी संभावनाएं बढ़ जायेंगी। आप मैदान में भी अगर वर्तमान में रहते हैं तो सफलता की संभावना बढ़ जाती है। मैं यह देखने की कोशिश करता हूं कि मुझे अभी क्या करना है और क्या महत्वपूर्ण है। हम जितना अधिक वर्तमान में रह सकते हैं, हमारा जीवन उतना ही सरल हो जाता है। कप्तान बनने के बाद यह गिल के लिए वनडे में सिर्फ दूसरी सीरीज है। गिल नवंबर में कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट के दूसरे दिन गर्दन की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट और उसके बाद की वनडे शृंखला में नहीं खेले थे।

गुजरात जायंट्स ने यूपी वारियर्स को 10 रनों से हराया

नवी मुंबई, एजेंसी

आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज फीबी लिचफील्ड के 40 गेंद में 78 रन बेकार गए और गुजरात जायंट्स ने महिला प्रीमियर लीग के मैच में शनिवार को यूपी वारियर्स को 10 रन से हरा दिया।

पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर कप्तान एशले गार्डनर के 65 रन और जॉर्जिया वेयरहैम के 10 गेंद में नाबाद 27 रन की मदद से गुजरात जाइंट्स ने चार विकेट पर 207 रन बनाए। जवाब में लिचफील्ड ने यूपी को दौड़ में बनाये रखा लेकिन 16वें ओवर में उनके आउट होने के बाद गुजरात ने मैच पर शिकंजा कस लिया। लिचफील्ड ने अपनी पारी में आठ चौके और पांच छक्के लगाए। यूपी वारियर्स ने आठ विकेट पर 197 रन बनाए। आशा शोभना ने 10 गेंद में नाबाद 27 रन बनाये जिसमें तीन चौके और दो छक्के शामिल थे लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। गुजरात जायंट्स के लिए आस्ट्रेलिया की लेग स्पिनर जॉर्जिया वेयरहैम ने 30 रन देकर दो विकेट लिए। रेणुका सिंह और सोफी डेवाइन को भी दो दो विकेट मिले जबकि गार्डनर और राजेश्वरी ने एक-एक विकेट लिया।

यूपी की शुरुआत खराब रही और सलामी बल्लेबाज किरन नवगिरे को रेणुका ने पांचवीं गेंद पर आउट कर दिया। कप्तान और सलामी बल्लेबाज मेग लैनिंग (27 गेंद में 30 रन) और लिचफील्ड ने दूसरे विकेट के लिये 70 रन जोड़े। यूपी ने पांच गेंद और एक रन के भीतर लैनिंग, हरलीन देयोल (0) और दीप्ति शर्मा (1) के विकेट गंवा दिए। यूपी का स्कोर नौवे ओवर में एक विकेट पर 73 रन था लेकिन दसवें ओवर में चार विकेट पर 74 रन हो गया। लिचफील्ड और श्वेता सहरावत (25) ने 69 रन की साझेदारी की लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। इससे पहले बल्लेबाजी के लिये भेजी गई गुजरात की टीम की तरफ से अनुष्का शर्मा (44) और गार्डनर ने तीसरे विकेट के लिये 103 रन की साझेदारी की। अनुष्का ने 30 गेंद में 44 रन बनाये जबकि गार्डनर ने 41 गेंद की अपनी पारी में छह चौके और तीन छक्के लगाए। इससे पहले सलामी बल्लेबाज सोफी डेवाइन छठे ओवर में 38 के स्कोर पर आउट हो गई थी।

आस्ट्रेलिया की अनुभवी बल्लेबाज गार्डनर 18वें ओवर में सोफी एक्लेस्टोन का शिकार बनी, लेकिन वेयरहैम ने एक चौके और तीन छक्के समेत आक्रामक पारी खेलकर गुजरात जायंट्स को 200 रन के पार पहुंचाया। भारती फुलमाली सात गेंद में 14 रन बनाकर नाबाद रही। यूपी वारियर्स के लिये एक्लेस्टोन ने 32 रन देकर दो विकेट लिये जबकि शिखा पांडे और डिएंड्रा डोटिन को एक एक विकेट मिला। भारत की स्टार गेंदबाज दीप्ति शर्मा को विकेट नहीं मिला और उन्होंने तीन ओवर में 32 रन दिए।

जीत का जश्न मनातीं गुजरात जाइंट्स की खिलाड़ीं। एजेंसी

महिला प्रीमियर लीग

हरमनप्रीत व साइवर चमकीं मुंबई ने दिल्ली को मात दी

नवी मुंबई, एजेंसी

कप्तान हरमनप्रीत कौर (नाबाद 74) के अर्धशतक, नटाली साइवर ब्रंट (70 रन, दो विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन और निकोला कैरी की शानदार गेंदबाजी से मुंबई इंडियंस ने शनिवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 50 रनों से हरा दिया। मुंबई इंडियंस के चार विकेट पर 195 रन के प्रतिस्पर्धी स्कोर के जवाब में दिल्ली कैपिटल्स की टीम चिनेली हेनरी (33 गेंद में 56 रन) के अर्धशतक के बावजूद 19 ओवर में 145 रन पर सिमट गई। कैरी और अमेलिया केर के तीन तीन विकेट झटके।

साइवर ब्रंट ने अर्धशतकीय पारी खेलने के अलावा दो विकेट भी अपने नाम किए। शबनीम इस्माइल को एक विकेट मिला जबकि संस्कृति गुप्ता ने अपने एकमात्र ओवर में अंतिम विकेट झटका। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खराब प्रदर्शन के एक दिन बाद 33 वर्षीय ऑलराउंडर साइवर ब्रंट ने शानदार वापसी करते हुए 46 गेंद की पारी में 13 चौके जड़े। उन्होंने कप्तान हरमनप्रीत के साथ मिलकर मौजूदा चैंपियन की पारी को संभाला। हरमनप्रीत ने भी आक्रामक बल्लेबाजी की और अपनी नाबाद 42 गेंद की पारी में आठ चौके और तीन छक्के लगाए। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी से टीम के प्रतिस्पर्धी स्कोर की नींव बनी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने पावरप्ले में चार अहम विकेट गंवा दिए थे जिससे टीम उबर ही नहीं सकी जिसमें निकोला कैरी (37 रन देकर तीन विकेट) के दो विकेट महत्वपूर्ण साबित हुए। चौथे ओवर में लिजेल ली (10) के आउट होने के बाद कैरी ने पांचवें ओवर में शेफाली वर्मा (08) और लौरा वोलवार्ट (09) को बोल्ड कर दिया। कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स (01) को शबनीम इस्माइल (14 रन देकर एक विकेट) ने अपना शिकार बनाया। इससे 5.2 ओवर में टीम का स्कोर चार विकेट पर 33 रन था। मरिजान काप (10) और निकी प्रसाद (12) शुरूआत के बावजूद जल्दी विकेट गंवा बैठीं।

हरमनप्रीत कौर। एजेंसी

केरल और रेलवे के बीच दोनों वर्गों में खिताबी मुलाकात तय

राष्ट्रीय वॉलीबॉल

संवाददाता, वाराणसी

अमृत विचार : केरल व भारतीय रेलवे की टीमों ने यहां 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में अपना पराक्रमी प्रदर्शन जारी रखते हुए दोनों वर्गों के फाइनल में जगह सुरक्षित कर ली है।

महिला खिताब के लिए तो गत चैम्पियन केरल व गत उपजेता रेलवे के बीच एक बार फिर खिताबी मुलाकत करेगी। केरल के पुरुषों ने पंजाब को सीधे सेटों में शिकस्त दी डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम (सिगरा) में नगर निगम के सहयोग से वाराणसी में पहली बार आयोजित प्रतियोगिता के सातवें दिन देर शाम पुरुष वर्ग के पहले सेमीफाइलन में रेलवे ने जबर्दस्त संघर्ष के बीच 3-2(22-25,25-23,21-25,25-17,15-13की जीत हासिल की और गत उपजेता सर्विसेज की चुनौती तोड़ दी। फाइनल में रेलवे की टक्कर केरल से होगी, जिसने दिन के अंतिम सेमीफाइनल में पंजाब को सीधे सेटो में 3-0(25-23,25-23,25-22) से परास्त किया। हरियाणा व राजस्थान की महिला टीमें सेमीफाइनल में परास्त उधर लगातार छठी उपाधि जीतने के लिए प्रयासरत केरल की महिला टीम ने दिन में खेले गए सेमीफाइनल में हरियाणा को जहां 3-0(25-19, 25-21, 35-33) की आसान शिकस्त दी।

एक दिन पहले क्वार्टर फाइनल में मेजबान उत्तर प्रदेश की चुनौती तोड़ने वाली केरल की अब रेलवे से टक्कर होगी, जिसने एक सेट गंवाने के बाद राजस्थान को 3-1(25-13, 25-16, 24-26, 25-19) से परास्त किया।

मलेशिया ओपन में सिंधु सेमीफाइनल में वांग से हारीं

कुआलालंपुर। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु का शानदार सफर शनिवार को यहां सत्र के पहले मलेशिया ओपन सुपर 1000 के महिला एकल सेमीफाइनल में चीन की वांग झियी से सीधे गेम में हार के साथ समाप्त हो गया।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु विश्व नंबर दो खिलाड़ी के दबाव को झेल नहीं पाई और 6-21, 15-21 से हार गई। उन्होंने मुकाबले में कई गलतियों का खामियाजा भुगतना पड़ा पिछले साल अक्टूबर से पैर की चोट के कारण मैदान से बाहर रहीं सिंधु अपना पहला टूर्नामेंट खेल रही थीं। वह दूसरे गेम में एक समय 11-6 की बढ़त के साथ वापसी कर रही थी लेकिन उन्होंने इसे गंवा दिया। इस हार के साथ ही टूर्नामेंट में भारत का सफर भी समाप्त हो गया। सिंधु ने कहा मुझे लगता है कि 11-6 पर मैंने ब्रेक लिया, शायद मुझे वहां 2-3 अंक ले लेने चाहिए थे।

महिला हॉकी इंडिया लीग | फाइनल में श्राची बंगाल टाइगर्स को हराया

एसजी पाइपर्स ने शूटआउट में जीता खिताब

रांची, एजेंसी

एसजी पाइपर्स ने शनिवार को यहां नियमित समय में 1-1 की बराबरी के बाद हुए शूटआउट में श्राची बंगाल टाइगर्स को 3-2 से हराकर महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2025-26 का खिताब जीत लिया। नियमित समय में एसजी पाइपर्स की ओर से प्रीति दुबे (53वें मिनट) और श्राची बंगाल टाइगर्स की ओर से ललरेमसियामी (16वें मिनट) ने गोल किए।

शूटआउट में कप्तान नवनीत कौर, जुआना कास्तेलारो और लोला रिएरा ने गोल किए और बंसारी सोलंकी ने अहम बचाव किए जिससे एसजी पाइपर्स फाइनल जीतने में सफल रही। हॉकी इंडिया लीग ने एसजी पाइपर्स के लिए 1.5 करोड़ रुपये, श्राची बंगाल टाइगर्स के लिए एक करोड़ रुपये और तीसरे स्थान पर रहने वाली रांची रॉयल्स के लिए 50 लाख रुपये का पुरस्कार राशि की घोषणा की। श्राची बंगाल टाइगर्स की ऑगस्टिना गॉर्जेलानी टूर्नामेंट की शीर्ष स्कोरर रहीं और उन्हें पांच लाख रुपये दिए गए जबकि एसजी पाइपर्स की कप्तान नवनीत कौर को 'टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' का खिताब मिला और उन्हें 20 लाख रुपये पुरस्कार राशि मिली। रांची रॉयल्स को 'फेयरप्ले' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एसजी पाइपर्स की बंसारी सोलंकी को टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुना गया।

खिताब के साथ एसजी पाइपर्स के खिलाड़ी। एजेंसी